प्रसारित - आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद, अलीगढ़, हाथरस, कासगंज, एटा, मैनपुरी, बुलंदशहर, गाजियाबाद, लखनऊ, कानपुर | गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

साप्ताहिक
मोर्निंग सिटी
सच के साथ...

वर्ष - 10 अंक 26, 12 अक्टूबर से 18 अक्टूबर, 2025 मूल्य- 10 रुपये। पृष्ठ 8

निक्की तंबोली ने धनश्री वर्मा पर कसा तंज 8

मोर्निंग सिटी | MORNING CITY
यूपी का सर्वश्रेष्ठ न्यूज प्लेटफॉर्म

इंडिया गठबंधन-भाजपा को नुकसान पहुंचा सकती है बसपा की बढ़ी ताकत

लखनऊ

बसपा प्रमुख मायावती की एकला चलो की रणनीति से किसे फायदा या नुकसान होगा? राजनीतिक हलकों में यह सवाल गर्म है। विश्लेषक मानते हैं कि यह नफा-नुकसान टिकट पाने वाले चेहरों पर भी निर्भर करेगा। मायावती की सोशल इंजीनियरिंग से दोनों खेमों को नुकसान होने से भी इन्कार नहीं किया जा सकता है।

लखनऊ विवि में राजनीति शास्त्र विभाग के प्रो. संजय गुप्ता कहते हैं कि मायावती का आधार वोट अभी भी उनके साथ खड़ा है। सीटों के लिहाज से बसपा

की ताकत कम या ज्यादा होना उसके लिए मायने नहीं रखता। मायावती ने अगले विधानसभा चुनाव में जहां सामान्य जाति का प्रत्याशी उतारा, वहां एनडीए गठबंधन को नुकसान हो सकता है। इसी तरह से जहां मुस्लिम या पिछड़ा वर्ग का प्रत्याशी उतारा, वहां इंडिया गठबंधन को झटका लग सकता है।

राजनीति के जानकारों का मानना है कि यूपी में बसपा ने इंडिया गठबंधन को अपना मुख्य राजनीतिक दुश्मन माना है। पिछले लोकसभा चुनाव में अल्पसंख्यकों के साथ-साथ पिछड़ों और दलितों का एक बड़ा हिस्सा इंडिया गठबंधन के साथ गया था। नतीजतन, उसे सबसे ज्यादा सीटें मिलीं। इसलिए मायावती का सपा और कांग्रेस पर निशाना साधना स्वाभाविक भी है। बसपा नेतृत्व को लगता है कि इंडिया गठबंधन पर निशाना साधकर ही वो न सिर्फ अपने आधार वोट को खिसकने से रोक सकता है, बल्कि मुस्लिमों को अपने साथ ला सकता है। इसलिए आने वाले समय में भी बसपा का सपा व कांग्रेस पर हमला जारी रहे तो इसमें कोई हैरानी की बात नहीं।

रैली को देखकर विरोधी दलों और संगठनों के उड़े होश

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि पार्टी के संस्थापक कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस पर राजधानी में आयोजित रैली को देखकर विरोधी दलों और संगठनों के होश उड़ गए हैं। रैली में अपने खून-पसीने की कमाई के पैसे खर्च कर आए लोगों में खासकर युवाओं व महिलाओं की रिकार्ड भीड़ और यूपी में पांचवीं बार बसपा की सरकार बनाने की जिद ने उनकी नींद उड़ा दी है। बसपा सुप्रीमो ने शुक्रवार को जारी अपने बयान में कहा कि ऐसे विरोधी दलों व संगठनों के नेताओं की बेतुकी बातों एवं बयानबाजी को महत्व नहीं दिया जाना चाहिए। इनके बारे में कुछ न कहा जाए, तो बेहतर होगा। वैसे भी बहुजन समाज के लोग अपने वोटों के बलबूते पर शोषित से शासक वर्ग बनकर बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर का सपना पूरा करने के लिए कितने तत्पर व संघर्षशील हैं, इसकी स्पष्ट झलक उन्होंने रैली में पूरे देश को दिखा दी है। अब उन्हें विरोधियों के साम, दाम, दंड, भेद आदि हथकंडों से सजग व सावधान रहते हुए आगे अपने मिशन 2027 में तन, मन, धन से लग जाना है। वहीं दूसरी ओर उन्होंने रैली में लोगों को सुरक्षित लाने व वापस ले जाने में जुटे सभी छोटे-बड़े पदाधिकारियों, नेताओं व वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

श्रीराम के अयोध्या आगमन की विजयगाथा का होगा मंचन

रूस का प्रतिनिधित्व करेगा 'दिशा रामलीला मॉस्को'

अयोध्या

रामनगरी स्थित अयोध्या शोध संस्थान के आमंत्रण पर रशियन-इंडियन फ्रेंडशिप सोसाइटी दीपोत्सव के दौरान अयोध्या में अपनी नाट्य प्रस्तुति दिशा रामलीला प्रस्तुत करेगी। यह प्रस्तुति पद्मश्री गन्नादी मिखाइलोविच पेचनिकोव की स्मृति को समर्पित है। दीपोत्सव का आयोजन 18-19 अक्तूबर को हो रहा है। विभिन्न देशों के कलाकारों को इस अंतरराष्ट्रीय दीपोत्सव में आमंत्रित किया गया है। रूस में रामलीला का इतिहास 1960 के दशक से जुड़ा है। सोवियत और रूसी अभिनेता, रंगमंच निर्देशक और सांस्कृतिक व्यक्तित्व गन्नादी मिखाइलोविच पेचनिकोव (जिन्हें रशियन राम कहा जाता था) ने लगभग दो दशकों तक रामलीला का मंचन किया। उन्होंने भारत के कई दौरे किए। भारत सरकार ने उन्हें बाल मित्र पदक और पद्मश्री सम्मान से सम्मानित किया। करीब 40 वर्षों के अंतराल के बाद, रशियन इंडियन फ्रेंडशिप सोसाइटी दिशा ने पद्मश्री जी.एम. पेचनिकोव की स्मृति और भारत-रूस की अटूट मित्रता के सम्मान में दिशा रामलीला के प्रदर्शन की परंपरा को पुनर्जीवित किया।

जब तक बेटियां डर में रहेगी...

लड़कियों के लिए डिजिटल एज खतरों को लेकर सीजेआई कही आंखें खोलने वाली बात

नई दिल्ली

सीजेआई बी.आर. गवई ने ऑनलाइन उत्पीड़न, साइबर धमकी और 'डिजिटल स्टॉकिंग' के साथ-साथ व्यक्तिगत डेटा और डीपफेक तस्वीरों के कारण लड़कियों के विशेष रूप से संवेदनशील स्थिति में होने को लेकर चिंता जाहिर की। उन्होंने इस संदर्भ में विशेष कानून बनाए जाने और कानून प्रवर्तन एजेंसियों व नीति निर्धारकों को स्पेशल ट्रेनिंग देने की आवश्यकता पर जोर दिया।

'डिजिटल स्टॉकिंग' इंटरनेट और अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का उपयोग करके किसी व्यक्ति को परेशान करना, धमकाना या उसका पीछा करने को कहते हैं। चीफ जस्टिस ने यूनिसेफ, भारत के सहयोग से सुप्रीम कोर्ट की किशोर न्याय समिति (जेजेसी) के तत्वावधान में आयोजित "बालिकाओं की सुरक्षाः भारत में उनके लिए सुरक्षित और सक्षम वातावरण की ओर" विषय पर राष्ट्रीय वार्षिक हितधारक परामर्श में अपनी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि संवैधानिक और कानूनी संरक्षण के बावजूद देश भर में अनेक बालिकाओं को अब भी उनके मौलिक अधिकारों और यहां तक कि जीवन-निर्वाह के बुनियादी साधनों से भी वंचित रहना पड़ रहा है। यह असुरक्षा उन्हें यौन शोषण, उत्पीड़न और हानिकारक प्रथाओं तथा अन्य गंभीर जोखिमों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील बना देती है। चीफ जस्टिस ने कहा कि बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना केवल उसके शरीर

की रक्षा करना नहीं है, बल्कि उसकी आत्मा को मुक्त करना है। एक ऐसा समाज बनाना जहां वह सम्मान के साथ अपना सिर ऊंचा रख सके और जहां उसकी आकांक्षाएं शिक्षा और समानता से पोषित हों... हमें उन गहरी जड़ें जमाए हुए पितृसत्तात्मक रीति-रिवाजों का सामना करना होगा और उन पर विजय प्राप्त करनी होगी जो लड़कियों को उनके उचित स्थान से वंचित करते हैं।'

रवींद्रनाथ टैगोर की कविता 'व्हेयर द माइंड इज विदाउट फियर' को याद करते हुए जस्टिस गवई ने कहा कि इसमें लड़कियों की सुरक्षा के लिए जो कुछ हासिल करने का प्रयास किया जा रहा है, उसका सार समाहित है। उन्होंने कहा कि यह सपना तब तक अधूरा रहेगा जब तक हमारे देश में कोई भी लड़की भय में रहेगी - हिंसा के भय में, भेदभाव के भय में, या सीखने और सपने देखने के अवसर से वंचित होने के भय में।'

न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना ने कहा?

सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश बीवी नागरत्ना ने कहा कि कुछ राज्यों में महिला भ्रूण हत्या और बालिकाओं की हत्या के कारण लिंगानुपात बिगड़ रहा है। उन्होंने कहा कि लड़कियों को केवल बचना ही नहीं है, बल्कि जीवन में आगे भी बढ़ना है। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने सीजेआई गवई और महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी की मौजूदगी में बात की। जेजेसी सदस्य न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और शीर्ष अदालत के अन्य न्यायाधीश भी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि भारत में एक लड़की तभी सही मायनों में बराबर नागरिक मानी जाएगी, जब वह अपने पुरुष समकक्ष की तरह स्वतंत्र रूप से अपने सपने पूरे कर सके और बिना किसी लिंग-आधारित बाधा के समान संसाधन और समर्थन प्राप्त कर सके। उन्होंने कहा कि इसे इस तरह भी समझा जा सकता है कि लड़की के जन्म लेने की संभावना, उसे सही पोषण, देखभाल, शिक्षा और सुरक्षित माहौल मिलना, उसका आत्मविश्वास और अपनी मंजिल तक पहुंचने की क्षमता लड़के के बराबर होनी चाहिए। लड़की को केवल बचना नहीं बल्कि आगे भी बढ़ना चाहिए। नागरत्ना ने बताया कि भारत में लड़की के लिए जन्म लेना ही उसकी सबसे बड़ी बाधा है। कई परिवारों में लड़का पैदा होने की उम्मीद होती है और लड़की होने पर निराशा होती है। उन्होंने कहा कि भारत में 0 से 6 साल के बच्चों में बालिका-पुरुष अनुपात 2011 की जनगणना में 914 से बढ़कर राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 में 929 हो गया है।

सीएम योगी ने पाम पैराडाइज में 160 परिवारों को सौंपी फ्लैट की चाबी

गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपावली से पहले देवरिया बाईपास स्थित हाई-राइज बिल्डिंग पाम पैराडाइज में 160 परिवारों को ईडब्ल्यूएस/एलआईजी फ्लैट्स की चाबियां भेंट कीं। इनमें 80 फ्लैट्स आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) और 80 निम्न आय वर्ग (एलआईजी) के लिए हैं। साथ ही मुख्यमंत्री ने गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) की 118 करोड़ रुपये की 50 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। इस दौरान सीएम ने पौधारोपण भी किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि हर परिवार की एक तमन्ना होती है कि उसका अपना एक घर हो। आज 160 परिवारों को दीपावली का शुभ उपहार मिल रहा है। कार्तिक मास के शुभ मुहूर्त में यह उपलब्धि और भी खास है। एक परिवार में औसतन 5-6 सदस्य होने पर करीब 700-800 लोग सीधे लाभान्वित हो रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि आवास वितरण पूरी पारदर्शिता के साथ हुआ है। जीडीए की हाउसिंग स्कीम में 40 विस्थापित परिवारों को प्राथमिकता दी गई। शेष 120 परिवारों का चयन लॉटरी माध्यम से किया गया। 9,000 से अधिक आवेदनों में से सौभाग्यशाली 160 लोगों को आवास मिले हैं। विकास प्राधिकरण को चाहिए कि बाकी जरूरतमंदों के लिए आवास प्रक्रिया तेज करे। ईडब्ल्यूएस फ्लैट्स 35 वर्ग मीटर के हैं, जिनकी बाजार कीमत 13-15 लाख रुपये है लेकिन सब्सिडी के तहत मात्र 5.40 लाख रुपये में उपलब्ध कराए गए।

हमने बीज से लेकर बाजार तक सुधार किए
पिछली सरकारों ने कृषि को छोड़ा: पीएम मोदी

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार दोपहर दिल्ली के भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में कृषि क्षेत्र के लिए 35 हजार 440 करोड़ की दो बड़ी योजनाएं शुरू कीं। उन्होंने पीएम 11,440 करोड़ की दाल उत्पादन मिशन योजना और 24 हजार करोड़ की पीएम धन धान्य कृषि योजना का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि, 'कृषि और खेती हमेशा हमारे विकास यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा रही हैं। समय के साथ यह जरूरी है कि कृषि को सरकार का समर्थन मिलता रहे। दुर्भाग्य से पिछली सरकारों ने कृषि को छोड़ दिया था।' पीएम ने कहा कि 21वीं सदी के भारत को तेजी से विकसित करने के लिए हमारी कृषि प्रणाली में सुधार आवश्यक था। यह काम 2014 में शुरू हुआ। हमने पिछली सरकारों के लापरवाह रवैये को बदला। बीज से लेकर बाजार तक, किसानों के लाभ के लिए अनगिनत सुधार किए।

पीएम मोदी ने कहा- पिछली सरकारों ने देश के 100 से अधिक जिलों को पिछड़ा घोषित किया, फिर उन्हें भुला दिया। हमने इन जिलों पर विशेष ध्यान दिया, इन्हें आशास्पद जिले घोषित किया। इन जिलों को सह-संयोजन, सहयोग और प्रतिस्पर्धा के अपने मंत्र से बदला। यहां की 20% बस्तियों में स्वतंत्रता के बाद भी सड़क नहीं थी। आज इन बस्तियों का अधिकांश हिस्सा सड़कों से जुड़ चुका है। पहले यहां के 17% बच्चों को टीकाकरण का लाभ नहीं मिल रहा था, लेकिन आज मिल रहा है। 15% से अधिक स्कूलों में बिजली नहीं थी, लेकिन अब योजना के तहत हर स्कूल में बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराया गया है।

दूध के प्रोडक्शन भारत नंबर 1

पीएम ने कहा- भारत दुनिया में दूध उत्पादन में नंबर वन हैं। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक देश है। 2014 के मुकाबले शहद का उत्पादन भी दोगुना हुआ है। अंडे का प्रोडक्शन भी पिछले 11 सालों में दोगुना हुआ। उन्होंने कहा कि पिछले 11 सालों में भारत का कृषि निर्यात लगभग दोगुना हो गया है। अन्न उत्पादन में लगभग 90 मिलियन मीट्रिक टन की वृद्धि हुई है। फल और सब्जियों का उत्पादन 64 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक बढ़ा है। पिछले 11 सालों में देश में छह बड़े फटीर्लाइजर प्लांट बनाए गए। किसानों को 2.5 करोड़ से अधिक मिट्टी स्वास्थ्य कार्ड बांटे। माइक्रो-इरीगेशन की सुविधा 100 लाख हेक्टेयर तक पहुंची। पीएम फसल बीमा योजना से लगभग 2 लाख करोड़ के क्लेम मिले। पीएम मोदी ने कहा कि पिछले 11 साल में 10 हजार से ज्यादा किसान उत्पादक संघ का गठन किया गया। इन सालों में देश के किसानों ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं।

मजबूर महिलाओं संग दरिंदगी... जहन्नुम का भय, छांगुर गैंग करता था घिनौना काम

लखनऊ

उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिले के छांगुर उर्फ जमालुद्दीन को लेकर सनसनीखेज खुलासा हुआ है। एटीएस की विशेष कोर्ट में छांगुर समेत छह आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई है। इस चार्जशीट में चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है। चार्जशीट में बताया गया है कि धर्मांतरण गिरोह का सरगना छांगुर और उसके साथी डेमोग्राफी बदलने के लिए लोगों को इस्लाम अपनाने के लिए प्रलोभन देते थे। यही नहीं वह लोगों को डराते भी थे। इसके अलावा यह बात भी सामने आई है कि छांगुर बाबा का गिरोह मजबूर महिलाओं के साथ दुष्कर्म भी करता था।

चार्जशीट में एटीएस की ओर से बताया गया कि छांगुर और उसके साथी हिंदू देवी-देवताओं का अपमान करते थे। वे इस्लाम धर्म को सर्वश्रेष्ठ बताते थे और मजबूर लोगों धर्मांतरण कर इस्लाम अपनाने का फायदा बताते थे। आरोपी इस्लाम में आने के बाद नीतू और नवीन रोहरा का उदाहरण देते थे।

प्रलोभन देकर कराया धर्मांतरण

बताते थे कि कैसे दोनों करोड़पति बन गए। आरोपी बलरामपुर और आसपास के जिलों में जमीन की खरीद फरोख्त करते थे। चार्जशीट के मुताबिक, गिरोह ने आर्थिक रूप से कमजोर और मजबूर लोगों को जहन्नुम का भय दिखाया और प्रलोभन देकर धर्मांतरण कराया। यूपी एटीएस ने दूसरी चार्जशीट में कुल 33 गवाहों के बयान दर्ज किए, जिससे गिरोह की कार्यशैली का पता चला। चार्जशीट में छांगुर पर छेड़छाड़ और दुष्कर्म में सहयोग करने का आरोप लगाया गया है।

छोटी खबरें

कफ सिरप मौत मामले में बड़ा खुलासा, कोल्ड्रिफ के खिलाफ जांच में सामने आई बड़ी चूक

नई दिल्ली

मध्यप्रदेश में बच्चों की मौत के मामले में कोल्ड्रिफ कफ सिरप के कांचीपुरम स्थित विनिमार्ता के खिलाफ की गई जांच में तमिलनाडु खाद्य एवं औषधि विभाग (टीएनएफडीए) द्वारा बुनियादी नियामक मानदंडों को लागू करने में चूक सामने आई है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि तमिलनाडु खाद्य एवं औषधि प्रशासन (टीएनएफडीए) द्वारा 2011 में लाइसेंस प्राप्त श्रीसन फार्मा ने अपने खराब बुनियादी ढांचे और राष्ट्रीय औषधि सुरक्षा नियमों के कई उल्लंघनों के बावजूद एक दशक से अधिक समय तक बिना किसी रोक-टोक के संचालन जारी रखा। सीडीएससीओ द्वारा हाल ही में की गई एक जांच में इकाई की भयावह स्थिति और वस्तु विनिर्माण प्रक्रिया (जीएमपी) का पूरी तरह गैर अनुपालन उजागर हुआ। एक सूत्र ने कहा कि सीडीएससीओ श्रीसन फार्मा में किसी भी ऑडिट में शामिल नहीं रहा है। चूंकि सीडीएससीओ शामिल नहीं था और राज्य एफडीए (खाद्य एवं औषधि प्रशासन) ने सीडीएससीओ को इस कंपनी के बारे में किसी भी तरह से सूचित नहीं किया, लिहाजा यह कंपनी सीडीएससीओ के किसी भी डेटाबेस का हिस्सा नहीं थी। टीएनएफडीए के अधिकारियों से इस मामले पर प्रतिक्रिया नहीं मिली। सीडीएससीओ के एक अन्य सूत्र ने बताया कि नियमों के तहत विनिमार्ताओं को सुगम पोर्टल पर अपने सभी अनुमोदित उत्पादों को अद्यतन करना आवश्यक है। इस नियम को देश में सभी अनुमोदित उत्पादों का राष्ट्रीय डेटाबेस तैयार करने के लिए अधिसूचित किया गया था ताकि बेहतर निगरानी हो सके। सूत्र ने कहा, कंपनी ने अपने उत्पादों को डेटाबेस पर पंजीकृत नहीं किया। इस तरह, इसने इस नियम का अनुपालन नहीं किया। राज्य नियामक की जिम्मेदारी है कि वह राज्य में इस नियम को लागू करवाए।

महाराष्ट्र में मुआवजे पर सियासत

मुंबई

महाराष्ट्र में हाल ही में आई भारी बारिश और बाढ़ के कारण किसानों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा। ऐसे में अब राज्य सरकार द्वारा घोषित राहत पैकेज पर सियासत में गर्माहट सातवें आसमान पर पहुंच गई है। एक ओर जहां शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने राज्य सरकार के मुआवजे को 'इतिहास का सबसे बड़ा मजाक' बताया है। तो वहीं दूसरी ओर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे पर पलटवार करते हुए उनकी संभाजीनगर में हुई रैली और बयान को घड़ियाली आंसुओं का तमाशा करार दिया। संभाजीनगर में एक रैली को संबोधित करते हुए शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख ने राज्य सरकार पर किसानों के मुआवजे को लेकर जमकर निशाना साधा। उन्होंने राज्य सरकार के मुआवजे को 'इतिहास का सबसे बड़ा मजाक' बताते हुए कहा कि अगर सरकार ने किसानों के लिए पूर्ण कर्जमाफी की घोषणा नहीं की, तो किसान सड़कों पर उतरेंगे। इस दौरान ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा। उन्होंने पीएम मोदी के हाल ही में किए गए महाराष्ट्र दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि वे हाल ही में महाराष्ट्र आए लेकिन किसानों के मुद्दे पर एक शब्द नहीं बोले। उन्होंने सवाल उठाया कि जब किसानों की जिंदगी उजड़ गई है, तब सरकार में बैठे लोग चुप क्यों हैं। वहीं बयानबाजी का बाजार ज्यादा गर्म तब हो गया जब उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे उद्धव ठाकरे के संभाजीनगर रैली में दिए गए बयानों को लेकर आड़ेहाथ लिया। शिंदे ने उद्धव ठाकरे पर पलटवार करते हुए उनकी रैली को घड़ियाली आंसुओं का तमाशा करार दिया। शिंदे ने कहा कि ठाकरे सत्ता से बाहर होने के बाद किसानों के दर्द का दिखावा कर रहे हैं। शिंदे ने कहा कि जब खेत, घर और मवेशी सब बर्बाद हो गए, तब महायुति सरकार ने पूरे राज्य में दौरा किया और तय किया कि एनडीआरएफ के नियमों के बावजूद किसानों को तुरंत राहत दी जाएगी। इसके साथ ही शिंदे ने महाराष्ट्र सरकार की ओर से घोषित 31,628 करोड़ रुपये के राहत पैकेज का जिक्र करते हुए कहा कि किसानों के खातों में दिवाली से पहले 10,000 रुपये जमा कराए गए हैं। उन्होंने कहा कि जिन किसानों की फसलें बर्बाद हुई हैं, उन्हें 48,000 रुपये प्रति हेक्टेयर तक और मनरेगा के तहत 3.47 लाख रुपये प्रति हेक्टेयर तक की सहायता मिलेगी। शिंदे ने कहा कि महायुति सरकार नारे नहीं, समाधान देती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के समर्थन से राज्य और केंद्र मिलकर काम कर रहे हैं ताकि कोई भी किसान पीछे न छूटे।

संभल में फिर होगी बुलडोजर कार्रवाई: 80 मकानों पर प्रशासन ने लगाए लाल निशान

संभल

रायसत्ती थाना क्षेत्र के मोहल्ला हातिम सराय में जिन 80 मकानों तालाब की जमीन पर बने होने की बात कहकर अवैध घोषित किया गया है, उसमें प्रशासनिक कार्रवाई में चूक होने का दावा किया गया है। सरायतरीन निवासी पूर्वी वार्ष्णेय ने दावा किया है कि जिस जमीन पर मकान बने हैं वह उनकी आठ बीघा पुश्तैनी जमीन थी। उनकी दादी हातिम सराय निवासी राम सुनीति देवी ने लोगों को बेची थी। आरोप है कि प्रशासन ने तहसील के रिकॉर्ड चेक नहीं किए और कार्रवाई शुरू कर दी। जबकि यह जमीन निजी है इसका भी आदेश राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज है। हालांकि प्रशासन की लाल निशान वाली कार्रवाई के बाद लोगों में चिंता है। तहसीलदार धीरेंद्र सिंह ने कहा था कि सरकारी आठ बीघा तालाब को पाटकर अवैध तरीके से 80 मकानों का निर्माण किया गया है। इसके लिए नोटिस जारी कर अवैध निर्माण हटाने के लिए 15 दिन का समय भी दिया था। इसी क्रम में बुधवार को 40 मकानों पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के लिए लाल निशान लगा दिए गए। जिन लोगों के मकानों पर लाल निशान लगाए गए वह चिंतित हैं। इसी कार्रवाई के दौरान पूर्वी वार्ष्णेय का दावा सामने आया है। पूर्वी वार्ष्णेय ने बताया कि उनकी दादी के नाम 12 बीघा जमीन थी। जो 2009 के बाद लोगों को बेची गई थी। वर्षों तक इस जमीन में खेती होती रही और कुछ हिस्से को लोगों ने मिट्टी की खोदाई से तालाबनुमा बना दिया था। जब जमीन बेची गई तो वह तालाब भी पाट दिया गया लेकिन निजी संपत्ति में ही तालाब था। प्रशासन ने जो कार्रवाई की है उसके रिकॉर्ड को चेक नहींकिया गया। तहसील में इस जमीन का पूरा रिकॉर्ड दर्ज है। जिन लोगों के मकान हैं उन्होंने बैनामा कराया है।

सम्पादकीय

जातिगत भेदभाव

देश में अभी सर्वोच्च न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई बनाम वकील राकेश कुमार का मामला चर्चा में था कि हरियाणा के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार द्वारा की आत्महत्या ने जातिगत भेदभाव के मामले को एक बार फिर सड़क से लेकर सत्ता के गलियारों में गर्मा दिया है। उपरोक्त दोनों मामले पढ़े-लिखे व समाज में उच्च स्थान रखने वालों से संबंधित हैं, लेकिन इनके साथ-साथ पिछले माह शिमला में एक दलित बच्चे के साथ जिस तरह का व्यवहार हुआ, उस कारण डरे व सहमे बच्चे ने आत्महत्या कर ली। रायबरेली में एक दलित को ड्रोन चोर समझकर उसकी हत्या कर दी गई। यह सब मामले चिंताजनक हैं। प्रधान न्यायाधीश गवई विरुद्ध सोशल मीडिया पर गैरकानूनी और आपत्तिजनक सामग्री डालने पर कार्रवाई करते हुए पंजाब पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों में 100 से अधिक सोशल मीडिया मंचों विरुद्ध शिकायतें दर्ज की हैं। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार विचाराधीन पोस्ट और वीडियो में जातिवादी और घृणा से भरे भाव हैं जिनका उद्देश्य सांप्रदायिक वैमनस्य को बढ़ावा देना, सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ना और न्यायिक संस्थानों के प्रति सम्मान को कम करना है। सोशल मीडिया सामग्री में प्रधान न्यायाधीश को निशाना बनाने वाले गैरकानूनी और आपत्तिजनक पोस्ट शामिल थे। संज्ञेय अपराधों के खुलासे की सूचना मिलने पर अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत विभिन्न पुलिस थानों में प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। हरियाणा के आईपीएस वाई पूरन कुमार की आत्महत्या के मामले में जापान से लौटीं आईएएस पत्नी अमनीत पी कुमार ने हरियाणा के डीजीपी शत्रुजीत कपूर और रोहतक के एसपी नरेंद्र बिजारणिया के खिलाफ सेक्टर-11 पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई। चार पन्नों के शिकायती पत्र में उन्होंने डीजीपी व एसपी पर उनके पति के उत्पीड़न, जाति आधारित भेदभाव और प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। दोनों पर पति को आत्महत्या के लिए उकसाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पति की मौत से ठीक पहले डीजीपी कपूर के कहने पर उनके खिलाफ रोहतक में झूठा केस दर्ज किया गया। यह सब षड्यंत्र के तहत किया गया, जिस कारण उनके पति ने मंगलवार को आत्महत्या की। आईएएस अमनीत ने दावा किया कि उनके पति को एससी-एसटी समुदाय से होने के कारण जाति आधारित गालियां दी गईं। सार्वजनिक रूप से अपमानित भी किया गया। उन्हें पति का आठ पन्नों का सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उन्होंने अपने दर्द और उत्पीड़न बारे में लिखा है। उसमें कई अन्य अधिकारियों के नाम भी हैं। यह भी दावा किया कि पुलिस अधिकारियों द्वारा सीएफएसएल से बरामद किए जाने के अलावा उन्हें और लैपटाप से भी सुसाइड नोट की कापी मिली है, जो उन्होंने पुलिस को सौंप दी है। उन्होंने मांग की है कि दोनों आरोपित अफसरों के खिलाफ तुरंत एफआइआर दर्ज कर गिरफ्तार किया जाए, ताकि साक्ष्यों से छेड़छाड़ न हो। अमनीत ने कहा कि वह न्याय की लड़ाई लड़ेंगी। किसी को छोड़ेंगी नहीं।

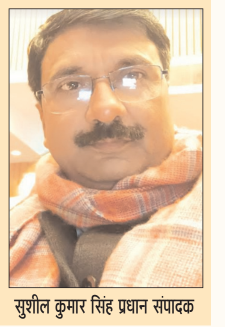

सुशील कुमार सिंह प्रधान संपादक

आतिशबाजी रहित उत्सवों की परम्परा का सूत्रपात हो

ललित गर्ग

दुनिया भर के प्रदूषित देशों में भारत पांचवें नंबर पर है, दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर भी हमारे ही देश में हैं, ऐसे तेरह शहर दुनिया के शीर्ष बीस प्रदूषित शहरों में शुमार हैं, इन चिन्ताजनक हालातों में हवा को जहरीला बनाने वाले पटाखे निरंकुश रूप से जलाना एक आत्मघाती कदम ही है। पटाखों के दुष्प्रभाव स्पष्ट और प्रमाणित हैं। वे वातावरण में जहरीली गैसों का उत्सर्जन करते हैं, जिससे हवा की गुणवत्ता अचानक बेहद खराब हो जाती है। दीपावली की रात पटाखों से निकलने वाला धुआं कई दिनों तक हवा में बना रहता है और सांस की तकलीफ, आंखों में जलन, हृदय रोग और दमा जैसी बीमारियों को और गंभीर कर देता है। पटाखों से होने वाला ध्वनि प्रदूषण बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों के लिए भय और असहनीय पीड़ा का कारण बनता है। पशु-पक्षियों की स्थिति भी दयनीय हो जाती है, उनके जीवन में असुरक्षा और बेचैनी घुल जाती है। यह सब जानते हुए भी आतिशबाजी को लेकर समाज में अब भी ढिलाई और परंपरा के नाम पर अनदेखी जारी रहना दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण है।

पर्यावरण संकट हमारे समय की सबसे बड़ी चुनौती बन चुका है। बढ़ता प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों की लगातार हो रही क्षति ने जीवन को असहज और असुरक्षित बना दिया है। यह संकट किसी दूर के भविष्य की चिंता नहीं है, बल्कि हमारे रोजमर्रा के जीवन को प्रभावित कर रहा है। राजधानी दिल्ली इसका सबसे जीवंत उदाहरण है, जहाँ दीपावली और अन्य त्योहारों के बाद वायु गुणवत्ता इतनी खराब हो जाती है कि सांस लेना तक मुश्किल हो जाता है। इसका एक प्रमुख कारण पटाखों का प्रयोग है। पटाखे और आतिशबाजी कुछ क्षणों के लिए उत्सव का शोर और रोशनी जरूर बिखेरते हैं, लेकिन उनके पीछे छूट जाता है जहरीला धुआं, असहनीय शोर, सांस लेने में तकलीफ और एक असंतुलित वातावरण। इस स्थिति में दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पटाखों पर अंकुश लगाने के संदर्भ में देश की शीर्ष अदालत की टिप्पणी संवेदनशील और मार्गदर्शक होने के साथ-साथ जनजागरूकता बढ़ाने वाली है। कोर्ट ने सख्त लहजे में कहा कि यदि साफ वायु राष्ट्रीय राजधानी के विशिष्ट लोगों का हक है तो यह हक शेष देश के हर व्यक्ति को भी मिलना चाहिए। दिल्ली ही नहीं, सम्पूर्ण देश में वायु प्रदूषण को नियंत्रण करना जरूरी है।

दुनिया भर के प्रदूषित देशों में भारत पांचवें नंबर पर है, दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर भी हमारे ही देश में हैं, ऐसे तेरह शहर दुनिया के शीर्ष बीस प्रदूषित शहरों में शुमार हैं, इन चिन्ताजनक हालातों में हवा को जहरीला बनाने वाले पटाखे निरंकुश रूप से जलाना एक आत्मघाती कदम ही है। पटाखों के दुष्प्रभाव स्पष्ट और प्रमाणित हैं। वे वातावरण में जहरीली गैसों का उत्सर्जन करते हैं, जिससे हवा की गुणवत्ता अचानक बेहद खराब हो जाती है। दीपावली की रात पटाखों से निकलने वाला धुआं कई दिनों तक हवा में बना रहता है और सांस की तकलीफ, आंखों में जलन, हृदय रोग और दमा जैसी बीमारियों को और गंभीर कर देता है। पटाखों से होने वाला ध्वनि प्रदूषण बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों के लिए भय और असहनीय पीड़ा का कारण बनता है। पशु-पक्षियों की स्थिति भी दयनीय हो जाती है, उनके जीवन में असुरक्षा और बेचैनी घुल जाती है। यह सब जानते हुए भी आतिशबाजी को लेकर समाज में अब भी ढिलाई और परंपरा के नाम पर अनदेखी जारी रहना दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण है। दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में दीपावली के बाद की स्थिति किसी आपदा से कम नहीं होती। पिछले वर्ष दीपावली के दौरान दिल्ली के कई इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई 300 से ऊपर चला गया और बहुत खराब से गंभीर श्रेणी में दर्ज हुआ। यह हर साल का दोहराया जाने वाला दृश्य है और हर साल सरकार, समाज और न्यायपालिका को इसे लेकर चिंतित होना पड़ता है। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस विकट स्थिति को गंभीरता से लिया है और हाल के वर्षों में बार-बार स्पष्ट किया है कि केवल दिल्ली ही नहीं, बल्कि पूरे देश में पटाखों पर रोक लगनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के आलोक में हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि अब चाहे दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बर्नीहाट हो या पंजाब व राजस्थान के सबसे अधिक प्रदूषित शहर हों, उन्हें भी पटाखों के नियमन का लाभ मिलना चाहिए। हाल ही में अदालत ने सरकारों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए

कि पटाखों के उत्पादन, बिक्री और भंडारण पर पूर्ण रोक हो, और जो भी इन नियमों का उल्लंघन करे उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। अदालत का यह रुख केवल कानूनी आदेश नहीं है, बल्कि समाज को चेताने वाला संदेश भी है कि अब हमें अपने उत्सवों की परिभाषा बदलनी होगी। दिल्ली सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुरूप पर्यावरण संरक्षण अधिनियम की धारा 5 के तहत पटाखों पर पूर्ण और स्थायी प्रतिबंध लागू किया है। इस प्रतिबंध के अनुसार न तो पटाखों का उत्पादन हो सकता है, न बिक्री और न ही भंडारण या उपयोग। यह कदम पर्यावरण और नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए जरूरी था। लेकिन केवल सरकारी आदेश और अदालत के निर्देश काफी नहीं होंगे, जब तक समाज स्वयं अपनी सोच और व्यवहार में बदलाव नहीं लाता। परंपराओं को बदलने में समय लगता है, लेकिन जैसे लोग धीरे-धीरे प्लास्टिक के खिलाफ खड़े हुए और विकल्प तलाशने लगे, वैसे ही आतिशबाजी से मुक्त त्योहारों को भी अपनाया जा सकता है। सवाल यह है कि हम लोग क्यों नहीं सोचते कि हमारे पटाखे जलाने से श्वास रोगों से जूझते तमाम लोगों का जीना दुश्वार हो जाता है। यह एक हकीकत है कि देश के तमाम शहरों में हवा ही नहीं, पानी व मिट्टी तक में जहरीले तत्वों का समावेश हो चुका है। जो न केवल हमारी आबोहवा के लिये बल्कि हमारे शरीर के लिये भी घातक साबित हो रहा है। यही वजह है कि हाल के वर्षों में देश में श्वसन तंत्र से जुड़े रोगों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। साथ ही प्रदूषित हवा के प्रभाव में सांस संबंधी रोगों से लोगों के मरने का आंकड़ा भी बढ़ा है।

कहीं न कहीं हमारे वातावरण में बढ़ता प्रदूषण ग्लोबल वार्मिंग बढ़ाने वाले कारकों में वृद्धि भी कर रहा है। लेकिन पटाखों से होने वाला प्रदूषण ऐसा है जो हमारे संयम के जरिये रोका जा सकता है। चिंता की बात यह है कि पटाखों के जलने से निकलने वाले कण हमारे श्वसनतंत्र को नुकसान पहुंचाने के साथ ही हमारे खून में घुल रहे हैं। जिसमें पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे महीन कण फेफड़ों में प्रवेश करके गंभीर रोगों को जन्म दे रहे हैं। इतना ही नहीं पटाखे जलाने के कारण जहरीली रासायानिक गैसों के रिसाव से हमारे पारिस्थितिकीय तंत्र को गंभीर क्षति पहुंच रही है। इससे ओजोन परत भी क्षतिग्रस्त हो रही है। साथ ही ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन भी हमारे वायुमंडल में जलवायु परिवर्तन के संकटों को बढ़ाने में भूमिका निभा रहा है। त्योहार और उत्सव हमारे जीवन का हिस्सा हैं। वे सामाजिक जुड़ाव, सांस्कृतिक गौरव और सामूहिक खुशी का प्रतीक हैं। लेकिन जब खुशी मनाने का तरीका ही हमारे स्वास्थ्य और जीवन के लिए संकट बन जाए, तब उस पर गंभीर पुनर्विचार आवश्यक हो जाता है। दीपावली पर पटाखों की परंपरा समाज में गहराई तक पैठ चुकी है। लोग इसे परंपरा, रौनक और आनंद का प्रतीक मानते हैं। अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि ह्लबिना पटाखों के त्योहार अधूरा लगता हैह्व लेकिन यह सोच आज के समय में बेहद खतरनाक साबित हो रही है। त्योहार की असली रौनक दीपों की जगमगाहट, परिवार की एकजुटता, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और सामूहिक उत्सवों में है। संगीत, नाटक, कला और पारंपरिक दीपक किसी भी पटाखे से कहीं अधिक स्थायी आनंद दे सकते हैं।

समय आ गया है कि हम यह स्वीकार करें कि आतिशबाजी अब हमारी खुशियों का हिस्सा नहीं रह सकती। खुशियों का असली मतलब है एक-दूसरे के साथ का आनंद, स्वच्छ वातावरण में खुलकर सांस लेना और समाज में शांति और प्रेम का संचार करना। अगर हम चाहते हैं कि हमारी अगली पीढ़ी सुरक्षित और स्वस्थ जीवन जी सके, तो आतिशबाजी को त्यागना ही होगा। सरकारें अपनी नीतियों से इस दिशा में पहल कर चुकी हैं, अदालत ने भी कठोर आदेश दिए हैं, अब बारी समाज की है कि वह अपनी सोच बदले और अपने त्योहारों को पटाखों के बिना भी और अधिक रोशन और सार्थक बनाए। एक नागरिक के तौर पर हमारी जिम्मेदारी व संवेदनशीलता ही हमें इस संकट से उबार सकता है। विगत में सख्त कानून लागू करने के बावजूद नागरिकों के गैर-जिम्मेदार व्यवहार से प्रदूषण का संकट बढ़ा ही है। जब हम प्रकृति को नुकसान पहुंचाए बिना त्योहार मनाएंगे, तभी सच्चे अर्थों में हमारे उत्सव जीवनदायी और सार्थक बनेंगे। यही समय है कि हम सामूहिक रूप से एक नई परंपरा गढ़ें, आतिशबाजी रहित त्योहारों की परंपरा, ताकि आने वाली पीढ़ियां हमें दोष न दें कि हमने उनके हिस्से की स्वच्छ हवा और सुरक्षित पर्यावरण छीन लिया।

बिहार में बजा चुनावी बिगुल, किसकी पूरी होगी आस, किसकी टूटेगी उम्मीद

उमेश चतुर्वेदी

हर बार की तरह बिहार विधानसभा का मौजूदा चुनाव उन सभी लोगों के लिए उम्मीदें लेकर आया है, जो खुद चुनाव मैदान में उतरने जा रहे हैं.. उनके समर्थकों की भी उनकी कामयाबी से आस लगी है। कार्यकताओं का बड़ा वर्ग ऐसा भी है, जिसकी सेहत उस दल की जीत या हार पर निर्भर करती है, जिससे उसकी प्रतिबद्धता जुड़ी होती है। लेकिन सबसे ज्यादा उम्मीद पहली बार खुद चुनावी मैदान में उतरने जा रहे प्रशांत किशोर को है। उम्मीद तो तेजस्वी यादव को भी है। उन्हें लगता है कि इस बार उनके नाम के बाद अतीत में लगे उप विशेषण से मुक्ति मिल जाएगी। उम्मीद उस बीजेपी को भी है, जो अपने सहयोगी की तुलना में संख्या बल में ताकवतर होने के बावजूद छोटे भाई की भूमिका निभाने को मजबूर रही है। आस तेजप्रताप को भी है कि वे लालू-राबड़ी की छाया से दूर होने के बावजूद चुनावी मैदान में कमाल दिखाने में वे सफल रहे हैं। देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस को भी ऐसी ही उम्मीदें हैं। उसे भावी सरकार में हिस्सेदारी की आस है। लेकिन अन्य दलों की तुलना में उसकी उम्मीद कुछ अलग भी है। उसे लगता है कि अगर इस चुनाव में तेजस्वी की अगुआई वाले उसके गठबंधन ने मोदी-नीतीश की जोड़ी को पटखनी दे दी तो दिल्ली के ताज तक की उसकी यात्रा आसान हो जाएगी।

उम्मीदें खोखली नहीं होतीं। उनका कुछ ठोस आधार भी होता है। इस लिहाज से देखें तो हर पार्टी और उसके बड़े नेताओं की आस के कुछ ठोस आधार हैं। तेजस्वी यादव को लगता है कि उनके गठबंधन में शामिल कांग्रेस के चलते उनके पारंपरिक मुस्लिम-यादव गठजोड़ को राज्य के सवर्ण तबके के एक वर्ग का वोट मिल सकता है। पिछले चुनाव में उनका गठबंधन नीतीश की अगुआई वाले गठबंधन की तुलना में महज साढ़े सोलह हजार के करीब वोटों से ही पिछड़ गया था। उन्हें लगता है कि इस बार इस कमी को ना सिर्फ उनका गठबंधन पूरा कर लेगा,बल्कि आगे भी निकल जाएगा। लेकिन उन्हें भूलना नहीं चाहिए कि पिछली बार चिराग पासवान की अगुआई वाली लोक जनशक्ति पार्टी एनडीए से अलग होकर लड़ रही थी। तब उनका अघोषित और घोषित-दोनों उद्देश्य नीतीश कुमार को पटखनी देना था। इसमें वे पूरी तरह कामयाब तो नहीं हुए, अलबत्ता नीतीश के नतीजों को नुकसान पहुंचाने में कामयाब रहे। नीतीश की पार्टी को महज 43 सीटों से संतोष

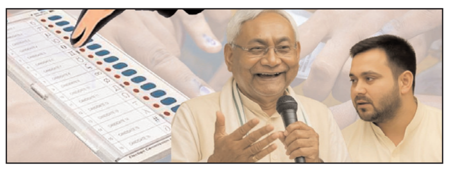

करना पड़ा था। लेकिन इस बार चिराग नीतीश के साथ हैं। अंदरखाने में भले ही वे नीतीश का साथ नहीं दे रहे हों, लेकिन करीब दस फीसद पासवान वोटरों का आधार एनडीए को मुहैया करा रहे हैं। इसलिए तेजस्वी को इस बार कहीं ज्यादा मेहनत करनी होगी। उन्हें राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के ठोस वोट बैंक में गहरी सेंध लगानी होगी। तेजस्वी के लिए राहत की बात यह है कि सीमांचल की 28 सीटों पर उन्हें चुनौती देने वाली एआईएम इस बार उनसे गठबंधन करने के लिए लालायित है। अगर बात बन जाती है तो तेजस्वी के गठबंधन के लिए चुनावी वैतरणी थोड़ी आसान हो जाएगी। लेकिन तेजस्वी की राह का एक बड़ा रोड़ा उनके बड़े भाई तेजप्रताप हैं। जिन्हें उनकी दो बहनों का परोक्ष साथ भी मिल रहा है। इससे बिहार के उनके कोर वोटरों में संदेश गया है कि परिवार में सबकुछ ठीक नहीं है। अगर तेजस्वी के साथ यादव युवाओं का एक वर्ग खड़ा हो गया तो ओबैसी के आने से मिलने वाले फायदे जितना तेजस्वी को नुकसान उठाना पड़ सकता है।

रही बात नीतीश कुमार की तो इस बार का चुनाव एक तरह से उनका आखिरी चुनाव है। हालांकि पिछली बार यानी 2020 में जब वे चुनावी चक्रव्यूह में फंसे नजर आ रहे थे तो उन्होंने कुछ सभाओं में पिछले ही चुनाव को आखिरी बता दिया था। यह बात और है कि इस बार अभी तक ऐसा उन्होंने कोई संदेश नहीं दिया है। लेकिन बिहार के सियासी और लोक गलियारों में जिस तरह उनके स्वास्थ्य को लेकर चचाएं हैं, उससे माना जा रहा है कि इस बार का चुनाव एक तरह से उनका आखिरी चुनाव होगा। राजनीतिक दुनिया में यह भी माना जा रहा है कि इस बार वे बीजेपी से यह गारंटी चाहेंगे कि उनके बेटे निशांत का नेतृत्व स्थापित हो जाए। निशांत ने कुछ महीने पहले राजनीतिक सक्रियता दिखाकर ऐसा संकेत भी दिया था। हालांकि कुछ अरसे से उन्होंने सियासी चुप्पी ओढ़ ली है। उनके इस रूख से माना जा रहा है कि बीजेपी से अंदरखाने में किसी ठोस बिंदु पर बातचीत हो चकी है। हो सकता है कि निशांत विधानसभा का चुनाव ना लड़ें। लेकिन वे चुनाव बाद विधान परिषद में ठीक उसी तरह आ सकते हैं, जैसे उनके पिता आए। याद कीजिए, 2005 के जिस विधानसभा चुनाव में विजय के साथ नीतीश ने लालू राज को उखाड़ फेंका था, उस बार भी उन्होंने चुनाव नहीं लड़ा था और विधान परिषद के सदस्य के नाते उन्होंने सरकार की अगुआई की थी। इस बार के चुनाव में जनता दल यू एकजुट तो दिखेगा, लेकिन चुनाव मैदान में सबसे ज्यादा सवालों का सामना अशोक चौधरी को करना होगा। जिनके भ्रष्टाचार की गाथा को प्रशांत किशोर लोकमानस के बीच पहुंचा चुके हैं। उनकी ही तर्ज पर बीजेपी की ओर से उप मुख्यमंत्री बने मुरेठाधारी सम्राट चौधरी के लिए भी खुद का बचाव करना मुश्किल होगा, जिनके शैक्षिक प्रमाण पत्र और हत्या के एक आरोप में बरी होने को प्रशांत किशोर ने बिहार का सवाल बनाकर रख दिया है।

बीजेपी इस बार चाहती है कि वह राज्य में बड़े भाई की भूमिका में रहे। बड़े भाई की भूमिका में आने के बाद ही वह राज्य की सर्वोच्च पार्टी बन सकती है। 1967 में समाजवादियों के साथ उसने जहां भी सरकार बनाई, उन राज्यों में बाद के दिनों में वह ना सिर्फ नंबर एक बन गई,बल्कि साथी समाजवादी दूर कहीं पीछे छूटते नजर आए। मध्य प्रदेश, राजस्थान, उड़ीसा, हरियाणा और कर्नाटक इसके उदाहरण हैं। लेकिन बिहार में अब भी वह खुद के दम पर अपना वजूद स्थापित करने से दूर है। इस बार बीजेपी चाहेगी कि राज्यमें उसकी अगुआई में सरकार बने। इसके लिए उसने अपने दो बड़े कद्दावर रणनीतिकारों धर्मेंद्र प्रधान और विनोद तावड़े को मैदान में उतार दिया है। दोनों ने बिहार में अपने ढंग से ऑपरेशन शुरू कर दिया है। मैथिली की लोक गायिका मैथिली ठाकुर को बीजेपी एक तरह से अपना उम्मीदवार घोषिकर ही चुकी है। सत्ता पर काबिज होने और राज्य की नंबर एक सियासी पार्टी बनने के लिए मोदी-शाह के युग में पार्टी ने नई रणनीति अख्तियार की है। वह लोकप्रिय चेहरों को अपने साथ जोडने में देर नहीं लगाती। वैचारिक रूप से विरोधी रहे लोगों को भी अपने पाले में लाने में उसे गुरेज नहीं रहा। बशर्ते कि उनके आने से पार्टी को दूरगामी राजनीतिक फायदा मिलता दिख रहा हो। मैथिली ठाकुर का अतीत ऐसा नहीं है। मिथिला के लोक रंग में पली मैथिली एक तरह से भारतीय जनता पार्टी की पारंपरिक हिंदुत्व की राजनीति की नजदीकी ही लगती हैं। चुनाव के दौरान बीजेपी ऐसे कई और चेहरों पर दांव लगा सकती है।

हमारी करोड़ों रूपए की सफाई मशीन

संतोष उत्सुक

(व्यंग्य)

विपक्ष के राजनेताओं ने उनसे सवाल किया कि जिस शहर में आप सवा तीन करोड़ की एक सफाई मशीन ला रहे हो, उस शहर में आम जनता के लिए सामान्य साफ सुथरी जन सुविधाएं यानी पेशाब घर और शौचालय नहीं है। पिछले दिनों उन्होंने दो स्वीपिंग मशीनों का परिचय मीडिया से करवाया, आइए देखिए हमारी कर्मठ सरकार द्वारा खरीदी, करोड़ों रूपए की स्वीपिंग मशीन।

स्वीपिंग की जगह हिंदी में सफाई कहें तो महत्त्व कम सा होने लगता है। अंग्रेजी में स्वीपिंग कहो तो अच्छा और ऊंचा लगता है। मंत्री की जगह मंत्रीजी कहो तो शान में बढ़ोतरी दिखती है। मंत्रीजी ने समझाया, राजधानी के लिए दो स्वीपिंग मशीनें, साढ़े छ करोड़ रूपए में जर्मनी से खरीदी गई हैं। अगर जर्मनी की जगह जर्मनीजी कह देते तो जर्मनी की इज्जत बढ़ जाती। फिलहाल मशीनों का फार्मल स्वागत किया गया, धूमधाम वाला न्यू नार्मल, नारियल फोड़ू स्वागत बाद में होगा ही।

मंत्रीजी बोले, अब हमारी सरकार है, हम जैसे मर्जी सफाई करवाएं। इन विपक्ष वालों को क्या पता कि कैसे, कुछ करना चाहिए। स्वच्छ वायु कार्यक्रम चलते हमारा भी तो कर्तव्य बनता है। गांव की वायु तो स्वच्छ ही होती है। हमारे विकसित शहर हमारा सम्मान हैं। यहां सफाई और स्वच्छता ज्यादा जरूरी है इसलिए हमने बढ़िया मशीनें विदेश से मंगाई हैं। हमारी मंगवाई करोड़ों की मशीनें, एक ही दिन में कई किलोमीटर सड़क की सफाई कर देंगी। वीआईपी मूवमेंट के दौरान कमाल की सफाई होगी, हाथ से... मतलब मैन्युअली सफाई... साफ सुथरी नहीं हो पाती। मंत्री होने के बावजूद उन्हें पता है कि सफाई कर्मचारियों को दस्ताने, बूट, वर्दी वगैरा बेहतर क्वालिटी के नहीं मिल पाते क्यूंकि सप्लाई ही घटिया होते हैं। इस मामले में किस किस की खिंचाई करें। उन्होंने मीडिया, सोशल मीडिया और एंटी सोशल मीडिया वालों को बताया, हमारी मशीनें शहर की मुख्य सड़कों की सफाई करेंगी। यह लुभावनी मशीन, सड़कों पर जमा कचरे, धूल मिटटी को साफ करेंगी। यह गर्व की बात है कि हम अपने स्मार्ट शहर की खास सड़कों की सफाई विदेशी मशीनों से करवाने जा रहे हैं। ऐसा होना विश्गुरुओं की धरती पर ही संभव है।

इतनी सुन्दर, सुघड़, सुपर मशीन को हर किसी सड़क पर तो लेकर भी नहीं जा सकते। क्या इज्जत रह जाएगी मशीन की, सरकार की, मशीन बनाने और बेचने वाले की। जल्द ही इनका ट्रायल किया जाएगा फिर लाखों रुपए खर्च कर रजिस्ट्रेशन करवाएंगे। ड्राइवर सफेद वर्दी पहनकर जब इसे चलाएगा तो, शानदार मशीन, शान से सफाई कर, हमारी सरकार की शान में इजाफा करेगी। स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में शहर की रैंकिंग बढ़ जाएगी। हमें पुरस्कार मिलने की आशंका ...अ.. माफ करें, संभावना बलवती हो जाएगी। उन्होंने मन ही मन कहा, गांव में ऐसी मशीन का क्या करेंगे। वहां साफ सफाई की ज्यादा जरूरत भी नहीं है। वहां के निवासियों को साफ सुथरा रहने की आदत पड़ गई तो जागरूकता फैलने लगेगी और प्रशासन के लिए परेशानी हो जाएगी। वैसे भी महंगी सुविधाओं पर विकसित लोगों का हक होता है। इतनी महंगी मशीनें सफाई करें और उस पर आम जूते पहनकर लेकर चलें यह व्याकरण... माफ करें समीकरण नहीं जंचेगा। विपक्ष के राजनेताओं ने उनसे सवाल किया कि जिस शहर में आप सवा तीन करोड़ की एक सफाई मशीन ला रहे हो, उस शहर में आम जनता के लिए सामान्य साफ सुथरी जन सुविधाएं यानी पेशाब घर और शौचालय नहीं है। दूसरा सवाल रहा, आप सफाई कर्मचारियों को सुविधाएं क्यूं नहीं देते। उन्हें गटर में मरने देते हैं इस पर मंत्रीजी का जवाब रहा, हर सरकार के शासन में ऐसा होता रहता है। आपकी सरकार भी बिलकुल ऐसा करती थी, अब हमारी कर रही है तो आपको तकलीफ हो रही है। आप विपक्ष वाले स्वदेशी का राग अलाप रहे हो, वो तो आप तब भी गाते थे जब आपका शासन था। आप इस शब्द पर राजनीति कर रहे हो। उन्होंने लगभग चीखकर कहा, हम ज्यादा से ज्यादा नागरिकों को यह लाजवाब सफाई मशीनें दिखाकर कहेंगे, आप कितने सौभाग्यशाली हैं, देखिए आपकी मातृभूमि की सड़कों की सफाई कितनी महंगी विदेशी मशीनों से करवाई जा रही है। कुछ भी कह लो जी, करोड़ों रूपए की सफाई मशीन देखने लायक होती है। डर लगता है साफ सुथरा हाथ लगने से कहीं गंदी न हो जाए।

लोक कथा

गौरैया युगल (भाग-2)

यह सुन मादा गौरैया रोने लगी। रोते-रोते बोली, हमारे बच्चे तो अभी उड़ भी नहीं सकते। अब हम सब मारे जाएँगे। नर गौरैया मुसकराता हुआ बोला, चिंता मत करो। मैं तुम्हें यकीन दिलाता हूँ कि इतवार तक वे फसल नहीं काटेंगे। मादा यह सुन शांत तो हो गई, पर वे बच्चों को लगातार उड़ना सिखाते रहे। इतवार की सुबह मादा इतनी परेशान थी कि वह न तो खा पा रही थी और न ही वह रात को सोई थी, पर नर गौरैया एकदम आश्वस्त था। आश्चर्य की बात तो यह थी कि इतवार आकर खत्म भी हो गया और उस दिन न तो दोनों भाई आए और न ही गाँववाले। सोमवार को दोनों भाई फिर से खेत पर पहुँचे। बड़े भाई ने छोटे भाई से शिकायत की, गाँववाले इतने आलसी हैं कि कोई भी इतवार को यहाँ नहीं आया। छोटे भाई ने मायूसी से कहा, मुझे तो अब चिंता हो रही है। अगर फसल को नहीं काटा गया तो यह बरबाद हो जाएगी। बड़ा भाई बोला, मैं ऐसा करता हूँ कि कल अपने पड़ोसियों से मदद करने को कहता हूँ और फिर अगले इतवार तक हम इस फसल को उनकी मदद से काट लेंगे। बड़े भाई ने सुझाव दिया।

छोटा भाई बोला, हाँ, इस तरह हम दो दिनों में फसल काट लेंगे। यही सोच दोनों घर वापस चले गए। मादा गौरैया अभी भी चिंतित थी, क्योंकि उनके बच्चे अभी उड़ने के काबिल नहीं हुए थे। पर नर गौरैया बोला, परेशान मत हो। वे अगले इतवार भी फसल को काट नहीं पाएँगे। इस बार मादा ने नर गौरैया पर विश्वास कर लिया और ठीक ऐसा ही हुआ। अगले इतवार न तो दोनों भाई आए और न ही उनके पड़ोसी। सोमवार को जब दोनों भाई वहाँ आए तो छोटा भाई गुस्से से बोला, हमारे पड़ोसी कितने बेकार हैं? कोई भी इतवार को नहीं आया। बड़ा भाई उसे समझाते हुए बोला, इस बार हम अपने रिश्तेदारों से मदद माँगेंगे। आखिर खून पानी से कहीं ज्यादा गाढ़ा होता है। वे जरूर हमारी सहायता करेंगे।

छोटा भाई कुछ सोचते हुए बोला, ठीक है, हम अगले इतवार को फसल काटना शुरू करेंगे और तीन दिनों में पूरी फसल काट लेंगे। यह बातचीत सुन मादा गौरैया ने नर गौरैया को देखते हुए कहा, अब तो हमारे बचने की कोई संभावना ही नहीं है। नर बोला, अब हमारे बच्चे थोड़ा सा उड़ सकते हैं, इसलिए अगर हम पूरी रात कुछ दूरी तक उड़ सकें तो हम यहाँ से निकल सकते हैं, पर मुझे नहीं लगता कि वे इस इतवार भी फसल काटेंगे। देखो, क्या होता है? वह मुसकराते हुए बोला। और एक बार फिर से वह सही साबित हुआ। इतवार आकर चला गया। न ही दोनों भाई आए और न ही उनके रिश्तेदार। अगली सुबह जब दोनों भाई खेत पर आए तो बहुत ही परेशान व हताश थे। बहुत देर तक वे एकदम शांत खड़े रहे। फिर बड़ा भाई बोला, भाई, हम इस तरह तो धान को नष्ट नहीं होने दे सकते हैं। हम कल आकर खुद ही इसे काटने का काम शुरू कर देते हैं। छोटा भाई उससे सहमत होता हुआ बोला, हाँ, यही ठीक रहेगा। हमें फसल काटने में छह दिन लगेंगे, पर कम-से-कम इस बार फसल कट तो जाएगी। नर गौरैया उनकी बात सुनने के बाद मादा से बोला, आज रात ही हमें यहाँ से जाना होगा। मादा गौरैया बोली, हो सकता है, वे कल भी फसल को न काटें। आखिरकार वे तो कब से इस काम को टालते आ रहे हैं। नर गौरैया बोला, अब तक वे अपने काम के लिए दूसरों पर निर्भर थे, इसीलिए उनका काम पूरा नहीं हो पा रहा था। पर अब उन्होंने इसे खुद करने का निश्चय किया है। अब तो काम पूरा हो ही जाएगा। उस रात गौरैया युगल अपने बच्चों के साथ वहाँ से उड़ गया। और अगली सुबह दोनों भाइयों ने फसल काटनी शुरू कर दी।

बाल कहानी

संत ज्ञानेश्वरजी का योग सामर्थ्य!

संत ज्ञानेश्वरजी महाराष्ट्र के महान संत थे । नाम के अनुसार ही वे अत्यंत ज्ञानी थे । जब उनकी आयु १५ वर्ष की थी, तब उन्होंने ज्ञानेश्वरी लिखी थी । संत ज्ञानेश्वरजी के दो भाई और एक बहन थे । उनके पिताजी ने संन्यास ले लिया था; परंतु उनके गुरु की आज्ञासे उन्होंने पुनः गृहस्थाश्रम स्वीकार किया था । इसलिए उस समय संन्यासी की संतान कहकर लोगों ने उनका बहिष्कार कर दिया था । संत ज्ञानेश्वरजी के पिताजी अपने बच्चों का उपनयन करना चाहते थे; परंतु उनका उपनयन संस्कार करने से पुरोहितों ने मना कर दिया तथा उन्हें देहांत का प्रायश्चित लेने को कहा । संत ज्ञानेश्वर के पिता और माता ने जलसमाधि ले ली थी । अब आळंदी के पुरोहितों ने उन सभी को पैठण क्षेत्र जाकर शुद्धि पत्र लाने के लिए कहा तथा बोले कि शुद्धि पत्र लाने पर ही उनका उपनयन संस्कार हो पाएगा । संत ज्ञानेश्वर अपने भाई-बहन के साथ शुद्धि पत्र लाने के लिए महाराष्ट्र के पैठण गांव पहुंचे । वहां वे एक ब्राह्मण के घर में निवास कर रहे थे । संत ज्ञानेश्वरजी जिस ब्राह्मण के घर में रहते थे, उस ब्राह्मण के पिता का श्राद्ध था । संत ज्ञानेश्वरजी और उनके भाई-बहन उस ब्राह्मण के घर में रहने के कारण वहां के पुरोहितों ने उस ब्राह्मण का बहिष्कार कर दिया था । कोई भी पुरोहित उस ब्राह्मण के घर श्राद्ध करने के लिए नहीं जा रहा था । गांव के पुरोहित ब्राह्मणों ने भी श्राद्ध के भोजन को आने के लिए मना कर दिया था । वह ब्राह्मण चिंतित हो गया । क्योंकि पुरोहितों द्वारा श्राद्ध नहीं किया गया, पितरों अर्थात पूर्वजों को गति नहीं मिल पाएगी । पितरों के लिए कुछ करने का केवल यही समय रहता है, परंतु श्राद्ध नहीं किया तो वे दुःखी हो जाएंगे, इसकी चिंता उस ब्राह्मण को थी । यह समस्या लेकर वह ब्राह्मण ज्ञानेश्वरजी के पास गए । ब्राह्मण ने उन्हे पूरा वृत्तांत बताया । ब्राह्मण की समस्या सुनकर ज्ञानेश्वरजी बोले, आप चिंता न करें ! मैं आपके पितरों को अर्थात पूर्वजों को ही यहां भोजन के लिए बुलाता हूं । पुरोहितों ने श्राद्ध नहीं किया तो भी आपके पितर आकर भोजन करेंगे और यहां से तृप्त होकर लौटेंगे । आप केवल श्रद्धापूर्वक उनके लिए भोजन की सिद्धता करें । ब्राह्मण ने अत्यंत श्रद्धापूर्वक अपने पितरों के लिए भोजन की संपूर्ण सिद्धता की । ज्ञानेश्वरजी ने अपने योग सामर्थ्य से उस ब्राह्मण के सभी पितरों को बुलाया । संत ज्ञानेश्वरजी ने बुलाने पर उस ब्राह्मण के सभी पितर वहां पर आ गए और उन्होंनें श्राद्ध का भोजन ग्रहण किया । पितरों ने भोजन ग्रहण करने के बाद ज्ञानेश्वरजी ने सभी पितरों की ओर देखकर कहा, स्वस्थाने वासः ! उनके इतना कहते ही पितर वहां से अदृश्य हो गए अर्थात उनके स्थान पर लौट गए ! यह वार्ता पूरे पैठण में फैल गई । सभी पुरोहितों को अपने दुर्व्यवहार पर पश्चात्ताप हुआ । उन्होंने संत ज्ञानेश्वर जी से क्षमा मांगी । आप साक्षात परमेश्वर का अवतार है, यह कहकर उनका सम्मान किया।

2017 के बाद तेजी से हुआ है उत्तर प्रदेश का विकास

मैनपुरी पहुंचे पर्यटन मंत्री ने सपा पर बोला तीखा हमला

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने नगर पालिका परिषद सभागार में विकसित उत्तर प्रदेश के सन्दर्भ में आयोजित प्रबुद्ध गोष्ठी को सम्बोधित करते हुये कहा कि संकल्प के साथ आगे बढ़-2047 से पूर्व ही प्रदेश को समग्र, समृद्ध उ.प्र. बनाने में आप सब अपने दायित्वों का निर्वहन निष्ठापूर्वक करें। पर्यटन मंत्री ने कहा कि वर्ष-2017 से पूर्व उ.प्र. और उसके बाद के उ.प्र. की स्थिति पर नजर डालकर देखें, फर्क साफ दिखेगा, वर्ष-2017 से पूर्व प्रदेश की पहचान बीमारू प्रदेश के रूप में थी, जनपद के लोगों को अन्य जनपदों में गुंडा कहते थे, कमरे भी नहीं मिलते थे, लेकिन वर्ष 2017 के बाद सुनियोजित तरीके से हर क्षेत्र में विकास हुआ और उसके परिणाम हमारे सामने है, आज उ.प्र. का स्वरूप ही नहीं बदला बल्कि लोगों की धारणा में भी तेजी से बदलाव हुआ है, आज उ.प्र. अर्थव्यवस्था के रूप में मजबूती से आगे बढ़ा है, उ.प्र. की पहचान विकसित उ.प्र. के रूप में हो रही है।

हमारी अर्थव्यवस्था जब कृषि पर थी तब हम आगे थें

जिलाधिकारी अंजनी कुमार सिंह ने कहा कि भगवान की बड़ी दया है कि हम उस भू-भाग में पैदा हुये, जहां प्राकृतिक सम्पदाओं को ईश्वर ने दोनों हाथों से हमारे ऊपर लुटाया हैं, विश्व की सबसे उर्वरा वाली भूमि, सबसे अच्छा भू-जल, समुद्र, सबसे ऊंचे पर्वत हमारे देश में हैं। उन्होने कहा कि जब हमारी अर्थव्यवस्था कृषि पर आधारित थी तब हम विश्व में सबसे आगे थे, हमारे देश की काली मिर्च यूरोप के देशों में काफी प्रचलित थी, जब यूरोपीय देश के जहाज यहां से काली मिर्च लेकर जाते थे उसके बदले में यूरोपीय देशों से जहाजों में सोना भरकर आता था।

गोष्ठी में यह रहे शामिल

गोष्ठी को एसपी गणेश प्रसाद साहा, जिलाध्यक्ष ममता राजपूत, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष आलोक गुप्ता, सुमंत गुप्ता, नीरज पांडेय ने भी सम्बोधित किया। अध्यक्ष नगर पालिका संगीता गुप्ता ने सभी आगतुंकों का आभार व्यक्त किया, इस दौरान अनुजेश प्रताप सिंह, उदय चौहान, धीरू राठौर, मंजूषा चौहान, मनोरमा सिंह, संजय चौहान, अमृता चौहान, प्रभात चतुर्वेदी अरुण गुप्ता, जयपाल सिंह सहित अन्य जन-प्रतिनिधि, सभासदगण, प्रबुद्धजनों के अलावा अधिशासी अधिकारी बुद्धि प्रकाश आदि उपस्थित रहे।

मैनपुरी महानगरो की तरह दिखने लगेगा

पर्यटन मंत्री ने कहा कि जनपद में आगरा मंडल का सबसे भव्य, सुसज्जित म्यूजियम-ऑडिटोरियम का निर्माण कार्य संचालित है इसके अतिरिक्त 750 करोड़ रुपए से अधिक लागत का जनपद को 22 किमी. लम्बा का बाईपास स्वीकृत हुआ है, बाईपास निर्माण के पश्चात नया शहर विकसित होगा, इस हेतु आवास विकास परिषद के माध्यम से सैकड़ों एकड़ भूमि पर कॉलोनी विकसित करने की स्वीकृति भी शासन स्तर से प्राप्त की जा चुकी है, बाईपास के निर्माण, नई कॉलोनी विकसित होने के पश्चात मैनपुरी महानगरों की भांति दिखाई पड़ेगा, बाईपास, नयी कॉलोनी विकसित होने के साथ ही कई ग्राम पंचायतों को नगर पालिका में मिलाकर नगर पालिका क्षेत्र का विस्तारीकरण होगा।

नारियों के सम्मान के लिए पुलिस पूरी तरह से तत्पर

- मिशन शक्ति के तहत छात्राओं ने रैली निकाल किया जागरूक

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

बिछवां/मैनपुरी। मिशन शक्ति अभियान के तहत क्षेत्र के गांव पाल अहिरवा पर स्थित बालाजी ग्लोबल एकेडमी के छात्राओं ने रैली निकालकर जागरूक किया, साथ ही दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में थानाध्यक्ष आशीष दुबे ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

क्षेत्र के गांव नगला पाल अहिरवा स्थित बालाजी ग्लोबल एकेडमी परिसर में मिशन शक्ति अभियान के तहत छात्राओं की दौड़ प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसके साथ ही अन्य प्रतियोगिताएं निबंध प्रतियोगिताएं भी आयोजित कराई गई। दौड़ प्रतियोगिता में सोनी छात्रा अव्वल रही। निबंध प्रतियोगिता में उज्जवला प्रथम स्थान पर रही। कार्यक्रम में रैली को विद्यालय के मुख्य गेट से प्रारंभ किया गया। रैली गांव से घूमते हुए विद्यालय परिसर आकर रुकी। बच्चों के हाथ में पट्टीकाए थी। विभिन्न प्रकार के नारे लगाते हुए नारियों के सम्मान में उतरा देश मैदान में। जहां होता नारी का सम्मान वह घर होता स्वर्ग समान जैसे बच्चों ने नारे लगाते हुए अभिभावकों को जागरूक किया।

कार्यक्रम में बोलते हुए थानाध्यक्ष आशीष दुबे ने कहा कि नारियों के सम्मान के लिए पुलिस पूरी तरह से तत्पर है। किसी भी प्रकार की हिंसा अब नारियों को सहनी नहीं होगी। वह अपनी शिकायत दर्ज करा कर अपनी समस्या का निदान करा सकती हैं। कार्यक्रम में उप निरीक्षक वीरेंद्र सिंह के साथ डिंपल सिपाही, दीपू पाल, प्रधानाचार्य कल्पना मिश्रा, उप प्रधानाचार्य अमित चौहान, डायरेक्टर श्याम बाबू मिश्रा के अलावा अन्य लोग मौजूद रहे।

छोटी खबरें

धनुष टूटने के बाद सीता स्वयंवर का मंचन

परशुराम, लक्ष्मण संवाद सुन श्रोता हुए भाव भिवोर

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

कुरावली/मैनपुरी। श्री आदर्श रामलीला कमेटी के तत्वावधान मे ग्राम अशोकपुर मे आयोजित ऐतिहासिक रामलीला के तृतीय दिवस रामलीला में भगवान धनुष यज्ञ, लक्ष्मण परशुराम संवाद लीला व सीता स्वयंवर का जीवंत मंचन किया गया, इस अवसर पर रामलीला कमेटी के अध्यक्ष सुरेंद्र प्रताप सिंह चौहान, राष्ट्रीय कवि मनोज चौहान उपाध्यक्ष, राजेंद्र प्रताप सिंह चौहान, सौरव चौहान, राजेश मिश्रा, पूरन सिंह यादव कोकदा, जितेन्द्र सिंह भदौरिया, डॉ. संतकुमार यादव सोनई, संयोजक राजकुमार सिंह चौहान, मुख्य रक्षाव्यवस्थापक देवेंद्र सिंह चौहान, दामोदर सिंह चौहान कोषाध्यक्ष, जयनारायण भदौरिया, नीरज शर्मा ऑडिटर चंद्रप्रकाश सिंह चौहान, महासचिव सुजीत चौहान, प्रबंधक श्याम मोहन पाठक, संगठन मंत्री रामगोपल कश्यप, नंदकिशोर यादव हीरापुर, फेरू यादव कोकदा, आदि मौजूद रहे।

महिलाओं, बालिकाओं को अधिकारों कके प्रति किया जागरुक

बरनाहल पुलिस द्वारा गांव गांव किया जा रहा चौपालों का आयोजन

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/बरनाहल। शासन द्वारा चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के तहत एसपी गणेश प्रसाद साहा के निर्देशन में शनिवार को बरनाहल थाना क्षेत्र के गांव एमाहसन में इंस्पेक्टर अनुरुद्ध प्रताप सिंह ने पुलिस टीम के साथ महिला सुरक्षा दलों ने व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। इन कार्यक्रमों में स्कूल, कॉलेज की बालिकाओं को अवगत कराया गया, जहां बालिकाओं को जागरूक करने के साथ-साथ महिला संबंधित समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए चौपालों का आयोजन किया गया।

जागरुक करके बताया गया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं के साथ जुड़कर उन्हें एक सशक्त और सुरक्षित वातावरण प्रदान करना है। महिला सुरक्षा दलों ने उपस्थित महिलाओं एवं बालिकाओं को उनकी सुरक्षा और सहायता के लिए उपलब्ध महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। इनमें वूमेन पॉवर लाइन-1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112, एम्बुलेंस सेवा-108, चाइल्ड लाइन-1098, स्वास्थ्य सेवा-102, महिला हेल्पलाइन-181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076, और साइबर हेल्पलाइन-1930 प्रमुख थे। इसके अतिरिक्त, उन्हें गुड टच, बैड टच, घरेलू हिंसा, और साइबर अपराधों जैसे संवेदनशील विषयों पर सार्थक और सकारात्मक चर्चा के माध्यम से जागरूक किया गया। जागरूकता कार्यक्रमों के दौरान, महिलाओं और बालिकाओं को उनके कानूनी प्रावधानों और अधिकारों की विस्तृत जानकारी दी गई।

सरकारी योजनाओं के बारे में भी दी जानकारी

साथ ही, उन्हें शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न सरकारी योजनाओं के विषय में भी अवगत कराया गया। महिला सुरक्षा दलों ने सूचना को अधिक प्रभावी बनाने के लिए पम्पलेट भी वितरित किए। यह समग्र प्रयास महिलाओं को सशक्त बनाने और उन्हें समाज में सुरक्षित महसूस कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

टीईटी अनिवार्यता के विरोध में शिक्षक काली पट्टी बांधकर करेंगे शिक्षण कार्य

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

भोगांव/मैनपुरी। अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के निर्देश पर तृतीय चरण में टीईटी अनिवार्यता के विरोध में आंदोलन चल रहा है। इसके अंतर्गत ब्लॉक सुल्तानगंज के शिक्षकों ने 15 अक्टूबर तक काली पट्टी बांधकर अपने अपने स्कूलों में शिक्षण कार्य करने का निर्णय लिया है। अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के निर्देश पर तृतीय चरण में टीईटी अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर विकास खंड सुल्तानगंज के पूर्व माध्यमिक विद्यालय नगला कोठी में विरोध प्रदर्शन किया। इस पर शिक्षकों ने कहा कि भले ही प्रदेश सरकार द्वारा सर्वोच्च न्यायालय के आदेश को लेकर पुनर्विचार याचिका दायर किए जाने की स्थिति में शिक्षकों ने सड़कों पर विरोध प्रदर्शन रोक दिया हो लेकिन स्कूल स्तर पर विरोध प्रदर्शन जारी है। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष प्रबल प्रताप सिंह चौहान ने कहा कि जो शिक्षक शिक्षिकाए अप्रैल 2010 आरटीई एक्ट की नोटिफिकेशन से पूर्व विज्ञापन के तहत नियुक्त हुए हैं। उनकी नियुक्ति उस समय की योग्यता सेवा नियमावली की अनुरूप थी। इस पर टीईटी की अनिवार्यता नहीं थी नियुक्ति के समय न्यूनतम अर्हता सेवा काल में परिवर्तन नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार को इस प्रकरण का सहानुभूति और व्यवहारिकता के साथ संज्ञान लेना चाहिए और लाखों शिक्षकों की सेवा सुरक्षा की गारंटी लेनी चाहिए। उन्होंने बताया कि आंदोलन के प्रथम चरण में धरना प्रदर्शन, बाइक रैली निकालकर मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन जिला अधिकारी के माध्यम से भेजा गया।

रंजिश के चलते जला दी पकी धान की फसल

किसान को हुआ 15 हजार का नुकसान, दी तहरीर

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

कुरावली/मैनपुरी। थाना क्षेत्र के गांव रीछपुरा स्थित खेत में पकी हुई धान की फसल में आग लगाकर जलाकर राख कर दी, पीड़ित ने मामले की तहरीर थाने में दी है। पुलिस मामले की जांच कर रहीं है।

थाना क्षेत्र के गांव रीछपुरा के पास प्रदीप कुमार वर्मा पुत्र सोनेलाल का खेत है। इनके खेत के पास मुकेश कुमार का खेत है। जिसमें धर्मवीर पुत्र मोहर सिंह ने बटाई पर धान की फसल की है। आरोप है कि यह दोनो ही प्रदीप से द्वेष भावना रखते हैं, इन्हीं दोनो ने प्रदीप के खेत में पकी खड़ी धान की फसल को आग लगाकर नष्ट कर दिया। प्रदीप कुमार ने बताया कि उन्हे जानकारी मिली तब वह खेत पर पहुंचे तो उनके खेत में पकी हुई पूरी धान की फसल जलकर राख हो चुकी थी। जिससे उन्हे 15 हजार रुपए से ज्यादा का नुकसान हुआ है।

पुरानी रंजिश के चलते किया गया था कन्हैया का अपहरण

मुख्य आरोपी गिरफ्तार, ग्राम प्रधान सहित पांच की पुलिस को तलाश

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/बेवर। थाना क्षेत्र के गांव गढ़िया में शुक्रवार की रात्रि 18 वर्षीय कन्हैया पुत्र कप्तान सिंह के साथ सनसनीखेज अपहरण की घटना हूई। पुलिस ने घेराबंदी की तो अपहरणकर्ता कन्हैया को छोड़कर भाग गए। मुख्य आरोपी सचिन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गागरपुर के प्रधान पिंटू सहित पांच की तलाश जारी है। युवक को सकुशल परिजन को सौंप दिया है।

पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए मुख्य आरोपी सचिन ने पूछताछ में बताया कि अपहरण का कारण पुरानी रंजिश थी। सचिन ने खुलासा किया कि वह पिछले दिनों जेल गया था और उसे शक था कि इस मामले में कन्हैया ने उसकी मुखबिरी की थी। इसी बात को लेकर शुक्रवार रात कन्हैया से विवाद और मारपीट हुई थी। विवाद बढ़ने पर सचिन, गागरपुर का प्रधान पिंटू, उदल, उमेश, मुरमुरू और जितेंद्र मिलकर कन्हैया को जबरन कार में डालकर अपने साथ ले गए थे। कन्हैया के परिजनों ने पुलिस को सूचना दी कि उनके बेटे का अपहरण हो गया है और 30 लाख रुपये की फिरौती मांगी गई है।

पुलिस के घेरने पर कन्हैया को छोड़कर भाग गए थें आरोपी

अपहरण की सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल सक्रियता दिखाते हुए पूरे इलाके में नाकाबंदी शुरू कर दी। पुलिस के बढ़ते दबाव और घेराबंदी को देखते हुए आरोपी घबरा गए। वे कन्हैया को गांव के बाहर छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से भाग गए।

बेवर पुलिस ने मुख्य आरोपी सचिन को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अब फरार चल रहे अन्य आरोपी प्रधान पिंटू, उदल, उमेश, मुर मुरू और जितेंद्र की तलाश में दबिश दे रही है।

क्या बोले थानाध्यक्ष बेवर

थानाध्यक्ष बेवर अनिल कुमार सिंह ने बताया कि वारदात के संबंध में केस दर्ज करते हुए मुख्य आरोपी सचिन को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य पांच चार रूपों की तलाश की जा रही है।

16 परीक्षा केन्द्रों पर 6840 परीक्षार्थी देंगे पीसीएस परीक्षा

डीएम ने किया पीसीएस परीक्षा केन्द्रो का निरीक्षण, दिए निर्देश

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। जिलाधिकारी अंजनी कुमार सिंह ने 12 अक्टूबर को आयोजित होने वाली उ.प्र. लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सम्मिलित राज्य, प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रा.) तथा सहायक वन संरक्षक, क्षेत्रीय वन अधिकारी सेवा (प्रा.) परीक्षा-2025 को निर्विघ्न, सकुशल एवं सुचिता के साथ सम्पन्न कराने, परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षार्थियों हेतु समय से मूल-भूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से शनिवार को आदर्श जनता इण्टर कॉलेज, अमर शहीद इंटर कॉलेज बेवर, नेशनल इंटर कॉलेज भोगांव आदि परीक्षा केन्द्रों का स्थलीय भ्रमण कर तैयारियों का जायजा लिया।

डीएम ने केन्द्र प्रभारियों से कहा कि आज सायं तक सीटिंग प्लान से लेकर सभी तैयारियां प्रत्येक दशा में पूर्ण कर ली जायें, सीटिंग प्लान चार्ट उचित ऊंचाई पर लगाया जाये ताकि अभ्यर्थियों को कक्ष की जानकारी करने में कठिनाई का सामना न करना पड़े। उन्होने कहा कि परीक्षा केन्द्र के मुख्य द्वार पर ही क्लॉक रूम बनाकर वहां किसी की लिखित में ड्यूटी लगायी जाये ताकि अभ्यर्थियों को मोबाइल व अन्य सामग्री जमा करने में असुविधा का सामना न करना पड़े।

उन्होने अभ्यर्थियों से कहा कि परीक्षा प्रारंभ होने से 01 घंटा पूर्व अपने परीक्षा केन्द्र पर प्रत्येक दशा में पहुंच जायें, परीक्षा प्रारंभ होने के 45 मिनट पूर्व परीक्षा केन्द्र का गेट आयोग के निर्देशानुसार बंद करा दिया जायेगा। परीक्षा केन्द्रों पर मूल-भूत सुविधाओं की उपलब्धता की जाए श्री सिंह ने बताया कि उक्त परीक्षा दो पालियों में पूर्वान्ह 09.30 बजे से 11.30 तक व अपरान्ह 02.30 बजे से 04.30 बजे तक जनपद के 16 परीक्षा केन्द्रो पर आयोजित होगी, परीक्षा में 6840 परीक्षार्थी प्रतिभाग करेंगे, परीक्षा को शान्तिपूर्ण, नकल विहीन सम्पन्न कराने के लिए 16 सेक्टर, 16 स्टैटिक मजिस्ट्रेट तैनात किये गये हैं।

उन्होने बताया कि अमर शहीद इंटर कॉलेज बेवर, में 600, कुं. आर.सी. महिला पी.जी. कॉलेज ब्लॉक-ए-बी, कुं. रामचन्द्र सिंह लालसिंह कन्या इं.कॉ., जैन इंटर कॉलेज करहल, सनातन धर्म इंटर कॉलेज में 480-480, नेशनल पीजी कॉलेज भोगांव, राजकीय इंटर कॉलेज, राजकीय कन्या इं.कॉ., क्रिश्चियन इंटर कॉलेज, दयानन्द इंटर कॉलेज, नेशनल इंटर कॉलेज भोगांव, श्री चित्रगुप्त इंटर कॉलेज, देवनागरी इंटर कॉलेज कुरावली, मलिखान सिंह इंटर कॉलेज कुरावली, आदर्श जनता इंटर कॉलेज बेवर में 384-384 परीक्षार्थी प्रतिभाग करेंगे।

केन्द्रों पर शांति व्यवस्था को रहेगी पुलिस की नजर

परीक्षा केन्द्रों पर शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए 01 सब इंस्पेक्टर, 03 आरक्षी, 02 महिला आरक्षी तैनात रहेंगे, वरिष्ठ अधिकारी भी निरतंर भ्रमणशील रहकर परीक्षा की गतिविधि पर नजर रखेंगे। उन्होने कहा कि परीक्षा की सुचिता, गोपनीयता किसी के द्वारा भंग करने का प्रयास किया गया तो दोषी के विरुद्ध नकल अध्यादेश की सुसंगत धाराओं में कठोरतम कार्यवाही की जायेगी।

खेत में गंदगी डालने से रोकने पर की मारपीट

नामजदो ने अधिवक्ता और भतीजे पर कर दिया हमला

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

भोगांव/मैनपुरी। खेत में गंदगी डालने से रोका तो अधिवक्ता ओर उसके अधिवक्ता भतीजे के साथ नामित आरोपी के साथ आए अज्ञात साथियों ने दोनों को मारपीट कर किया घायल। पुलिस ने नहीं कराया घायल अधिवक्ताओं का चिकित्सीय परीक्षण। पुलिस ने तहरीर लेकर जांच शुरू की।

नगर के मोहल्ला चौधरी निवासी बीरेंद्र कुमार शाक्य एडवोकेट द्वारा दी गई तहरीर में कहा गया है कि उनके खेत के में पड़ोसी खेत बाला रामविलास पुत्र जोगराज निवासी ग्राम जोगापुर का खेत है शनिवार सुबह वह के सी बी लेकर आया और खेत में लगी गंदगी को हटवाए जाने के बाद गंदगी उसके खेत में फेंकने लगे। इस बात की सूचना मिलते ही वह अपने अधिवक्ता भतीजे मुकुल कुमार शाक्य के साथ खेत पर पहुंचे और खेत में गंदगी डालने से रोका तो उसने जे सी बी चालक से मेड तो देने को कहा जब उसने पुलिस से शिकायत करने को कहा तो राम विलास ओर उसके साथ आए तीन चार अज्ञात लोगों ने लाठी डंडों और धारदार हथियारों से हमला बोलकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने तहरीर लेने के बाद जांच शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी की गई शिकायत

वहीं अधिवक्ता बीरेंद्र शाक्य ने मामले की मुख्य मंत्री पोर्टल पर भी भेजी गई शिकायत में कहा है कि पुलिस ने तहरीर लेने के बाद अधिवक्ताओं का चिकित्सीय परीक्षण नहीं कराया ओर न रिपोर्ट दर्ज की है। वहीं पुलिस का कहना हे कि जांच कराई जा रही है दोषियों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

मैनपुरी ही नहीं पूरे प्रदेश में स्वास्थ्य व्यवस्था चौपट

सपा सांसद डिंपल यादव ने स्वास्थ्य व्यवस्था पर उठाएं सवाल

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/किशनी। एक निजी कार्यक्रम में भाग लेने पहुंची सपा सांसद डिंपल यादव ने मैनपुरी की स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि मैनपुरी की स्वास्थ्य व्यवस्था चौपट हो चुकी है। यहां पर मरीजो को इलाज नहीं मिल रहा है। इलाज के नाम पर मरीजों को धक्के खाने पड़ते है। मैनपुरी में जनप्रतिनिधियों की परिवारियों तक को इलाज नहीं मिल पा रहा हैं तो आम इंसान का क्या हाल होगा इसका अंदाजा कोई भी लगा सकता है।

शनिवार की दोपहर सपा सांसद डिंपल यादव किशनी के ग्राम बोझा में पहुंचीं। एक अगस्त की सड़क दुर्घटना में मृतक हुए लोगों के परिजनों से मिलकर सांत्वना दी। इस अवसर पर उन्होंने स्थानीय और राजनीतिक मुद्दों पर सरकार पर निशाना साधा। डिंपल यादव ने कहा कि एक अगस्त को सड़क दुर्घटना परिवार ने अपने सदस्यों को खोया है। खासकर 17,18 वर्ष के युवाओं के निधन से परिवार पर गहरा आघात हुआ है। उन्होंने पीड़ित परिजनों से

बातचीत कर सांत्वना दी।

यूपी में महिला सुरक्षा पर भाजपा सरकार को घेरा- सपा सांसद ने दुगार्पुर में कथित सामूहिक बलात्कार मामले को लेकर चिंता व्यक्त की है और इसे एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना बताया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पश्चिम बंगाल में हुई यह घटना केवल एक राज्य तक सीमित नहीं है, यूपी में महिला सुरक्षा के मुद्दे पर मौजूदा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए सांसद डिंपल यादव ने दावा किया कि राज्य में महिलाओं के खिलाफ जघन्य अपराधों के आंकड़े पिछले 10 वर्षों में दोगुने से भी अधिक हो गए हैं। उन्होंने इसके लिए सीधे तौर पर सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि सरकार समाज को सही दिशा देने के लिए कोई कदम नहीं उठा रही है और उत्तर प्रदेश सरकार को महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल काम करना चाहिए।

विपक्षीय अवाजो को दवाना लोकतंत्र के खिलाफ- डिंपल यादव ने कहा कि विपक्षीय आवाजों को दबाना लोकतंत्र के सिद्धांतों के खिलाफ है। कहा कि जब समाजवादी सरकार थी, तब खाद की कोई कमी नहीं थी। वर्तमान सरकार की नीतियों के कारण किसानों को डीएपी खाद की कमी होने से किसानों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। सपा सांसद ने स्पष्ट किया कि समाजवादी पार्टी की विचारधारा हमेशा पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्गों के समान अधिकारों के लिए समर्पित रही है। राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा गठित नीति और गठबंधनों के साथ पार्टी की यह लड़ाई और मजबूत होगी और पार्टी इसी उद्देश्य के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था चौपट

किशनी विधायक बृजेश कठेरिया की माता के इलाज से जुड़े मामले पर उन्होंने कहा कि उन्होंने संबंधित वीडियो देखा और अधिकारियों से बात की है। यह समस्या केवल मैनपुरी तक सीमित नहीं है। प्रदेशभर में स्वास्थ्य सेवाएं गंभीर रूप से प्रभावित हैं। तत्काल सुधार की आवश्यकता है।

संवैधानिक नियमो का सम्मान होना चाहिए

वहीं अखिलेश यादव के फेसबुक अकाउंट के सस्पेंड होने पर डिंपल यादव ने कहा कि विपक्षीय आवाजों को दबाना लोकतंत्र के सिद्धांतों के खिलाफ है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और संवैधानिक नियमों का सम्मान होना चाहिए। ऐसे कदम सरकार द्वारा लोकतंत्र को कमजोर करने का संकेत देते हैं।

2027 के आगामी चुनाव की तैयारियां

डिंपल यादव ने बताया कि 2027 का विधानसभा चुनाव महत्वपूर्ण होगा और समाजवादी पार्टी का संगठन, कार्यकर्ता और नेता पूर्ण रूप से चुनावी तैयारियों में जुटे हुए हैं। सांसद ने कहा कि जब समाजवादी सरकार थी, तब खाद की कोई कमी नहीं थी। वर्तमान सरकार की नीतियों के कारण किसानों को डीएपी खाद की कमी, आवारा पशु समस्या, ऋण और बीमा जैसी कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में तत्काल ध्यान दिया जाना चाहिए।

अलीगढ़ में हिंदुओं के धर्म को भ्रष्ट करने की पूरी तैयारी में लगा केएफसी फूड

खाद्य विभाग और औषधि प्रशासन टीम के निरीक्षण दौरान फ्रिज में एक साथ मिला वेज और नॉनवेज

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। हिंदू त्योहारों के दृष्टिगत लगातार खाने-पीने, रेस्टोरेंट एवं होटल में परोसे जाने वाले व्यंजनों की शुद्धता में कार्रवाई देखने को मिल रही है। वहीं दूसरी ओर अलीगढ़ के मैरिस रोड स्थित केएफसी फूड की फ्रैंचाइजी पर खाद्य विभाग असिस्टेंट कमिश्नर के द्वारा छापेमार कार्रवाई की गई। जहां पर सहायक खाद्य आयुक्त के द्वारा बताया गया कि निरीक्षण के दौरान केएफसी के फ्रिज में एक साथ वेज और नॉनवेज पाए गए । जिसके मद्देनजर संचालक को चेतावनी और नोटिस की कार्रवाई करके छोड़ दिया गया । सूत्रों की माने तो मीडिया के आने से पहले मामले में लीपापोती होने की बात चल रही थी।

तभी पत्रकारों के पहुंचने के बाद कार्यवाई और नोटिस की प्रक्रिया को पूर्ण करते हुए इस मामले में कार्रवाई का जामा पहना दिया गया। जबकि इतना गंभीर मामला होते हुए तत्काल प्रभाव से कठोर कार्रवाई की जानी थी। वर्तमान में महिलाओं के करवा चौथ और अहोई अष्टमी का त्योहार उसके बाद दीपावली देवठान आदि त्यौहार लगातार इसी माह में है। जिसके बाद भी इस प्रकार के कार्य करने से संचालक और कर्मचारी बाज नहीं आ रहे हैं । सीधा-सीधा धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचाने की जुगत में इस तरह के लोग लगे हुए हैं। जहां एक तरफ स्वयं रेस्टोरेंट में आने वाले लोगों को कम से कम थोड़ा तो इस बात का पता रहता है कि खाने पीने की चीज कैसे बनकर आ रही हैं, वहीं दूसरी ओर होम डिलीवरी के माध्यम से खाना मंगाने वाले लोगों के साथ तो पूरी तरह से धोखा किया जा सकता है, इसमें कोई दो राय नहीं है। वही असिस्टेंट फूड कमिश्नर के द्वारा कारवाई होने की बात कही गई। लेकिन दूसरी ओर केएफसी का संचालक पत्रकारों को धमकाते और अभद्रता करते हुए नजर आया। जिससे साफ-साफ प्रतीत होता है कि सब कुछ संचालक की जानकारी में हो रहा था। इस बात से भी परहेज नहीं किया जा सकता कि धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का पहले से ही षड्यंत्र रचा गया हो।

खाद्य सुरक्षा विभाग की सघन छापेमारी, 20 खाद्य नमूने संकलित

मिलावट पर होगी कड़ी कार्रवाई, सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। जिलाधिकारी के निदेशानुसार त्योहारों के अवसर पर मिलावटी खाद्य पदार्थों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे विशेष सघन अभियान के तहत शुक्रवार को जिले के विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की गई।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा पनीर, दूध, घी, मिठाई, सरसों का तेल, रिफाइंड तेल, खोया, सूगर ड्राइ कैंडी के कुल 20 नमूने संकलित किए गए। जांच अभियान में महेन्द्र सिंह, अनुज कुमार, प्रमवीर सिंह, त्रिभुवन नारायण, प्रियेश सिंह, श्वेता चक्रवर्ती, आशीष गंगवार, नेहा एवं सुनील शर्मा सहित कई अधिकारियों की सक्रिय भूमिका रही।

छापेमारी अचलताल, घुडिया बाग, देहलीगेट, सराफा बाजार, रामघाट रोड, उदय सिंह जैन रोड, अचल, किलाट गंज एवं क्षेत्रों में की गई। इस दौरान विभिन्न प्रतिष्ठानों से 613 लीटर सरसों का तेल,204 लीटर रिफाइंड तेल, 180 लीटर रिफाइंड सोयाबीन ऑयल, 273 किलो ग्राम सोयाबीन रिफाइंड ऑयल,10 किलो ग्राम सूगर ड्राइ कैंडी सहित अन्य खाद्य पदार्थ लिए गए। अभियान के दौरान माँ पूर्णिमा माता स्टोर, तलेराम वाणिज्य, विक्की वाणिज्य, राजेन्द्र प्रसाद, परमा गंगवार, हरवीर रहमान आदि प्रतिष्ठानों से नमूने संकलित किए गए। विभाग द्वारा किलाटलांज क्षेत्र में एक ठंडे पेय पदार्थ विक्रेता के यहाँ कोल्ड ड्रिंक एवं पानी का स्टॉक अस्वच्छ स्थिति में पाए जाने पर लगभग 11,320 मूल्य के माल को जब्त करते हुए नोटिस जारी किया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी दीनानाथ ने बताया कि संकलित नमूनों की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के अंतर्गत आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

पतियों की लम्बी आयु व कुशलता के लिए सुहागिनों रखा व्रत

बाजारों मे रही रौनक, सुहागिनों ने की जमकर खरीददारी

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

गुरसहायगंज, कन्नौज। नगर व क्षेत्र मे सुहागिन महिलाओं ने पति के जीवन और यश को चांद की तरह चमकते रहने की कामना के साथ अखण्ड सौभाग्य के लिए करवा चैथ का व्रत रखकर पूजा अर्चना की। वहीं नगर के बाजारों मे रौनक रही सुहागिनों ने जमकर खरीददारी कर करबाचैथ का पर्व पारम्परिक तरीके से मनाया।

शुक्रवार की सुवह से ही करवाचैथ पर्व की तैयारिया शुरू हो गयी। महिलाओ ने अपने पति की लम्बी उम्र के लिये व्रत रखा। इससे पूर्व महिलाओ व पुरुषो द्वारा बाजार में खरीददारी की गयी। बताते चले कि छपे हुये कलेन्डर रखकर महिलाओं ने अपने पतियों की लम्बी आयु व कुशलता के लिए न सिर्फ वृत रखा बल्कि पूजा अर्चना भी की। इस व्रत से जुड़ी पारम्परिक कहानियां महिलाओं ने आपस मे सुनाई विधिवत चांद को अर्द्ध दे कर चावल छिड़के फिर पति के पैर छूकर उसके हाथ जल व अन्य ग्रहण कर व्रत तोड़ा। पति को तिलक कर अखण्ड सौभाग्य का वरदान लेकर जीवन सुख शान्ति वैभव से परिपूर्ण होने की सुहागिनों ने मनोंकामना की। करवाचैथ पर्व पर अपनी संगनियों के लिए नये वस्त्र, आभूषण व मिठाईयाँ खरीदी मिटटी के बर्तनों की दुकानों पर भी खरीददारों की दिनभर भीड़ लगी रही, आवागमन व्यस्त रहा। जिसके चलते ई-रिक्सा, टैम्पो व डग्गामार वाहन चालको की मौज रही। उधर सुरक्षा व्यवस्था मे प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार दुवे ने जगह-जगह पुलिस बल तैनात रखा।

मिशन शक्ति/एन्टीरोमियो टीम ने नगर व क्षेत्र में चलाया अभियान

मिशन शक्ति अभियान फेज 5.0 के तहत महिलाओं/बालिकाओं को हेल्पलाईन नम्बरों की जानकारी दी

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

गुरसहायगंज, कन्नौज। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं/बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के तहत पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार के निर्देशन में स्थानीय कोतवाली में गठित मिशन शक्ति/एन्टीरोमियो टीम द्वारा विद्यालय एवं रेलवे स्टेशन पर भ्रमण कर महिला संबंधी होने वाले अपराधों की रोकथाम हेतु छात्राओं एवं महिलाओं को जागरूक किया गया।

शनिवार को प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार दुवे एवं मिशन शक्ति अभियान प्रभारी एसएचओ सीपी तिवारी के नेतृत्व में कोतवाली पर तैनात मिशन शक्ति/एन्टीरोमियो टीम महिला हेड कांस्टेवल शशिबाला, जयललिता, राखी, रोशनी, विजय, प्रियंका, सीमा, मनीषा द्वारा ग्राम मिरगावां में चैपाल लगाकर उधर रेलवे स्टेशन, चैराहा, एबी कॉलेज रामगंज आदि स्थानों पर भ्रमण कर एकत्रित महिलाओं/बालिकाओं को मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 से संबधित पम्पलेट वितरित कर महिला संबंधी होने वाले अपराधों की रोकथाम हेतु जागरूक किया गया। साथ ही उन्हें किसी भी प्रकार की पुलिस सहायता हेतु वूमेन पावर लाइन 1090 व डायल 112 व ऑपरेशन कवच व 181 महिला हेल्पलाइन व 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन व 1098 चाइल्ड लाइन व 155260 व 1930 साइबर क्राइम अपराध के बारे में बताया गया। कानूनी प्रावधानों एवं उनके अधिकारों इत्यादि के बारें में चर्चा करते हुए शासन द्वारा चलायी जा रही विभिन्न सरकारी योजनाओं के विषय में जानकारी देकर जागरूक किया गया।

साथ ही थाना स्थानीय पर नवस्थापित मिशन शक्ति केन्द्र का कार्य, उद्देश्य, उपलब्ध करायी जाने वाली सेवाओं के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गयी।

जिम्मेदार कर्मी पीडितों को न्याय दिलानें का कार्य करें-डीएम

डीएम व एसपी ने थाना तालग्राम में आयोजित समाधान दिवस में सुनी सात शिकायतें, तीन निस्तारित

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

गुरसहायगंज, कन्नौज। शासन के निर्देश पर थाना तालग्राम परिसर में डीएम व एसपी की अध्यक्षता में समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें कुल सात फरियादियों ने अपनी समस्याएं रखी। जिसमें से तीन शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया जबकि अन्य शिकायतों के निस्तारण के लिए अधीनस्थ कर्मियों को निर्देशित किया गया।

शनिवार को थाना तालग्राम परिसर में डीएम आशुतोष मोहन अग्निहोत्री एवं पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार की अध्यक्षता में आयोजित समाधान दिवस में कुल सात राजस्व संबंधित फरियादियों ने अपनी समस्याएं रखीं जिसमें से तीन राजस्व से संबंधित शिकायत का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। जबकि अन्य शिकायतों के निस्तारण के लिए अधीनस्थ कर्मियों को शिकायतों की गम्भीरता से लेकर शत-प्रतिशत निष्पक्ष निस्तारण के लिये निर्देशित करनें के उपरान्त डीएम ने कहा कि अधीनस्थ कर्मी शासन की मंशानुसार कार्य कर के पीड़ितों को न्याय प्रदान करें। कहा कि थाना समाधान दिवस में प्राप्त शिकायती प्रार्थना-पत्रों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण जल्द से जल्द किया जाना चाहिए। एसपी विनोद कुमार नें कहा कि पुलिस कर्मी थाना दिवस में आने बाले फरियादियों की समस्याओं के निस्तारण के लिये पुलिस व राजस्व टीम बनाकर पीडितों को न्याय दिलानें का कार्य करें। इस दौरान थानाध्यक्ष शशिकांत कनौजिया, उपनिरीक्षक दिनेश कुमार सहित तमाम राजस्व कर्मी मौजूद रहे। उधर कोतवाली गुरसहायगंज में निरीक्षक सीपी तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित समाधान दिवस में पॉच राजस्व एवं दो पुलिस संबन्धित शिकायतें आई जिसमें से पुलिस संबन्धित दो शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया जबकि अन्य शिकायतों के निस्तारण के लिये राजस्व कर्मियों को निर्देशित किया गया है। कस्वा प्रभारी दीपक चैधरी, हरीश कुमार, दीपक कुमार सिंह, सुरेन्द्र पाल, राजेन्द्र सिंह सहित तमाम राजस्व कर्मी मौजूद रहे।

मां भगवती का विशाल दुर्गा जागरण आज होगा

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

गुरसहायगंज, कन्नौज। जय मां काली मित्र मंडली सेवा समिति के तत्वाधान में नगर के मोहल्ला गोपाल नगर स्थित सांई मंदिर परिसर में मां भगवती का विशाल दुर्गा जागरण का आयोजन किया जाएगा। जिसमें आगरा के नवीन जागरण मंडल के कलाकारों द्वारा भव्य प्रस्तुति दी जाएगी। यह जानकारी शनिवार को समिति के पदाधिकारी अमन वर्मा ने दी। इस दौरान विकास गुप्ता, आदित्य सैनी, ऋषभ ठाकुर, हर्षित शुक्ला, विकास गुप्ता, विकास ठाकुर आदि मौजूद रहे।

कार की टक्कर से युवक हुआ घायल

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

गुरसहायगंज, कन्नौज। थाना तालग्राम क्षेत्र की पुलिस चैकी रोहली निवासी ममता देवी पत्नी बाबूराम दिवाकर द्वारा कोतवाली में दर्ज कराए गए मुकदमे में कहा गया है कि विगत 08 अक्टूबर की शाम 05 बजे उसका पुत्र सुशील कुमार उर्फ सुनील बाइक द्वारा रजलामऊ स्थित आशा कोल्ड स्टोरेज के निकट व्यापारी से मिलने गया था। तभी सामने से अनियंत्रित गति से आ रही ओमनी बैन के चालक ने तेजी व लापरवाही से कार को चलाते हुए टक्कर मार दी। जिससे उसका पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे हाईवे एंबुलेंस द्वारा सौ शैया अस्पताल छिबरामऊ में भर्ती कराया गया। जहां हालत गंभीर होने के कारण उसके पुत्र को कानपुर रिफर कर दिया गया है। जहां उसका इलाज चल रहा है। पीडिता की तहरीर पर कोतवाली पुलिस द्वारा घटना का मुकदमा दर्ज कर जॉच शुरू कर दी गई है।

एएमयू महिला टीमों ने वॉलीबॉल और बास्केटबॉल में जीते खिताब

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की छात्राओं ने सर सैयद डे समारोह के अंतर्गत आयोजित ओपन डिस्ट्रिक्ट टूनार्मेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए वॉलीबॉल और बास्केटबॉल दोनों प्रतियोगिताओं में चैम्पियनशिप खिताब अपने नाम किए। यह टूनार्मेंट वीमेन्स कॉलेज, एएमयू द्वारा आयोजित किया गया।वॉलीबॉल फाइनल में एएमयू टीम ने एएमयू गर्ल्स स्कूल को सीधे सेटों (25-12, 25-13) में हराकर विजेता ट्रॉफी हासिल की।

सेमीफाइनल में एएमयू ने अल-बरकात टीम को 25-5 और 25-6 से पराजित किया था, जबकि एएमयू गर्ल्स स्कूल ने महिला कॉलेज को रोमांचक तीन सेटों (25-23, 23-25, 25-21) में मात देकर फाइनल में प्रवेश किया था। इससे पूर्व फाइनल मुकाबले में एएमयू टीम ने उत्कृष्ट समन्वय और तकनीकी कौशल का प्रदर्शन किया। अनमता कासिम और आफरीन नईम को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए टूनार्मेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया। बास्केटबॉल प्रतियोगिता में भी एएमयू टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जेडवीबीएल अकादमी को 37-23 के स्कोर से पराजित किया। हर्षिता और वंशिका ने टीम की जीत में निर्णायक भूमिका निभाई और सर्वाधिक अंक बनाए। पूर्व में सेमीफाइनल में एएमयू ने डीएवी कॉलेज को 31-8 से हराया, जबकि जेडवीबीएल अकादमी ने राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय को 38-25 से मात दी। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में वीमेन्स कॉलेज, एएमयू की पूर्व उपनिदेशक (खेल) डॉ. रजिया बी. रिजवी मौजूद रहीं। जबकि जूलॉजी सेक्शन, वीमेन्स कॉलेज की प्रो. नजूरा उस्मानी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में महिला कॉलेज के शारीरिक शिक्षा अनुभाग की प्रभारी डॉ. नाजिया खान ने धन्यवाद ज्ञापन दिया और अब्दुल्ला हॉल की गेम्स सुपरवाइजर मेहविश खान ने अतिथियों का स्वागत किया। टूनार्मेंट का संचालन सरदार हुसैन और जाकिर रजा की देखरेख में हुआ। समापन समारोह का संचालन नबीला खान और जुनेरा ने किया।

वॉलीबॉल प्रतियोगिता में कुल 12 टीमों और बास्केटबॉल में 13 टीमों ने भाग लिया, जिससे महिला खिलाड़ियों में उत्साह और खेल भावना का परिचय मिला।

एएमयू में प्रथम वर्ष राजनीति विज्ञान छात्रों के लिए ओरिएंटेशन और इंडक्शन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग ने प्रथम वर्ष के नए छात्रों के लिए ओरिएंटेशन और इंडक्शन कार्यक्रम आयोजित किया।स्वागत भाषण में विभागाध्यक्ष प्रो. मोहम्मद नफीस अहमद अंसारी ने छात्रों को विभाग के शैक्षणिक माहौल, सुविधाओं और अनुसंधान संस्कृति से परिचित कराया। उन्होंने गुणवत्ता शिक्षा और नवाचारी शिक्षण पद्धतियों पर जोर देते हुए छात्र विकास के समग्र दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला।सत्र की अध्यक्षता करते हुए प्रो. मिर्जा अस्मर बेग ने कहा कि यह विषय छात्रों को राजनीतिक जीवन की गतिकी समझने, विश्लेषणात्मक कौशल विकसित करने और समाज में सक्रिय, जिम्मेदार नागरिक बनने में मदद करता है।प्रो. मोहम्मद मोहिबुल हक ने राजनीतिक जागरूकता और मानवाधिकारों की समझ के महत्व पर जोर दिया और इसे एएमयू की स्थापना के आदर्शों से जोड़ा। उन्होंने कहा कि राजनीतिक साक्षरता नागरिकों को अन्याय पर सवाल उठाने और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने का सामर्थ देती है।यूनिवर्सिटी के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट अधिकारी साद हमीद ने छात्रों से आग्रह किया कि वे अपनी अकादमिक गतिविधियों को आधुनिक वैश्विक आवश्यकताओं के अनुरूप करें। उन्होंने उन्हें शैक्षणिक उत्कृष्टता और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में संतुलन बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया, ताकि वे सर्वांगीण व्यक्तित्व का निर्माण कर सकें। कार्यक्रम का संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर परवेज आलम ने किया, जबकि धन्यवाद प्रस्ताव डॉ. फराज ने प्रस्तुत किया।

एएमयू सेंटर मल्लापुरम के डॉ. शहनवाज अहमद मलिक को एएमपी राष्ट्रीय शिक्षा उत्कृष्टता पुरस्कार 2025 से सम्मानित

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के मल्लापुरम सेंटर के कानून विभाग के सहायक प्रोफेसर, डॉ. शहनवाज अहमद मलिक को उनकी विशिष्ट कानूनी शिक्षा और संस्थागत विकास में योगदान के लिए एसोसिएशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेशनल्स द्वारा एएमपी राष्ट्रीय शिक्षा उत्कृष्टता पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया।यह पुरस्कार एएमपी राष्ट्रीय पुरस्कार सम्मान समारोह 2025 के दौरान हैदराबाद के अनवरुल उलूम कॉलेज में एएमपी अध्यक्ष आमिर इदरीसी और कई प्रमुख शिक्षाविदों एवं समुदायिक नेताओं की उपस्थिति में प्रदान किया गया। डॉ. मलिक, जो 2013 से एएमयू सेंटर मल्लापुरम से जुड़े हैं, ने कानून विभाग के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने छात्रों में अधिवक्ता कौशल को बढ़ावा देने के लिए कई शैक्षणिक और व्यावसायिक संस्थाएँ स्थापित की हैं और केंद्र की शैक्षणिक पहचान को मजबूत करने में योगदान दिया है।उनका शिक्षण और अनुसंधान का क्षेत्र संवैधानिक कानून, प्रशासनिक कानून, मानवाधिकार और कानूनी सिद्धांत है। वे एएमयू कोर्ट और अकादमिक काउंसिल के सदस्य भी रह चुके हैं और वर्तमान में मल्लापुरम सेंटर में डिप्टी प्रॉक्टर और कानून विभाग समन्वयक के पद पर कार्यरत हैं।

डीएम व एसपी किया जिला कारागार का निरीक्षण

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

कन्नौज। जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री व पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार द्वारा जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान सभी बैरकों तथा बन्दियों एवं उनके स्वास्थ्य सेवाओं का गहन निरीक्षण किया गया। जेल अधीक्षक भीमसेन मुकुन्द द्वारा बताया गया कि नियमित रूप से उनके व जेल स्टाफ द्वारा जेल की चेकिंग की जाती है।

शनिवार को जिला कारागार में जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री व पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार द्वारा निरीक्षण के समय सभी व्यवस्थाएं सन्तोषजनक पायी गयी। जेल के अंदर कोई भी प्रतिबंधित सामग्री ना जाए इसके लिए सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। साथ ही जिला कारागार में आने वाले नये कैदियों का जेल चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण कराये जाने के लिये पुलिस अधीक्षक द्वारा जिला कारागार अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि नियमित रूप से कारागार का निरीक्षण करते रहे एवं निरूद्ध बन्दियों पर विशेष सतर्क दृष्टि रखें एवं आवश्यकतानुसार समय-समय पर कारागार मे निरूद्ध बन्दियों की गतिविधियों के सम्बन्ध मे जानकारी देते रहें।

टंकी में लाश मिलने की कहानी 13 साल बाद आया था गोरखपुर

20 मिनट ससुराल में रुका, साले से 1200 रुपये लिए

देवरिया

महाराष्ट्र के रहने वाले अशोक गावंडे की शादी गोरखपुर के हुमायूंपुर दक्षिणी में हुई थी। वह केमिकल फैक्टरी में इंजीनियर थे। उन्होंने महाराष्ट्र में खुद की केमिकल की फैक्टरी लगाई, मगर फैक्टरी नहीं चली और पूंजी डूब गई। इसके बाद अशोक अवसाद में आए गए और पारिवारिक कलह बढ़ने लगी।

करीब चार साल पहले पत्नी और बेटी ने भी साथ छोड़ दिया। मुंबई में पत्नी अलग कमरे में बेटी के साथ रहती है। वहीं, मानसिक रूप से बीमार अशोक को मेंटल अस्पताल में भर्ती कराया था। 22 सितंबर को वह करीब 13 साल बाद ससुराल गोरखपुर आए। रिश्तेदार (साला) से महाराष्ट्र जाने के लिए 1200 रुपये मांगे, रिश्तेदार ने उन्हें टेंपो से रेलवे स्टेशन पर भेज दिया, मगर मुबंई जाने के बजाय देवरिया के मेडिकल कॉलेज की पानी टंकी में उनका शव मिला। पुलिस को वारदात की सच्चाई से पर्दा उठाना चुनौती बना है। पुलिस ने साले, पत्नी और बेटी के आलावा अशोक के भाई के मोबाइल नंबर की मदद से तह में जाने की कोशिश कर रही है। गोरखपुर के हुमायूंपुर दक्षिणी के रहने वाले अशोक गावंडे के साले प्रफुल्ल नागरकर अपनी बहन व परिचितों के साथ शुक्रवार के पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। प्रफुल्ल ने बताया कि जीजा एक केमिकल फैक्टरी में इंजीनियर थे। हरियाणा के भिवानी और गुजरात के अंकलेश्वर में जॉब करते थे। अनीता भी साथ रहती थी। एक बेटी अनुष्का है। अशोक ने 15 साल पहले जॉब छोड़कर मुंबई में केमिकल फैक्टरी लगाई, मगर प्लास्टिक पर उसी समय सरकार ने रोक लगा दी। इसके चलते पूंजी डूब गई और फैक्टरी नहीं चली। इसके बाद वह अवसाद में आए गए। प्रफुल्ल ने बताया कि घर का माहौल तनावपूर्ण रहने लगा। करीब चार साल पहले बहन, बेटी को लेकर जीजा के मकान से करीब 40 किमी दूर महाराष्ट्र के पनवेल में रहने लगी। करीब 13 साल बाद जीजा उसके घर आए और महाराष्ट्र जाने के लिए 1200 रुपये किराया मांगा। उन्हें टेंपो से रेलवे स्टेशन पर भेज दिया, देवरिया वह कैसे पहुंचे और यह सब कैसे हुआ, इसके बारे में कुछ भी जानकारी नहीं है। पुलिस चारदात की निष्पक्ष तरीके से जांच करे। वहीं, चार पहिया वाहन में बैठी अशोक की पत्नी ने कुछ भी बताने से मना कर दिया।

अशोक का शव जब राजघाट पहुंचा तो प्रफुल्ल के साथ उनके छोटी बहन कादम्बरी के पति सचिन, प्रफुल्ल के दोस्त मौजूद थे। वहां उन्होंने दाह संस्कार में तनु को मदद की। प्रफुल्ल के मित्रों का कहना था कि अशोक का दिमागी संतुलन ठीक नहीं था। ऐसे में वह महाराष्ट्र से गोरखपुर कैसे पहुंच गए, यह हैरानी वाली बात है। महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज के पानी की टंकी में सोमवार को महराष्ट्र के ठाड़े जिले के रहने वाले अशोक गावंडे की लाश मिली थी। उसकी ससुराल गोरखपुर के हुमायूंपुर दक्षिणी मोहल्ले में प्रफुल्ल नागरकर के यहां थी।

सीएम योगी से मिलीं दलित हरिओम की पत्नी, मॉब लिंचिंग में हो गई थी मौत

लखनऊ

हरिओम की पत्नी संगीता शनिवार को विधायक ऊंचाहार के साथ लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करने के लिए गईं। विधायक ने मुख्यमंत्री से बात करते हुए हरिओम की पत्नी से मिलने की गुजारिश की।

शनिवार दोपहर को समाज कल्याण मंत्री स्वतंत्र प्रभारी असीम अरुण और खादी ग्रामोद्योग मंत्री राकेश सचान ने हरिओम की पत्नी संगीता के नई बस्ती ऊंचाहार स्थित घर जाकर सरकार की तरफ से भेजी गई मदद सौंपी। इसके बाद विधायक ऊंचाहार डॉ मनोज कुमार पांडेय ने संगीता से बात की और उनसे सरकार की तरफ से मिली मदद के बारे में पूछा। इस पर संगीता ने खुशी जाहिर की। संगीता ने बताया कि वह मुख्यमंत्री की आभारी रहेंगी। मुझे जिसकी उम्मीद नहीं थी, वह भी सरकार ने पूरा किया है। संगीता की मुख्यमंत्री से मुलाकात कराने के लिए विधायक ने पहले ही बात कर ली थी। इसके चलते दोपहर करीब डेढ़ बजे वह संगीता को लेकर लखनऊ रवाना हो गए। संगीता पति हरिओम की हत्या से बहुत दुखी हैं। बात करते करते उनकी आंख से आंसू निकल पड़ते हैं। संगीता सरकार की मदद से खुश हैं, लेकिन मन में टीस है कि अभी तक सभी आरोपी नहीं पकड़े गए हैं। हालांकि संगीता ने उम्मीद जताई है कि जल्द ही सभी आरोपी पकड़े जाएंगे। उनका कहना है कि सभी आरोपियों के पकड़े जाने के बाद ही उनको सुकून मिलेगा। हरिओम हत्याकांड की गंभीरता को देखते हुए उनकी पत्नी व बेटी की सुरक्षा में पुलिस बल की तैनाती की गई है। उनके घर पर एक दरोगा, सिपाही व एक महिला सिपाही को 24 घंटे ड्यूटी देनी है। साथ ही घर आने जाने वाले हर व्यक्ति की निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं। थानाध्यक्ष ऊंचाहार अजय कुमार राय ने बताया कि हरिओम की हत्या के बाद से उनकी पत्नी के घर पर लोगों का आना जाना बढ़ा है। इससे परिवार की सुरक्षा की जिम्मेदारी बढ़ गई है। किसी खतरे की आशंका को लेकर सुरक्षा बढ़ाई गई है। पुलिस कर्मी आठ-आठ घंटे की ड्यूटी दे रहे हैं। सुरक्षा ऊपर से निर्देश मिलने तक जारी रहेगी। पुलिस की मौजूदगी से परिवार कोई खतरा नहीं होगा।

ऊंचाहार में चोर समझकर भीड़ की ओर से मारे गए हरिओम वाल्मीकि के परिवार को प्रदेश सरकार ने आर्थिक मदद दी है।

छोटी खबरें

हाईकोर्ट का निर्देश: रामभद्राचार्य के खिलाफ आपत्तिजनक वीडियो हटाएं मेटा, गूगल और यूट्यूब, 48 घंटे का दिया समय

लखनऊ

इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने जगतगुरु स्वामी राम भद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय चित्रकूट के कुलपति स्वामी राम भद्राचार्य के खिलाफ यूट्यूब चैनल और अन्य इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्मों पर चलने वाले कथित आपत्तिजनक वीडियो को 48 घंटे में हटाने का आदेश दिया है। कोर्ट ने मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक और गूगल एलएलसी को निर्देश दिया कि याचियों से यूआरएल्स लिंक लेकर स्वामी राम भद्राचार्य के खिलाफ कथित आपत्तिजनक सामग्री को 48 घंटे में हटा दें। कोर्ट मामले की अगली सुनवाई 11 नवंबर को नियत की है। न्यायमूर्ति शेखर बी सराफ और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार की खंडपीठ ने यह आदेश शरद चंद्र श्रीवास्तव व अन्य की ओर से दाखिल याचिका पर दिया है। याचिका में आग्रह किया गया है कि केद्र व राज्य सरकारें विभिन्न इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर लगाम लगाने के लिए नियम बनाएं और उनका सख्ती से पालने कराएं। साथ ही यह भी कहा गया कि गोरखपुर के यू ट्यूबर संपादक शशांक शेखर फेसबुक और इंस्टाग्राम पर चैनल चलाते हैं। वह बीते 29 अगस्त से अपने यू ट्यूब चैनल के साथ साथ अन्य इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर स्वामी राम भद्राचार्य के खिलाफ अपमानजनक वीडियो चला रहे थे। कहने के बावजूद न तो उन्होंने वीडियो को हटाया और न ही संबंधित इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्मों ने ही अपने स्तर से कार्यवाही कर-के उक्त वीडियो को हटाया। यह वीडियो "राम भद्राचार्य पर खुलासा -16 साल पहले क्या हुआ था" नाम से चलाया जा रहा है।कहा गया कि स्वामी जी बचपन से ही आंखों से दिव्यांग हैं फिर भी उनकी दिव्यांगता को लेकर अवमाननाजनक कंटेंट्स वाला वीडियो चलाया जा रहा है। इस वीडियो पर तुरंत रोक लगाने का आरा किया गया। सुनवाई के बाद कोर्ट ने कहा था कि पहली नजर में इन कंटेंट्स के खिलाफ दिव्यांगों के लिए कार्य करने वाले स्टेट कमिश्नर की ओर से कार्यवाही करने का मामला बनता है। कोर्ट ने बीते 17 सितंबर को याचिका पर संज्ञान लेते हुए फेसबुक, इंस्टाग्राम, गूगल और यू टयूब को नोटिस जारी किया था। कोर्ट ने कहा था कि इन मीडिया प्लेटफार्मों के शिकायत निस्तारण अधिकारियों को सप्ताह भर में स्वामी के खिलाफ दिखाये जा रहे वीडियो के विरुद्ध प्रत्यावेदन दिया जाए जिस पर तत्काल उक्त आपत्तिजनक वीडियो हटाने की कार्यवाही की जाए। साथ ही कोर्ट ने दिव्यांगों के लिए कार्य करने वाले स्टेट कमिश्नर को भी फेसबुक और इंस्टाग्राम चैनल चलाने वाले संपादक शशांक शेखर से स्पष्टीकरण मांगते हुए उनके खिलाफ उचित कार्यवाही करने का आदेश दिया था।

विदाई समारोह में न्यायाधीश का किया अभिनंदन

कासगंज। शहर की दुर्गा कालोनी में संचालित एमएसीटी कोर्ट के न्यायाधीश राजीव कुमार की विदाई पर समारोह आयोजित हुआ। इस दौरान न्यायाधीश को पटका पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। इस दौरान कासगंज बार एसोसिएशन के अध्यक्ष गिरिजा शंकर दुबे, महासचिव महीपाल सिंह राजपूत, रामनिवास राजपूत, कमलकांत गुप्ता, राजीव वशिष्ठ, मुनेंद्र पाल राजपूत, चेतेंद्र चौहान, रमेश चन्द्र गोला, चेतन चौहान, सलीम समेत अन्य अधिवक्तागण मौजूद रहे।

यूपी: मानसून के विदा होते ही प्रदेश में ठंड के संकेत

लखनऊ

प्रदेश में मानसून की विदाई का समय आ चुका है। पूर्वांचल के कुछ जिलों को छोड़ दें तो लगभग पूरे प्रदेश से मानसून जा चुका है। पूर्वांचल में बचे हुए जिलों में रविवार या सोमवार को हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। इसके बाद प्रदेश से पूरी तरह से मानसून की विदाई हो जाएगी। मौसम विभाग के अनुसार, 17 अक्तूबर तक मौसम फिलहाल शुष्क रहेगा लेकिन सुबह और शाम को हल्की ठंड बनी रहेगी। कुछ दिन बाद ही इस ठंड में बढ़ोतरी होना शुरू हो जाएगी।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि फिलहाल मौसम ड्राई रहेगा। निचले क्षोभमंडल में व्याप्त शुष्क पछुआ/उत्तरी-पश्चिमी हवाओं के प्रभाव से प्रदेश में मौसम के आगामी कुछ दिनों तक शुष्क बने रहने की संभावना है। इसके दृष्टिगत आगामी 24 घंटों के दौरान मानसून के प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों से विदाई के संकेत मिल रहे हैं। इस दौरान प्रदेश में अधिकतम तापमान में विशेष परिवर्तन न होने जबकि न्यूनतम तापमान में कुछ स्थानों पर थोड़ी और गिरावट होने के आसार हैं। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के हिसाब से यूपी का मौसम भी निर्भर करेगा।

स्नातक चुनाव को लेकर मीटिंग का आयोजन किया

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज, जनपद कासगंज मे सोरों गेट स्थित भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर स्नातक चुनाव को लेकर एक मीटिंग का आयोजन किया गया, जिसमें वर्तमान एमएलसी डॉ मानवेंद्र प्रताप सिंह गुरुजी मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे । वही कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा के जिलाअध्यक्ष नीरज शर्मा ने की, एवम श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पं. दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित व दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम की शुरूआत की।

आपको बताते चलें कि भाजपा आने वाले स्नातक एवं शिक्षक एमएलसी चुनाव को लेकर काफी गंभीर दिखाई दे रही है, इसी के चलते भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर विधान परिषद सदस्य स्नातक डा मानवेंद्र प्रताप सिंह गुरुजी ने विधान परिषद चुनाव में लगाए गए भाजपा पदाधिकारी के साथ एक बैठक को संबोधित करते हुए कहा की सभी मंडल स्तर की टीमे पूरी तरह से सक्रिय रहे एवं अपने अपने मंडल के प्रत्येक शक्ति केंद्र व बूथ पर जाकर स्नातक एवं शिक्षको के मतदान के लिए वोट बनवाने के लिए उनके फॉर्म भरकर निर्धारित समय पर जमा कर दे, ताकि उनका वोट बन सके। वही कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष नीरज शर्मा ने कहा कि भाजपा पार्टी प्रत्येक चुनाव अपने पदाधिकारी एवं निष्ठावान कार्यकताओं की मेहनत के बल पर ही जीतकर आती है ,उन्होंने जिम्मेदार पदाधिकारी को लेकर विधान परिषद शिक्षक एवं स्नातक चुनाव के लिए मतदाताओं के वोट बढ़ाने के लिए तैयारी की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश भी दिए ।

बैठक के दौरान भाजपा के क्षेत्रीय सहसंयोजक एवं पूर्व जिला अध्यक्ष मैनपुरी प्रदीप चौहान, वरिष्ठ भाजपा नेता ज्ञान तिवारी ,महेंद्र सिंह राणा ,जिला मंत्री कृष्णकांत वशिष्ठ, जिला संयोजक स्नातक कौशल साहू, शिक्षक योगेंद्र सिंह चौहान, स्नातक विधानसभा संयोजक मनोज शर्मा, जिला उपाध्यक्ष शिव कुमार भारद्वाज पूर्व मंडल अध्यक्ष शरद गुप्ता मीडिया विभाग प्रभारी शिव प्रताप सिंह सोलंकी ,मंडल अध्यक्ष मयंक वैश्य ,मंडल अध्यक्ष रणजीत सिंह ,मंडल अध्यक्ष आदित्य काकोरिया ,मंडल अध्यक्ष बिलराम मोहर सिंह, अनिल तिवारी, रामनिवास सिंह राजपूत, आशुतोष शर्मा, श्यामू यादव ,सुनील कुमार, जिला मंत्री केपी सिंह ,रामकृष्ण उपाध्याय , राहुल सिंह, अजय शर्मा सह प्रभारी आईटी सेल, प्रभारी आईटी सेल हिमांशु उपाध्याय ,शिवकुमार, जयप्रकाश बघेल ,सुनील कुमार सहित अन्य जिम्मेदार पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

यूपी: सीएम योगी बोले एक रहेंगे तो अनेक होंगे, बटेंगे तो कटेंगे, भविष्य में बड़ी लड़ाई लड़ने के लिए रहें तैयार

लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को हथियाराम मठ परिसर में प्रबुद्धजन संवाद संगम में विपक्ष पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि जो समाज बंटता है, वह कटता है, एक रहेंगे तो अनेक रहेंगे। इसलिए हमें एकजुट रहकर राष्ट्रहित में कार्य करना होगा।

त्रेता युग से लेकर आज तक गाजीपुर की धरती आध्यात्मिक चेतना की वाहक रही है। यह भूमि संतों, महर्षियों और वीरों की तपोस्थली रही है। बह्मर्षि विश्वामित्र का उदाहरण देते हुए सीएम ने कहा कि आतंक की पहचान करने वाले वे पहले मनीषी थे, जैसे त्रेता युग में उन्होंने बक्सर में राक्षसों के अंत के लिए अनुसंधान किया था, वैसे ही आज भाजपा की सरकार में दंगाइयों और माफिया के खात्मे के लिए अनुसंधान हो रहा है। वहीं, भुड़कुड़ा मठ में कांग्रेस और सपा का बिना नाम लिए मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहब भीमराव आंबेडकर की ओर से रचित संविधान में धर्म निरपेक्ष शब्द नहीं था, लेकिन पूर्व की सरकारों ने इसे चोरी छिपे संविधान जोड़ दिया। परिवारवाद, जातिवाद, धर्म व भाषा से परे रहे कर भविष्य में आने वाली बड़ी राजनीतिक लड़ाई के लिए सभी को तैयार रहना होगा।

मंच से निषादराज गुह और मतंग ऋषि की शिष्या शबरी का जिक्र कर दलितों व निषादों को साधा। कहा कि डबल इंजन की सरकार में विकास का पहिया लगातार घूम रहा है और उत्तर प्रदेश तेजी से समृद्धि के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति की तरह धरती की भी अपनी प्रकृति होती है और हमारी सनातन परंपरा उसी प्रकृति और समृद्धि का प्रतीक है।

जो भारत की आत्मा यानी सनातन संस्कृति से जुड़े रहेंगे, वही विकास और सम्मान की राह पर आगे बढ़ेंगे। सीएम ने अयोध्या और वहां श्रीराम मंदिर परिसर में कराए गए कार्यों का 11 बार जिक्र किया। इस अवसर पर महामंडलेश्वर भवानी नंदन यति, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, प्रभारी मंत्री रविंद्र जयसवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश राय आदि मौजूद रहे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षण विधियों में सुधार लाना

मोर्निंग सिटी संवाददाता

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान पर चल रहे शिक्षक प्रशिक्षण का समापन

भोगांव/मैनपुरी। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) में चल रहे पांच दिवसीय एकीकृत शिक्षक प्रशिक्षण मॉड्यूल का समापन हो गया है। प्रशिक्षण में वेबर व घिरोर ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रशिक्षण में शिक्षकों को नई शिक्षा नीति और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (विद्यालयी शिक्षा) के बारे में जानकारी दी गई। समापन पर शिक्षकों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए।

प्राचार्य मनमोहन शर्मा ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षण विधियों में सुधार लाना और शिक्षकों को आधुनिक तकनीकों से अवगत कराना था।उन्होंने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे प्रशिक्षण में सीखे गए ज्ञान और कौशल का उपयोग छात्रों के समग्र विकास के लिए करें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न विषयों पर सत्र आयोजित किए गए, जिनमें शिक्षण योजना व पाठ योजना निर्माण एवं उसका प्रभावी प्रयोग, नवाचारी शिक्षण विधियां, समावेशी शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा, नेतृत्व क्षमता संवर्धन और अनुभवात्मक शिक्षण शामिल थे। प्रशिक्षण में गणित शिक्षण, हिंदी भाषा शिक्षण, अंग्रेजी शिक्षण, और संस्कृत भाषा शिक्षण जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई। प्रवक्ता सुधाकरन ने बताया कि प्रशिक्षण में निपुण भारत अभियान, आकलन एवं समग्र प्रगति पत्र, नेतृत्व क्षमता संवर्धन, और कक्षा-कक्ष/विद्यालय प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों को भी कवर किया गया। प्रतिभागियों को स्वास्थ्य शिक्षा एवं खेल, नैतिक शिक्षा एवं मूल्य बोध, जीवन कौशल, कला शिक्षण, और सुरक्षा-संरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण कार्यक्रम की सफलता में मास्टर ट्रेनर्स डॉ जीतपाल सिंह, बीरेंद्र सिंह ने विषय वस्तु, प्रस्तुति शैली और संवादधर्मी दृष्टिकोण से प्रशिक्षण को प्रभावशाली और व्यवहारिक बनाया। इस अवसर पर प्रवक्ता अभय कुमार, आरेन्द्र सिंह, श्वेतांक सहित ऋषि चौहान, राज शर्मा, पवन, संजय, पूजा, सारिका, विपिन आदि शिक्षक मौजूद रहे।

स्मृति शेष उमाशंकर चौधरी की चौथी पुण्यतिथि पर पत्रकारों ने दी श्रद्धांजलि

कासगंज के सिढपुरा में आयोजित कार्यक्रम में पत्रकारों ने लिया मिशन पत्रकारिता का संकल्प

वही नवनियुक्त अलीगढ़ मंडल के अध्यक्ष राजनारायण सिंह का हुआ भव्य स्वागत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। कस्बा सिढपुरा स्थित ब्रज फार्म हाउस में शनिवार को ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में श्रद्धांजलि सभा व संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संगठन के संस्थापक सदस्य एवं आजीवन प्रदेश कोषाध्यक्ष रहे स्मृति शेष उमाशंकर चौधरी की चतुर्थ पुण्यतिथि पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में आए ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष राज नारायण सिंह ने स्व. उमाशंकर चौधरी के चौथी पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम को आगे बढ़ाया और बारी बारी से पत्रकार साथियों ने स्वर्गीय उमाशंकर चौधरी के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उनको नमन किया और वहीं मुख्य अतिथि के रूप में आए ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन संगठन के मंडल अध्यक्ष राज नारायण सिंह ने बताया कि ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन संगठन के संस्थापक सदस्य एवं आजीवन कोषाध्यक्ष रहे स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह ने संगठन के प्रति समर्पण, निष्ठा और त्याग को याद करते हुए कहा कि उन्होंने ग्रामीण पत्रकारिता को नई दिशा दी थी।

कार्यक्रम का संचालन ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष रामनरेश सिंह चौहान ने किया। उन्होंने कहा कि स्व. उमाशंकर चौधरी का जीवन पत्रकारिता के आदर्श मूल्यों का प्रतीक था। उन्होंने संगठन की नींव को मजबूती देने के साथ ही ग्रामीण पत्रकारों को आत्मसम्मान और एकजुटता की राह दिखाई। उनके कार्यों से प्रेरणा लेकर प्रत्येक पत्रकार को सत्य और निष्पक्षता की राह पर डटे रहना चाहिए। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए नवनियुक्त अलीगढ़ मंडल अध्यक्ष राज नारायण सिंह ने कहा कि पत्रकारों का इतिहास क्रांति का इतिहास रहा है। कलम हमेशा परिवर्तन की वाहक रही है। आज आवश्यकता है कि पत्रकार फिर उसी जज्बे के साथ समाज में जागरूकता और न्याय का संदेश फैलाएं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण पत्रकारिता देश के लोकतंत्र की नींव को मजबूत करती है, इसलिए हर पत्रकार को अपने क्षेत्र की सच्चाई निडरता से जनता तक पहुंचानी चाहिए। अलीगढ़ जिले के संरक्षक योगेश कौशिक ने कहा कि पत्रकार समाज का दर्पण होता है। वह न केवल समस्याओं को उजागर करता है बल्कि समाधान का मार्ग भी दिखाता है। आज के समय में जब खबरों की दिशा और दृष्टि बदल रही है, ऐसे में पत्रकारों को अपनी साख और विश्वसनीयता बनाए रखनी होगी।

वही कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि के रूप में आए ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रामनरेश सिंह चौहान, मंडल अध्यक्ष अलीगढ़ राज नारायण सिंह, अलीगढ़ जिले के संरक्षक योगेश कौशिक कासगंज जिले के संरक्षक डॉक्टर नरेंद्र परमार एवं आदि लोगों का कासगंज जिले के जिला अध्यक्ष अनूप सिंह व उनकी की टीम ने चौधरी स्वर्गीय उमाशंकर जी की पुण्यतिथि पर मुख्य अतिथियों को भगवान श्री राम की प्रतिमाएं व गले में शाल उड़ाकर सम्मान किया उसके बाद मुख्य अतिथि के रूप में आए अलीगढ़ मंडल अध्यक्ष राज नारायण सिंह ने सभी पदाधिकारी परिचय किया उसके बाद गले में फूल मलाऐ व सोल उड़ाकर सम्मान किया इस अवसर पर ग्रामीण पत्रकार संगठन संगठन के जिला अध्यक्ष अनूप सिंह चौहान के नेतृत्व में पत्रकारों का सम्मान किया गया।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के आजीवन प्रदेश कोषाध्यक्ष रहे चौधरी चरण सिंह की चौथी पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा के उस दौरान माहौल भावनाओं से भर उठा। जब ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष रामनरेश सिंह चौहान ने मंच से ह्लचिट्ठी न कोई संदेश, जाने वो कौन सा देश जहां तुम चले गएङ्खह्व गीत गुनगुनाया तो पूरे पंडाल में सन्नाटा छा गया। इस पंक्ति को सुनते ही हर पत्रकार की आंखें नम हो गईं। स्व. उमाशंकर चौधरी की स्मृतियां जैसे सबके सामने जीवंत हो उठीं। वरिष्ठ पत्रकारों ने बताया कि श्री चौधरी सिर्फ संगठन के स्तंभ ही नहीं, बल्कि हर पत्रकार के मार्गदर्शक और साथी थे। वही हमारे ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष रामनरेश सिंह चौहान, एवं ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन संगठन के मंडल अध्यक्ष राज नारायण सिंह की मौजूदगी में ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन एवं पत्रकार साथियों ने ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन संगठन के आजीवन कोषाद अध्यक्ष रहे स्वर्गीय चौधरी उमाशंकर जी के बताए गए रास्ते पर चलने का संकल्प दिया

प्रदेश उपाध्यक्ष रामनरेश सिंह चौहान, नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष श्री राज नारायण सिंह,मंडल उपाध्यक्ष रंजीत राय अनिल गोविल जिला अध्यक्ष अलीगढ़, योगेश कौशिक जिला संरक्षक अलीगढ़, अनूप सिंह चौहान जिला अध्यक्ष कासगंज, संरक्षक कासगंज डॉक्टर नरेंद्र परमार,डॉक्टर जयचंद जिला उपाध्यक्ष कासगंज, विमल सिंघानिया जिला उपाध्यक्ष कासगंज, विपिन कुमार जिला महामंत्री कासगंज, इंद्रपाल सोलंकी अनुज मिश्रा जिला महामंत्री एटा, भरत वर्मा पत्रकार एटा, नारायण प्रताप सिंह गौर जिला कोषाध्यक्ष कासगंज, केशव उपाध्याय मीडिया प्रभारी कासगंज, राहुल तिवारी तहसील अध्यक्ष पटियाली, सौरभ शाक्य तहसील उपाध्यक्ष पटियाली, जयप्रकाश तहसील महामंत्री पटियाली, मोहित वर्मा तहसील उपाध्यक्ष पटियाली, अनवर खान तहसील उपाध्यक्ष सहावर, रामेश्वरम गौतम जिला सचिव, मोरध्वज कुमार ,प्रवेन्द्र कुशवाह, राजेंद्र कुमार, एवं आदि पत्रकार साथी मौजूद रहे

नवीपुर में पायदान फैक्ट्री में भीषण आग, लाखों का माल जलकर राख

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। कोतवाली सदर क्षेत्र के नवीपुर खुर्द स्थित एक पायदान बनाने वाली फैक्ट्री में शनिवार को अचानक भीषण आग लग गई। आग लगने से फैक्ट्री में रखा लाखों रुपए का माल जलकर खाक हो गया। हालांकि, राहत की बात यह रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोपहर के समय फैक्ट्री में अचानक धुआं उठने लगा, देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। आग लगते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।फायर ब्रिगेड अधिकारियों के अनुसार, फैक्ट्री में पायदान तैयार किए जाते थे और आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। आग पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया गया है, वहीं फैक्ट्री मालिक से नुकसान और घटना के कारणों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

दून पब्लिक स्कूल में मॉडल यूनाइटेड नेशंस कार्यक्रम संपन्न

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। दून पब्लिक विद्यालय में प्रधानाचार्य जे.के. अग्रवाल के निर्देशन में दो दिवसीय दून एथेनियम मॉडल यूनाइटेड नेशंस कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पुलिस उप अधीक्षक अशोक कुमार सिंह, प्रधानाचार्य जे.के. अग्रवाल और विद्यालय कोऑर्डिनेटर नम्रता अग्रवाल द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों के प्रतिनिधि बनकर वैश्विक मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। प्रधानाचार्य ने कहा कि एमयूएन केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि एक ऐसा मंच है जो विद्यार्थियों में नेतृत्व, संवाद और सहयोग की भावना को सशक्त करता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षिका सीमा शर्मा, नेहा जायसवाल, हर्षिता रावत, राजिका अजीम और शिक्षक सागर जोशी का योगदान रहा।

विद्यापीठ में हुआ संचारी तथा मानसिक रोग नियंत्रण कार्यक्रम

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। विद्यापीठ इंटर कालेज में प्रधानाचार्य डॉ राजीव कुमार अग्रवाल के निर्देशन संचारी रोग तथा मानसिक रोग नियंत्रण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम प्रभारी महेंद्र प्रकाश सैनी ने संचारी रोगो के बारे में बताया कि ऐसे रोग जो एक रोगग्रस्त व्यक्ति से दूसरे स्वस्थ व्यक्ति में दूषित भोजन, जल या संपर्क या कीटनाशकों, जानवरों आदि के कारण फैलते हैं संचारी रोग कहलाते हैं। ये विभिन्न कारकों (रोगजनकों) द्वारा फैलते हैं। संचारी रोगों के उदाहरणों में फ्लू, एचआईवी, तपेदिक और मलेरिया शामिल हैं। तथा संचारी रोगों से बचाव के लिए हमें निम्न उपाय करने चाहिए। बार-बार हाथ धोना, घर व अपने आसपास साफ सफाई रखें,जल भराव न होने दें खराब खाना खाने से बचना चाहिए। वहीं घर में सतहों की सफाई (विशेष रूप से दरवाजे के हैंडल और भोजन क्षेत्र) फोन जैसे व्यक्तिगत गैजेट को कीटाणुरहित करना उचित स्वच्छता के साथ भोजन तैयार करना जंगली जानवरों से दूर रहना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि समय पर वैक्सीन लेना। इस अवसर पर अरुण कुमार कौशिक, संजय कुमार, राजीव कुमार, भारत सिंह, प्रियंका, विनय कुमार, नीरज गुप्ता, अशोक कुमार, महेंद्र प्रकाश सैनी, मुकेश दिवाकर, शिवम कुशवाहा, सतीश कुमार, यश कुशवाहा, जितेंद्र कुशवाहा, तथा छात्रा-छात्राएं मौजूद रहे।

थाना समाधान दिवस में एसडीएम ने सुनी शिकायतें

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। कोतवाली सासनी परिसर में एसडीएम की अध्यक्षता में थाना समाधान दिवस का अयोजन किया गया। जिसमें एसडीएम ने फरियादियों की समस्याओं को सुना और समस्याओं से समंबधित अफसरों को समस्याओं के निस्तारण हेतु दिशा निर्देश दिए। शनिवार को लगाए गये थाना समाधान दिवस में एसडीएम ने पीडितों की समस्याओं को सुनने के बाद संबंधित अफसरों को दिशा निर्देश देते हुए कहा कि समस्याओं को समयवद्धता के साथ निस्तारण करें, तथा फोन कर वादी से संतुष्टि अवश्य पूछ लें। यदि वादी किसी प्रकार निस्तारण से संतुष्ट नहीं है तो दोनों पक्षो को बैठाकर समस्या का समाधान करें। फिर भी यदि वादी संतुष्ट नहीं है तो उच्चाधिकारियों को तत्काल सूचना दे। जिससे समस्या का निस्तारण किया जा सके। थाना समाधान दिवस में करीब आधा दर्जन शिकायतें दर्ज की गई। इनके निस्तारण के लिए संबधित अफसरों को निर्देशित किया गया। थाना दिवस के दौरान प्रभारी निरीक्षक अवधेश कुमार सिंह, लेखपाल, एवं पुलिस स्टाफ अफसरान मौजूद थे।

एडवाइजरी जारी: दो साल से कम उम्र के बच्चों को न दें खांसी और सर्दी की दवा

नई दिल्ली

कफ सिरप से मध्य प्रदेश और राजस्थान में बच्चों की मौत के मामले सामने आने के बाद अधिकारिक तौर पर दिल्ली सरकार के परिवार कल्याण निदेशालय ने कफ सिरप के इस्तेमाल और दवाओं की खुराक के संबंध में एडवाइजरी जारी की है। इसमें सभी अस्पतालों को दो वर्ष से कम उम्र के बच्चों को खांसी और सर्दी की दवाएं न देने के निर्देश दिए हैं। साथ ही पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों को भी सामान्य तौर दवा की सिफारिश न की जाएं। एडवाइजरी के अनुसार बाल चिकित्सा देखभाल में खांसी और सर्दी की दवाएं दो वर्ष से कम उम्र के बच्चों को निर्धारित या वितरित नहीं की जानी चाहिए। आमतौर पर पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए अनुशंसित नहीं की जाती हैं। बच्चे को खांसी या सांस लेने में कठिनाई के तहत प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के प्रोटोकॉल का पालन किया जाए। अस्पताल केंद्र सरकार के तीन अक्तूबर के जारी दिशा-निदेशों का अनुपालन करें। साथ ही स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं का ऑडिट किया जाएं। इसमें पांच आर पर ध्यान केंद्रित करें। इसमें सही व्यक्ति, सही दवा, सही खुराक, सही मार्ग, सही समय का पालन सुनिश्चित करें। सभी स्वास्थ्य देखभाल कर्मी किसी भी मामले और असामान्य मृत्यु के बारे में समय पर रिपोर्ट करें। वहीं दिल्ली सरकार के औषधि नियंत्रण विभाग ने सभी हितधारकों को कोल्ड्रिफ सिरप की तत्काल प्रभाव से खरीद, बिक्री और वितरण में शामिल न होने के संबंध में कार्यालय आदेश जारी किया है। साथ ही आम लोगों को कफ सिरप के सेवन से परहेज के लिए जागरूक करने के निर्देश दिए है।

'संत प्रेमानंद से मिलवा दूंगा...', युवती के साथ वृंदावन में हुआ घिनौना काम

मथुरा

संत प्रेमानंद महाराज से एकांतिक वातार्लाप में मिलवाने के नाम पर आगरा की युवती को वृंदावन बुलाकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने पहले उसे कोर्ट में पेश किया और फिर कोर्ट के आदेश के बाद जेल भेज दिया है। वहीं युवती इस घटना के बाद से सदमे में है। आगरा निवासी युवती ने कोतवाली में दर्ज कराई एफआईआर में बताया कि वह संत प्रेमानंद महाराज की अनुयायी है। आरोपी सुंदरम राजपूत ने 10 अगस्त को इंस्टाग्राम पर मैसेज भेजा कि वह उन्हें संत प्रेमानंद महाराज की एकांतिक वार्ता का टोकन दिला देगा। उसके बाद आरोपी युवक ने फिर 12 सितंबर को युवती के व्हाट्सएप पर मैसेज किया कि उनका संत से वार्ता का टोकन आ गया है, जिसका समय सुबह साढ़े चार बजे निर्धारित है। युवती अपने भाई के साथ आगरा से प्रेम मंदिर के समीप आधी रात को पहुंच गई। आरोपी सुंदरम ने युवती को बताया कि उनकी गाड़ी इससे आगे नहीं जा सकती वह उन्हें बुलेट से पहुंचा देगा क्योंकि वहां संत दर्शन के लिए बहुत लंबी लाइन लगती है। आरोपी युवती को अपने ऑफिस ले जाने की बताकर रात के दो बजे होटल राधाकृष्ण धाम ले गया। वहां कॉफी पीने को दी। कॉफी पीते ही वह बेहोश हो गई। संभवत: उसमें नशीला पदार्थ मिलाया था। आरोप है कि तभी युवक ने पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान उसने कुछ फोटो खींच लिए। उन्हें वायरल करने की धमकी देकर उसने कई बार शारीरिक शोषण किया। युवती की शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर आरोपी को धर दबोचा।

श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया करवा चौथ, नेताओं व नागरिकों ने साझा किए पूजन के पल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। चूड़ियों की खनक और सिंदूर की महक के बीच सुहागिनों का महापर्व करवा चौथ पूरे श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। सुहागिनों ने सोलह श्रृंगार कर निर्जला व्रत रखकर अपने पति की लंबी उम्र की मंगलकामना की।

त्योहार की रौनक इस बार नेताओं, व्यापारियों और प्रबुद्ध नागरिकों में भी देखने को मिली। सासंद अनूप प्रधान ने अपनी पत्नी के साथ सनातन परंपरा के अनुसार विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर व्रत पूर्ण किया और देश-प्रदेश की मातृशक्ति को शुभकामनाएं दीं। वहीं विधायक अंजुला माहौर, पूर्व जिला अध्यक्ष गौरव आर्य और जिलाध्यक्ष शरद माहेश्वरी ने भी अपनी पत्नियों के साथ पूजन कर तस्वीरें साझा कीं।

इन सभी दंपत्तियों ने करवा चौथ के अवसर पर समाज की सभी सुहागिनों के अखंड सौभाग्य और सुखमय जीवन की मंगलकामनाएं कीं।

अज्ञात शव का धार्मिक रीति से किया दाह संस्कार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक ूमन राइट्स संस्था द्वारा अज्ञात शवों का धार्मिक रीति-रिवाज से दाह संस्कार कराया जा रहा है। संस्था मानव अधिकारों के संरक्षण और संवर्धन के साथ ही मानवीय सेवा कार्यों में सक्रिय है।7-8 अक्टूबर की रात थाना सासनी क्षेत्र अंतर्गत खंडेलवाल चौकी के ग्राम हडौली के निकट रेलवे लाइन पर एक युवक का शव रेल से कटा हुआ मिला। युवक की उम्र लगभग 30 वर्ष थी, उसने काली लाइनदार शर्ट और नीली जींस पहन रखी थी तथा दाहिने हाथ में कलावा बंधा हुआ था।शव की पहचान के लिए पुलिस ने 72 घंटे तक इंतजार किया, पर शिनाख्त न होने पर शव को लावारिस घोषित कर पोस्टमार्टम कराया गया। इसके बाद पुलिस ने समाजसेवी सुनीत आर्य और प्रवीन वार्ष्णेय से संपर्क कर शव का अंतिम संस्कार कराने का अनुरोध किया।एडीएचआर की देखरेख में समाजसेवी सुनीत आर्य के नेतृत्व में शव का हिंदू रीति-रिवाज से दाह संस्कार किया गया। इस कार्य में संस्था के उपाध्यक्ष हर्ष मित्तल का सहयोग रहा।अंतिम संस्कार में प्रवीन वार्ष्णेय, सुनील अग्रवाल, दीपक आयोग, बंटी भाई, तरुण राघव, नीरज गोयल, दीपांशु वार्ष्णेय, टेकपाल कुशवाहा, कांस्टेबल लव गोस्वामी और होमगार्ड जयवीर सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

पुलिस ने किया मरे हुए को जिंदा: मुकदमों से बचने के लिए शातिर ने खुद को किया मृत घोषित, एक चूक से पहुंच गया जेल

नई दिल्ली

मूलरूप से गोरखपुर, उत्तर प्रदेश निवासी वीरेंद्र विमल ने आपराधिक मुकदमों से बचने के लिए खुद को मृत घोषित कर दिया। उसने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) से अपनी मृत्यु प्रमाण पत्र बनवा लिया था और अदालत में जमा करा दिया था। इसके बाद कोर्ट ने इसके केसों को बंद कर दिया था। मगर दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने आरोपी बदमाश की छूट से पर्दा उठा कर जिंदा कर लिया। आरोपी के गैर जमानती वारंट जारी हो रखे थे। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और कोर्ट को आरोपी के फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र के बारे में बता दिया था।

अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त आदित्य गौतम ने बताया कि आरोपी गांव राजौरा खुर्द, थाना पानीयारा जिला महाराजगंज यूपी निवासी वीरेंद्र के अदालत में पेश न होने और जाली एमसीडी मृत्यु प्रमाण पत्र के माध्यम से उसे मृत घोषित किए जाने के बाद शाखा की आईएससी यूनिट में तैनात इंस्पेक्टर सतेंद्र पूनिया और इंस्पेक्टर सोहन लाल की टीम ने इस मामले में फिर से जांच करने के आदेश दिए गए थे। डिजिटल रिकॉर्ड की गहन जांच और स्थानीय सत्यापन के माध्यम से टीम ने ये पता लगा लिया कि आरोपी की मृत्यु नहीं हुई है। ये भी पता लगा कि न्यायिक प्रक्रिया को धोखा देने के लिए धोखाधड़ी से प्रमाण पत्र प्राप्त किया गया था। इंस्पेक्टर सतेंद्र पूनिया और सोहन लाल की टीम ने आरोपी को गोरखपुर (उत्तर प्रदेश) से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि दिल्ली के मुंगेशपुर में रह रहा वीरेंद्र विमल बाहरी उत्तरी जिले के बवाना थाना अंतर्गत घर में सेंधमारी, चोरी और अवैध हथियार रखने के कई मामलों में शामिल रहा है। उसने 24 अगस्त, 2021 को अपनी मौत का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवा लिया था।

अपराध कुंडली एप्लिकेशन के माध्यम से डिजिटल सत्यापन द्वारा आरोपी की पहचान निर्णायक रूप से स्थापित की गई। फेशियल रिकॉग्निशन सिस्टम (एफआरआरएस) ने उसकी वर्तमान तस्वीर का मिलान उसके पिछले पुलिस दस्तावेज से किया, जिससे यह संदेह दूर हो गया कि गिरफ्तार व्यक्ति वही व्यक्ति है जिसने अदालत में फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र जमा किया था। इसके खिलाफ चार आपराधिक मामले दर्ज हैं। आरोपी मुख्य रूप से रात में औद्योगिक इकाइयों और आवासीय संपत्तियों को निशाना बनाता था। ये नकदी, इलेक्ट्रॉनिक्स और वाहन चुराता था। वह चोरी के वाहनों का इस्तेमाल आगे की चोरियों को अंजाम देने और पुलिस की गिरफ्त से बचने के लिए करता था। अभियोजन से हमेशा के लिए बचने के लिए, उसने धोखे से खुद को मृत घोषित कर दिया, जिससे पुलिस और अदालत दोनों को गुमराह किया गया।

नकली खाद बेचने का आरोप, किसानों का हंगामा

एसडीएम और कृषि अधिकारी मौके पर पहुँचे

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। जिले में एक तरफ किसान खाद की समस्या से जूझ रहे हैं, वहीं कुछ खाद विक्रेता किसानों को नकली खाद बेच रहे हैं। शुक्रवार को आवास विकास कॉलोनी स्थित मयंक इंटरप्राइजेज की खाद की दुकान पर किसानों ने हंगामा कर दिया।गांव परसारा निवासी किसान सतेंद्र ने अपनी फसल के लिए दुकान से खाद खरीदी थी। खेत में उपयोग करने पर उसे शक हुआ कि खाद नकली है। जब वह शिकायत लेकर दुकान पर पहुँचा तो दुकानदार ने खाद वापस लेने से इनकार कर दिया। इससे नाराज किसान दुकान के बाहर ही धरने पर बैठ गया।किसान के समर्थन में भारतीय किसान यूनियन (भानु) के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी मौके पर पहुँच गए और दुकानदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने लगे। सूचना मिलने पर एसडीएम सदर राजबहादुर सिंह और कृषि अधिकारी मौके पर पहुँचे। अधिकारियों ने किसानों और दुकानदार से बातचीत कर मामले की जानकारी ली।किसानों का आरोप है कि सरकारी खाद की पहले ही भारी किल्लत है। क्ढछ कंपनी का 1300 वाला खाद 1900 में मिल रहा है और अब दुकानदारों द्वारा नकली खाद बेचा जा रहा है, जिससे फसलें बर्बाद हो रही हैं। किसानों ने मांग की है कि संबंधित दुकान और गोदाम को सील कर दोषी दुकानदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

ताऊ ने बेटों संग लाठियों से पीटा था भतीजा...मौत पर फूटा ग्रामीणों का गुस्सा, सड़क पर शव रखकर लगाया जाम

मथुरा

मथुरा में राधाकुंड के नगला सांखी में जमीन के विवाद में ताऊ और उसके बेटों ने छोटे भाई के बेटे अवनीश (22) को लाठियों से बुरी तरह पीटा था। एक पखवाड़े तक चले इलाज के बाद शनिवार को उसकी मौत हो गई। जानलेवा हमले के आरोपियों का पुलिस ने महज शांतिभंग में चालान किया। उसकी मौत के बाद पुलिस की लापरवाही पर ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। गुस्साए ग्रामीणों ने राधाकुंड-छटीकरा रोड पर शव रखकर जाम लगा दिया। परिजनों का आरोप है कि पुलिस की हद दर्जे की लापरवाही से घर का चिराग बुझ गया और आरोपी खुलेआम घूमते रहे। लोगों का गुस्सा देखकर पुलिस के होश उड़ गए। छह लोगों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज होने के बाद ग्रामीण जाम खोलने को तैयार हुए।

नगला सांखी के रहने वाले सुरेशचंद्र किसान हैं। उनके तीन बेटों में बड़े बेटे विपिन का पुलिस आरक्षी में चयन हुआ है। वह ट्रेनिंग कर रहा है। दूसरा बेटा अवनीश था। परिजनों ने बताया कि उनका जमीन को लेकर ताऊ रमेश से विवाद चल रहा है। रमेश प्रापर्टी डीलर है। इसी विवाद में 26 सितंबर को रमेश ने अपने बेटों लवकेश, सर्वेश, परवेश और अन्य के साथ मिलकर अवनीश को घेर कर लाठी डंडों से बुरी तरह पीटा था। वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। घायल अवनीश को पुलिस ने निजी अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां उसका उपचार चल रहा था।

दिवाली से पहले प्रशासन सख्त, बिना लाइसेंस के आतिशबाजी गोदाम सील

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। दिवाली का त्योहार नजदीक आते ही पटाखों का बाजार सजने लगा है, वहीं प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए आतिशबाजी गोदामों और दुकानों की जांच तेज कर दी है। शुक्रवार की शाम एसडीएम सदर राजबहादुर सिंह ने बुर्जवाला कुआं स्थित एक गोदाम पर छापा मारकर उसे सील कर दिया।

जानकारी के अनुसार, प्रियांशु खंडेलवाल नामक दुकानदार एक ही लाइसेंस पर दो गोदामों का संचालन कर रहा था। एसडीएम को बिना लाइसेंस के कारोबार की शिकायत मिली थी। छापेमारी के दौरान दुकानदार दूसरा लाइसेंस प्रस्तुत नहीं कर सका, जिस पर उसे शनिवार तक का समय दिया गया है। निर्धारित समय में लाइसेंस न दिखाने पर उसके

खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम ने अन्य आतिशबाजी दुकानों की भी जांच कर आवश्यक निर्देश दिए।

बसुन्धरा में मतदाता अभियान को लेकर बैठक सम्पन्न

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। वसुंधरा स्थित नगर पालिका अध्यक्ष कैंप कार्यालय पर आज आगरा खंड स्नातक निर्वाचक क्षेत्र हेतु चल रहे मतदाता अभियान के अंतर्गत नगर पालिका परिषद हाथरस की अध्यक्ष श्रीमती श्वेता चौधरी की अध्यक्षता में एक बैठक आहूत की गई।बैठक में मुख्य रूप से ठाकुर सतेन्द्र सिंह (जिला संयोजक, स्नातक एम.एल.सी. चुनाव) एवं पूर्व सांसद श्री राजेश कुमार दिवाकर की गरिमामयी उपस्थिति रही।

बैठक के दौरान मतदाता अभियान की प्रगति पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई तथा आगामी रणनीति को लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर सभासदगण अशोक गोला, दिनेश सिंह नन्ने, सुन्दरम शर्मा, रामजी लाल वर्मा, निर्पेन्द्र वीर सिंह, सूरज माहौर, किशन गोपाल कुशवाह, क्षमा शर्मा, अनुपमा शर्मा, रचना गोयल, धीरज जैन सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

अवैध पटाखा कारोबारियों पर सख्ती, दो बड़ी छापेमारी

दीपावली से पहले छापेमारियों में 800 किग्रा अवैध आतिशबाजी बरामद की, हिरासत दो आरोपी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। दीपावली से पहले सुरक्षा-व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश पर आगरा पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर बड़े पैमाने पर अवैध आतिशबाजी जब्त की है। न्यू आगरा थाना क्षेत्र के अमर विहार चौकी के नजदीक हुई छापेमारी में पुलिस ने कुल 800 किलो अवैध आतिशबाजी बरामद की और आकाश व अंकुर नामक दो आरोपियों को हिरासत में लिया गया। यह कार्रवाई एसीपी अक्षय संजय महादिक के नेतृत्व में की गई जिसमें पता चला कि बिना लाइसेंस व निर्धारित सुरक्षित भंडार के भारी मात्रा में पटाखे रखे जा रहे थे। आरोपियों के कब्जे से मिले पटाखों की प्रसंस्करण और बिक्री के संबंध में आगे की गहन जांच जारी है। इसी क्रम में सिकंदरा थाना क्षेत्र के शास्त्रीपुरम इलाके में भी एक रिहायशी इलाके में पटाखों के अवैध गोदाम पर दबिश दी गई, जहाँ क्षमता से बहुत अधिक पटाखे रखे जाने का खुलासा हुआ। स्थानीय लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने गोदाम को खाली कराया और सामग्री को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। दोनों स्थानों पर मिली जानकारी के आधार पर पुलिस अब संबंधित आपूर्ति श्रृंखला और संभावित आपराधिक लिंक की तह तक जाने का प्रयास कर रही है।

पुलिस ने बताया कि त्योहारों के दौरान अवैध आतिशबाजी की तस्करी और असुरक्षित भंडारण से जानमाल का जोखिम बढ़ जाता है, इसलिए निर्धारित मानकों और लाइसेंस के बिना किसी को भी पटाखों का भंडारण या विक्रय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है और आगे के साक्ष्य संकलन के बाद अग्रिम कानूनी प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। इन दो सफल छापेमारियों के बाद शहर में अवैध पटाखा कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है और पुलिस ने सभी थाना क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ा दी है ताकि त्योहारों के दौरान नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

दीपावली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज पर खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई

चम्बल टाइम्स

आगरा। दीपावली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज के पर्वों के दृष्टिगत आगरा में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई जारी है। इसी कड़ी में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने दिनांक 10.10.2025 को आगरा फोर्ट रेलवे स्टेशन के बाहर सड़क किनारे रखा 1540 किलो खोवा बरामद किया। यह खोवा 29 बोरी के पैकेटों में था, जिसका अनुमानित मूल्य लगभग 3,08,000/- रुपये था। बरामद खोवा पैकेट पार्सल प्रतीत हो रहे थे। अधिकारियों ने आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ की, लेकिन किसी से भी खोवा के पैकेटों के बारे में जानकारी नहीं मिल सकी। अधिकारियों द्वारा मुनादी कराने के बावजूद भी कोई दावेदार सामने नहीं आया। प्राथमिक जांच में यह पाया गया कि खोवा अस्वच्छ और अस्वस्थकर परिस्थितियों में रखा गया था, जिससे तेज बदबू आ रही थी। स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के दृष्टिगत, सभी 29 बोरी खोवा नष्ट कर दिए गए। इस कार्रवाई का नेतृत्व सहायक आयुक्त खाद्य, महेंद्र ने किया। उनके मार्गदर्शन में नगर मजिस्ट्रेट महोदय और मुख्य सुरक्षा अधिकारी भी मौके पर उपस्थित रहे। अधिकारियों ने कहा कि इस तरह की कार्रवाई त्योहारों के दौरान उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से की जाएगी। खाद्य सुरक्षा विभाग ने आम जनता से अपील की है कि वे अस्वच्छ और संदिग्ध खाद्य पदार्थों के बारे में तुरंत सूचना दें, ताकि त्योहारों के समय स्वास्थ्य संबंधी किसी भी समस्या से बचा जा सके।

सांसद रामजीलाल सुमन ने फतेहाबाद क्षेत्र में व्यक्त की शोक संवेदनाएं

मोर्निंग सिटी संवाददाता

फतेहाबाद । समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन ने फतेहाबाद क्षेत्र में शुक्रवार को विभिन्न स्थानों पर जाकर लोगों को शोक संवेदनाएं व्यक्त की तथा उनके परिवारों को ढाढस बंधाया। शुक्रवार को समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन फतेहाबाद के ग्राम सिकरारा पहुंचे जहां नैनसुख झां के निधन पर शोक व्यक्त किया। वहीं सांसद झूम करन का पूरा पहुंचे जहां छज्जन सिंह के निधन पर शोक जताया। इस दौरान पूर्व अध्यक्ष फतेहाबाद शैलेश यादव ठाकुर महेश सिंह सिसोदिया पहलाद सिंह गुर्जर डॉ राम सेवक अगवरिया सुनील कुमार नीलम राजेश कुमार शर्मा प्रहलाद सिंह गुर्जर योगेंद्र गुर्जर सौरभ शर्मा नीरज चक असलम खान बनवारी लाल कुशवाह अरशद खान आदि लोग उपस्थित रहे

स्वास्थ परिक्षण शिविर में 130 मरीजों का परीक्षण

मोर्निंग सिटी संवाददाता

फतेहाबाद। फतेहाबाद के इंधोन गांव में स्वास्थ्य विभाग ने एक स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में कुल 130 मरीजों का परीक्षण किया गया और उन्हें दवाएं वितरित की गईं। शिविर के दौरान मरीजों के ब्लड प्रेशर (बीपी) और शुगर की जांच भी की गई। इसके अतिरिक्त, एक्स-रे और कफ की जांच जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध थीं। यह शिविर यमुना नदी में पानी का स्तर घटने के बाद स्वास्थ्य विभाग द्वारा आसपास के गांवों में लगाए जा रहे स्वास्थ्य शिविरों की श्रृंखला का हिस्सा था। इस शिविर का नेतृत्व चिकित्सा अधिकारी डॉ. मित्र भूषण ने किया। अधीक्षक डॉ. उदय प्रताप सिंह रावल के निर्देश पर आयोजित इस शिविर में एलटी देव गुप्ता, फार्मासिस्ट सागर सिंह सहित कई अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

दीपावली के लिए आगरा में अस्थायी आतिशबाजी दुकानों के लाइसेंस जारी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। इस वर्ष दीपावली 20 अक्टूबर को परम्परागत रूप से मनाई जाएगी। इसी अवसर पर अस्थायी हरित आतिशबाजी की दुकानों के लिए लाइसेंस 18 से 22 अक्टूबर तक जारी किए जाएंगे। लोहामंडी के जीआईसी का खाली मैदान, सिकंदरा के सेक्टर 11 और 15 का पार्क, रकाबगंज के बैप्टिस्ट हायर सेकंडरी स्कूल का खाली मैदान, सदर बाजार के कंपनी गार्डन और शक्ति नगर का खुला मैदान, एत्मादौला के मेहताबाग पार्किंग के सामने का मैदान और ताजगंज के यमुना किनारा कॉरिडोर पार्क में दुकानों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदक को 10,000 रुपये की धरोहर राशि, दो फोटो और आधार कार्ड की छाया के साथ पुलिस उपायुक्त नगर कार्यालय में आवेदन जमा करना होगा। प्रत्येक आवेदक केवल एक स्थल के लिए आवेदन कर सकता है। आवंटन लॉटरी के माध्यम से 15 अक्टूबर को किया जाएगा। लाइसेंस प्राप्त दुकानों में सुरक्षा उपाय जैसे पानी और रेत की बोरियां रखना अनिवार्य होगा। पटाखों की बिक्री केवल अनुमन्य ब्रांड की होगी और 22 अक्टूबर के बाद लाइसेंस स्वतः समाप्त हो जाएगा।

झारपुरा में रंजिश के चलते दो पक्षों में पथराव, दस घायल ,सात गिरफ्तार, शनिवार को भी पुलिस की दबिशें जारी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

फतेहाबाद: आगरा 11 अक्टूबर बमरौली कटारा के गांव झारपुरा में शुक्रवार देर रात मुकदमे की पुरानी रंजिश ने हिंसक रूप ले लिया। दोनों पक्षों के बीच जमकर पथराव हुआ, जिसमें दस लोग घायल हो गए। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सात लोगों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि शनिवार को भी पुलिस ने गिरफ्तारी के लिए कई ठिकानों पर दबिशें दीं। जानकारी के अनुसार, झारपुरा निवासी रवि पुत्र राधेश्याम और उसके घर के सामने रहने वाले अंबर पुत्र बबलू के बीच पुरानी रंजिश चली आ रही थी। शुक्रवार रात लगभग 10 बजे दोनों पक्षों में कहासुनी बढ़ी और देखते ही देखते पथराव शुरू हो गया। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष हरीश शर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति पर काबू पाया। झगड़े में धर्मेंद्र, नेकराम, द्रोपदी, गोपाल सिंह घायल हुए, जबकि दूसरे पक्ष से लाडली, अंबर, नरेन्द्र, बनवारी, पीतम और बबलू को चोटें आईं। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने दोनों पक्षों से रवि, मायाराम, नेकराम, कन्हैया, नरेंद्र, पीतम और बनवारी को गिरफ्तार किया है। गांव में स्थिति तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में बताई जा रही है।

जल शक्ति मंत्री से उटंगन नदी पर स्थलीय निरीक्षण का आग्रह

मोर्निंग सिटी संवाददाता

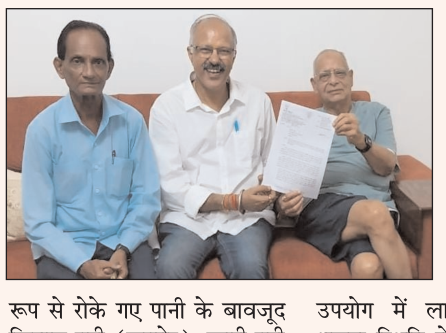

आगरा। आगरा जनपद में पानी की गंभीर समस्या के बीच भाजपा नेता एवं पूर्व विधायक केशो मेहरा ने जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह से अनुरोध किया है कि वे यथाशीघ्र आगरा आकर उटंगन नदी केन्द्रित स्थलीय निरीक्षण करें।

मेहरा ने कहा कि जनपद में भूमिगत पानी खारा होने और जलस्तर में लगातार गिरावट के कारण स्थिति चिंताजनक हो गई है। केशो मेहरा का कहना है कि आगरा के फतेहपुर सीकरी, जगनेर, खेरागढ़, शमशाबाद, पिनाहट, फतेहाबाद और बरौली अहीर विकास खंडों में कई हैंडपंप निष्प्रयोज्य स्थिति में हैं। वर्तमान बद इंतजामी में सुधार करने मात्र से इन हैंडपंपों को पुनः सुचारू किया जा सकता है। इससे प्रधानमंत्री की घर-घर नल का पानी योजना का प्रभावी कार्यान्वयन भी सुनिश्चित किया जा सकता है। मेहरा ने बताया कि उटंगन नदी स्थानीय जल ग्राही क्षेत्र का बड़ा स्त्रोत है। इसमें राजस्थान की ओर से अवैध रूप से रोके गए पानी के बावजूद किबाड नदी (जगनेर), खारी नदी (फतेहपुर सीकरी), डव्लू डी ड्रेन (किरावली), पार्वती नदी (राजाखेड़ा-राजस्थान) जैसी मानसूनकालीन नदियों की जलधाराएँ पर्याप्त योगदान देती हैं। उन्होंने कहा कि मानसून के थमने के बाद जगनेर की कई बंधियों का पानी (लगभग 15 अक्टूबर के आसपास) उटंगन नदी में डिसचार्ज होता है। यमुना नदी के जवाहर पुल गेज स्केल पर खतरे के निशान पार करने पर यह पानी रेहावली गांव में उटंगन नदी में बैक मारने लगता है। जुलाई के दूसरे सप्ताह से अक्टूबर के पहले सप्ताह तक यह स्थिति बनी रहती है। केशो मेहरा ने कहा कि मानसून के बाद यह विपुल जलराशि यमुना नदी में निस्तारित हो जाती है, जबकि इसे संरक्षित और व्यवस्थित उपयोग में लाकर जनपद की भूजल स्थिति में सुधार किया जा सकता है। साथ ही पवित्र धाम बटेश्वर को नहान पर्वों पर ताजा पानी उपलब्ध करवाया जा सकता है।

पूर्व विधायक ने कहा कि वह राजनीतिज्ञ होने के साथ इंजीनियर भी हैं, इसलिए उनका मानना है कि सिविल सोसाइटी ऑफ आगरा के माध्यम से जिला पंचायत के अंतर्गत रेहावली गांव में बांध बनवाना सबसे उपयुक्त विकल्प है। उनकी जानकारी के अनुसार जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. मंजू भदौरिया भी इस योजना को आगरा की जरूरत के अनुसार अनुकूल मानती हैं।

फतेहाबाद में ब्लड बैंक का शुभारंभ, अब नहीं होगी खून की किल्लत

तहसील फतेहाबाद और बाह क्षेत्र के मरीजों को मिलेगा लाभ

मोर्निंग सिटी संवाददाता

फतेहाबाद: आगरा 11 अक्टूबर क्षेत्र के लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में बड़ी राहत की खबर है। डा. मुकेश बघेल मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर में ब्लड बैंक का शुभारंभ किया गया। इसके शुरू होने से फतेहाबाद और बाह तहसील के मरीजों को अब खून की कमी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

ब्लड बैंक का उद्घाटन हॉस्पिटल के स्थापना दिवस पर ग्रामीण भारत चैरिटेबल ब्लड बैंक फतेहाबाद का उद्घाटन गुरुद्वारा तोता का ताल आगरा के संत बाबा प्रीतम सिंह द्वारा किया गया।

इस अवसर पर होस्पीटल के महानिदेशक डा. मुकेश बघेल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में समय पर रक्त उपलब्ध न होने से कई बार मरीजों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि इस ब्लड बैंक की स्थापना का उद्देश्य यही है कि अब क्षेत्र में किसी भी जरूरतमंद मरीज को खून की कमी के कारण इलाज में देरी न हो।

यह ब्लड बैंक पूरी तरह अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित है और 24 घंटे सेवा के लिए उपलब्ध रहेगा। हमारा लक्ष्य है कि हर जरूरतमंद को सुरक्षित रक्त समय पर मिले। यह कदम समाज सेवा की भावना से उठाया गया है

इस अवसर पर पोहप सिंह, अनिल प्रताप, त्रिलोकी नाथ बघेल प्रधान, डा. कुलदीप सिंह, डा. रश्मिपाल, और कप्तान सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान 13 अक्टूबर को आगरा में करेंगी महिला जनसुनवाई

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। राज्य महिला आयोग, उत्तर प्रदेश की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान 13 अक्टूबर को आगरा में महिला उत्पीड़न की रोकथाम और पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाने के लिए महिला जनसुनवाई का आयोजन करेंगी। यह कार्यक्रम सुबह 11 बजे नव निर्मित सर्किट हाउस सभागार में आयोजित किया जाएगा। आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता चौहान इस अवसर पर महिला उत्पीड़न से संबंधित सभी प्रकरणों की समीक्षा करेंगी। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, महिला थानाध्यक्ष और संबंधित थानों के क्षेत्राधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। पीड़ित महिलाएं अपने आवेदन और संबंधित दस्तावेजों के साथ इस जनसुनवाई में भाग लेकर

मौके पर न्याय की मांग कर सकती हैं। इस अवसर पर आयोग के निदेर्शानुसार संबंधित विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे और सभी प्राप्त आवेदनों का तत्काल निस्तारण किया जाएगा। आयोग की अध्यक्ष ने विशेष रूप से पीड़ित महिलाओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में जनसुनवाई में पहुंचे और इस सुनवाई से न्याय का लाभ उठाएं। महिला आयोग का यह कदम न केवल महिलाओं के अधिकारों की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, बल्कि इसका उद्देश्य महिला उत्पीड़न की घटनाओं की रोकथाम और समाज में जागरूकता फैलाना भी है। अधिकारियों और आयोग की टीम द्वारा प्रत्येक मामले की गंभीरता से समीक्षा की जाएगी और आवश्यक निर्देशों के माध्यम से त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जनसुनवाई से संबंधित अधिकारियों ने बताया कि यह सुनवाई पीड़ित महिलाओं के लिए न्याय प्राप्त करने का एक अहम अवसर है, जिससे उन्हें किसी भी बाधा या विलंब का सामना किए बिना अपनी शिकायतों का निस्तारण मिल सकेगा। आयोग की अध्यक्षता में होने वाली इस जनसुनवाई का मुख्य उद्देश्य यह है कि महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाए और उन्हें न्याय की सुनिश्चित व्यवस्था के तहत सुरक्षा प्रदान की जा सके।

50 हजार की इनामी पूजा शकुन पांडेय भरतपुर से गिरफ्तार, जयपुर से आ रही थी आगरा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा/अलीगढ़। चर्चित बाइक शोरूम मालिक अभिषेक गुप्ता हत्याकांड में फरार चल रही 50 हजार की इनामी आरोपी पूजा शकुन पांडेय को पुलिस ने आखिरकार गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को सूचना मिली थी कि पूजा शकुन पांडेय जयपुर से एसआर ट्रैवल्स की बस में सवार होकर आगरा आ रही है। इस पर अलीगढ़ की रोरावर पुलिस, एसओजी और सर्विलांस टीम ने भरतपुर में आगरा-जयपुर हाईवे पर संयुक्त कार्रवाई करते हुए सेवर रेलवे ब्रिज के पास बस को रोककर पूजा शकुन पांडेय को हिरासत में ले लिया। गौरतलब है कि 26 सितंबर को अलीगढ़ के कस्बा खैर में खेरेश्वर चौराहे पर बाइक शोरूम मालिक अभिषेक गुप्ता की शूटरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

इस मामले में पुलिस ने अशोक पांडेय और पूजा शकुन पांडेय को मुख्य साजिशकर्ता के रूप में नामजद किया था। आरोप है कि दोनों ने सुपारी देकर अज्ञात शूटरों से अभिषेक गुप्ता की हत्या कराई थी। पुलिस पहले ही अशोक पांडेय और दो शूटरों मोहम्मद फजल और आसिफ को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी थी, जबकि पूजा शकुन पांडेय फरार थी। फरारी के दौरान पुलिस ने उस पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। लगातार ट्रैकिंग और सर्विलांस के बाद पुलिस को शनिवार को उसके सफर की पुख्ता जानकारी मिली, जिसके बाद उसे बीच दबोचा गया।

गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसे अलीगढ़ के महिला थाना ले जाकर पूछताछ की, जहां उसने कहा कि वह अपनी गवाही कोर्ट में वकील के माध्यम से देगी। पुलिस सूत्रों के अनुसार पूजा शकुन पांडेय के खिलाफ अलीगढ़ में कुल छह मुकदमे दर्ज हैं। शनिवार देर शाम उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से न्यायालय ने उसे जेल भेजने के आदेश दिए। उसकी गिरफ्तारी को अलीगढ़ पुलिस की बड़ी सफलता माना जा रहा है, जिससे हत्याकांड की साजिश के कई अहम पहलू उजागर होने की उम्मीद जताई जा रही है।

करवाचौथ से पहले दबंगों ने पीड़ित परिवार पर किया जानलेवा हमला, वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। करवाचौथ पर्व से ठीक पहले सैया थाना क्षेत्र के आयेला ग्राम पंचायत में दबंगों ने एक परिवार पर संगठित हमला कर दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूत्रों के अनुसार, रविवार की सुबह पीड़ित परिवार अपने घर में पूजा अर्चना कर रहा था। इसी दौरान लगभग एक दर्जन से अधिक दबंग अचानक घर में घुस आए और लाठी-डंडों से हमला बोल दिया। हमले में परिवार के तीन सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। लव कुश नामक व्यक्ति को सिर पर सबसे ज्यादा चोटें आईं और वह खून से लथपथ हो गया। वहीं, परिवार की कई महिलाओं को भी लाठी-डंडों से गंभीर चोटें लगीं। स्थानीय लोगों ने बताया कि दबंगों ने घर के भीतर घुसकर हिंसक तरीके से हमला किया और पीड़ित परिवार को मानसिक व शारीरिक रूप से भी डरा-धमकाया। हमले के दौरान परिवार के सदस्य चीख-पुकार करते रहे, लेकिन दबंगों ने उन्हें कोई राहत नहीं दी।

सूचना मिलते ही सैया थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। घायल परिवार के सदस्यों को तत्काल उपचार के लिए सैया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। पुलिस के पहुंचते ही दबंग मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मामले में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। क्षेत्रीय अधिकारी ने बताया कि सभी आरोपियों की पहचान की जा रही है और जल्द गिरफ्तारी की कार्रवाई की जाएगी। पीड़ित परिवार ने प्रशासन और पुलिस से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। स्थानीय लोग भी इस हिंसक घटना के खिलाफ आक्रोश जताते हुए सुरक्षा की व्यवस्था सुदृढ़ करने की मांग कर रहे हैं। इस घटना ने सैया थाना क्षेत्र में सुरक्षा की चिंता बढ़ा दी है और यह सवाल खड़ा कर दिया है कि पर्व और त्योहारों के दौरान नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में प्रशासन कितनी प्रभावी भूमिका निभा रहा है।

ताजमहल में मिशन शक्ति अभियान: पर्यटकों और महिलाओं की सुरक्षा में पुलिस का अहम योगदान

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। ताजमहल पर आगमन करने वाले पर्यटकों और विशेषकर महिलाओं एवं बेटियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ताजमहल सुरक्षा पुलिस ने मिशन शक्ति अभियान के तहत लगातार अभियान चलाए हैं। इस अभियान का महत्व आज उस समय और बढ़ गया जब पश्चिम बंगाल के कोलकाता से आए पर्यटक रंजीत कुमार साव की 8 वर्षीय बच्ची श्रुति साव ताजमहल देखने जाते समय नीम तिराहा बैरियर के पास फिसल कर गिर गई। गिरने से उसके माथे पर गहरी चोट आई और खून बहने लगा। ताजमहल सुरक्षा पुलिस ने तत्काल पश्चिमी पार्किंग पर्यटन सुविधा केंद्र से एंबुलेंस चालक भूरे सिंह और डॉक्टर रिंकू बघेल को बुलाकर बच्ची को प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध कराई। प्राथमिक चिकित्सा मिलते ही उसका रक्तस्राव रुक गया और बच्ची को आराम मिला। इस दौरान पश्चिम बंगाल के पर्यटकों ने आगरा पुलिस की तत्परता और सहायता के लिए आभार व्यक्त किया। सहायक पुलिस आयुक्त ताज सुरक्षा सैयद अरीब अहमद के निर्देशन में अभियान चलाते हुए पुलिस ने महिला एवं पुरुष जवानों की क्विक रिस्पांस टीम के माध्यम से ताजमहल आने वाली महिलाओं, स्कूली छात्राओं और पर्यटकों को सुरक्षा और सहायता उपलब्ध कराई। अभियान के तहत महिलाओं को उनके अधिकारों, नई हेल्पलाइन नंबरों जैसे वूमेन पावर 1090, यूपी पुलिस 112, साइबर ठगी 1930 और विभिन्न लाभकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। इसके साथ ही नए कानूनों जैसे भारतीय न्याय संहिता और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के अंतर्गत महिलाओं के संरक्षण के उपायों से भी सभी आगाह किए जा रहे हैं। आज राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, केरल, आंध्र प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, दिल्ली सहित देश-विदेश से हजारों पर्यटक ताजमहल देखने पहुंचे।

नीरू बाजवा ने की नई फिल्म की घोषणा

बॉलीवुड फिल्म सन ऑफ सरदार 2 में अपनी अदाकारी से सभी को अपना दीवाना बनाने वाली एक्ट्रेस नीरू बाजवा ने अपनी नई पंजाबी फिल्म जवाक की घोषणा सोशल मीडिया हैंडल पर की है। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने फिल्म की रिलीज डेट से भी पर्दा उठाया है। नीरू बाजवा ने 5 अक्तूबर 2025 को अपनी आगामी फिल्म जवाक की घोषणा इंस्टाग्राम पोस्ट पर की है। इस पोस्ट के साथ नीरू ने कैप्शन में लिखा, और अधिक पढ़ें...अपने आंद्रे जवाक नू हमेशा जिओंदा राखो, जे वड्डे बन ना ता। सिनेमाघरों में 17 अप्रैल 2026। जवाक का निर्देशन जतिंद्र महुअर कर रहे हैं। फिल्म का निर्माण संतोष सुभाष कर रहे हैं। जबकि फिल्म की स्क्रिप्ट जगदीप वारिंग ने लिखी है। यह फिल्म 17 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

नीरू बाजवा का करियर

हाल ही में नीरू बाजवा अजय देवगन की फिल्म सन ऑफ सरदार 2 में नजर आई थीं। नीरू ने अपने करियर की शुरुआत देव आनंद की हिंदी फिल्म मैं सोलह बरस की (1998) से की थी, जिसके बाद उन्होंने कई हिंदी टेलीविजन धारावाहिकों में काम किया. उन्होंने पंजाबी सिनेमा में अपनी खास जगह बनाई और जट्ट एंड जूलियट, सरदार जी, लौंग लाची, शादा, काली जोत्ता जैसी कई हिट फिल्में दीं। अभिनय के अलावा नीरू निर्देशन और प्रोडक्शन में भी हाथ आजमा चुकी हैं। उन्हें तीन बार पीटीसी पंजाबी फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया है और उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी हॉलीवुड की फिल्म इट लिव्स इनसाइड से शुरुआत की है।

अली अब्बास जफर की फिल्म में दिखेगी अहान पांडे और शरवरी वाघ की जोड़ी

'सैयारा' फेम अहान पांडे और शरवरी वाघ की जोड़ी बड़े पर्दे पर पहली बार साथ दिखाई देगी। यह जोड़ी अली अब्बास जफर की नई फिल्म में साथ दिखाई देने वाली है, इस बात की पुष्टि हो गई है। फिलहाल फिल्म का नाम फाइनल नहीं हुआ है, लेकिन पता चला है कि फिल्म की लीड एक्ट्रेस शरवरी वाघ ने इसके अनुबंध पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र ने इस खबर की पुष्टि करते हुए आईएएनएस से कहा, सैयारा ने बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच दिया है और अहान पांडे आज हमारे देश के सबसे बड़े जेन जी अभिनेता हैं। शरवरी 100 करोड़ रुपये की ब्लॉकबस्टर फिल्म मुंज्या का भी हिस्सा थीं। आपके पास दो शानदार कलाकार हैं जिन्होंने साबित

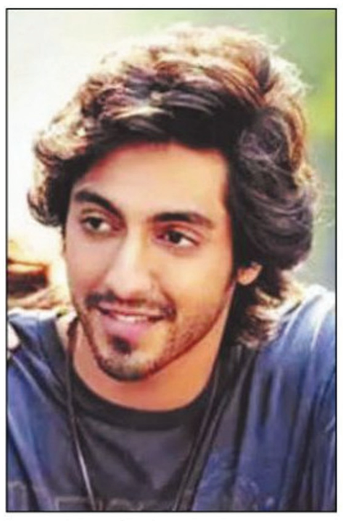

कर दिया है कि सिर्फ उम्दा अभिनय ही लोगों को सिनेमाघरों तक खींच सकता है।

उन्होंने आगे कहा, दशकों बाद आपके पास बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परिणाम देने वाले नवोदित और युवा कलाकार हैं। यह अली अब्बास जफर जैसे बड़े फिल्म निर्माताओं को एक ऐसी युवा फिल्म बनाने के लिए उत्साहित करता है, जो रोमांटिक होने के साथ ही एक एक्शन फिल्म भी है। सूत्र ने आगे कहा कि इन दोनों युवा कलाकारों को डायरेक्ट करने के लिए अली अब्बास जफर भी उत्साहित हैं। फिल्म का नाम अभी तय नहीं किया गया है। इसे आदित्य चोपड़ा प्रोड्यूस कर रहे हैं। मेरे ब्रदर की दुल्हन, गुंडे, सुल्तान और टाइगर जिंदा है के बाद अली जफर और आदित्य चोपड़ा की यह पांचवीं फिल्म है। एक अन्य शख्स ने बताया कि मेकर्स को सैयारा की सफलता के बाद अहान पांडे पर भरोसा बढ़ा है। उनका मानना है कि अहान के अंदर जेन जी को सिनेमाघरों में लाने की ताकत है, इसलिए वे भी इसे भुनाना चाहते हैं। कुछ समय पहले ऐसी खबरें आई थीं कि दोनों साथ काम कर सकते हैं, अब यह बात पुख्ता हो गई है। वैसे पर्दे पर पहली बार शरवरी वाघ और अहान पांडे की जोड़ी साथ दिखाई देगी। इस बारे में जानने के बाद से ही सोशल मीडिया पर लोग इस फिल्म के लिए अभी से ही उत्साहित हैं।

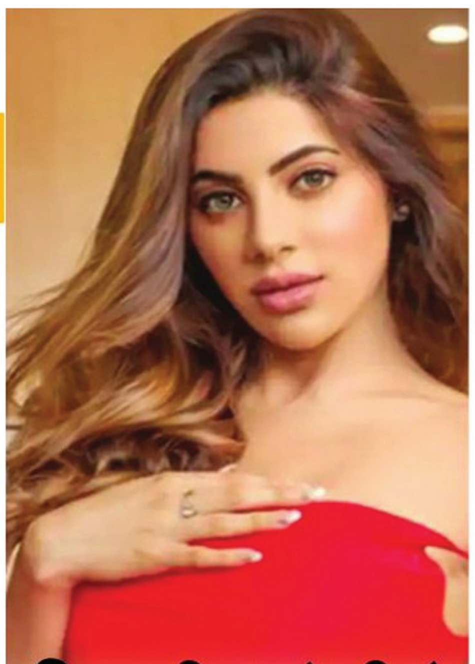

निक्की तंबोली ने धनश्री वर्मा पर कसा तंज

रियलिटी शो राइज एंड फॉल में नजर आ रहे अरबाज पटेल की गर्लफ्रेंड निक्की तंबोली ने हाल ही में शो का एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इस वीडियो के जरिए उन्होंने धनश्री वर्मा को एक्सपोज किया है। दरअसल, निक्की ने यह वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इसमें धनश्री कहती है निक्की ने जानबूझकर मेरे सामने बोला कि लोग वीडी में क्या बात करते हैं। मैं बेवकूफ नहीं हूं। बुलाओ उसे, बुलाओ सभी वीडी वालों को। मैंने एक बार भी आपके खिलाफ कुछ नहीं कहा है। निक्की ने इस क्लिप के साथ कैप्शन लिखा, वफादारी की अदाकारी मत करो हमारे सामने, हम शक्ल से नस्ल पहचानने का हुनर रखते हैं। बता दें, निक्की हाल ही में शो में आई थीं। इस दौरान उन्होंने अरबाज से कहा था गेम में बहुत बड़ा धोखा हो रहा है धनश्री से। वह इस सीजन में राइज एंड फॉल की सबसे ज्यादा नापसंद की जाने वाली प्रतियोगी हैं।

HRX फिल्म्स के बैनर तले ऋतिक करेंगे पहली सीरीज का निर्माण

ऋतिक अमेजन प्राइम वीडियो के लिए एक सीरीज बनाने वाले हैं। ऋतिक का एक बड़ा ओटीटी प्रोजेक्ट है, क्योंकि इस पर वो पिछले 3 साल से काम कर रहे हैं। अजितपाल सिंह इस सोशल थ्रिलर सीरीज के निर्देशन की कमान संभाल रहे हैं, जो इससे पहले वेब सीरीज टब्बर के जरिए एक खूबसूरत कहानी दर्शकों के बीच पेश कर चुके हैं। इस सीरीज के प्री-प्रोडक्शन का काम चल रहा है। इसकी शूटिंग इस साल के अंत तक शुरू होगी। सबा के साथ अलाया एफ भी इसमें अहम भूमिका में हैं, वहीं आशीष विद्यार्थी विलन बने हैं। ऋतिक का पूरा ध्यान फिलहाल प्रोडक्शन पर है, ताकि जो विजन इसके लिए उन्होंने सोचा था, वो हासिल किया जा सके। ये बतौर निर्माता ऋतिक की पहली सीरीज है। इसके बाद ऋतिक कृष 4 पर काम करेंगे, जिसके निर्देशन की जिम्मेदारी भी उन्हीं पर है। पिछली बार उन्हें वेब सीरीज क्राइम बीट में छोटी सी भूमिका में देखा गया था।

अक्षय ओबेरॉय ने यश के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात की

अभिनेता अक्षय ओबेरॉय हाल ही में फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में नजर आए हैं। यह फिल्म इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। अब अक्षय ने फिल्म 'टॉक्सिक' में साउथ सुपरस्टार यश के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात की।

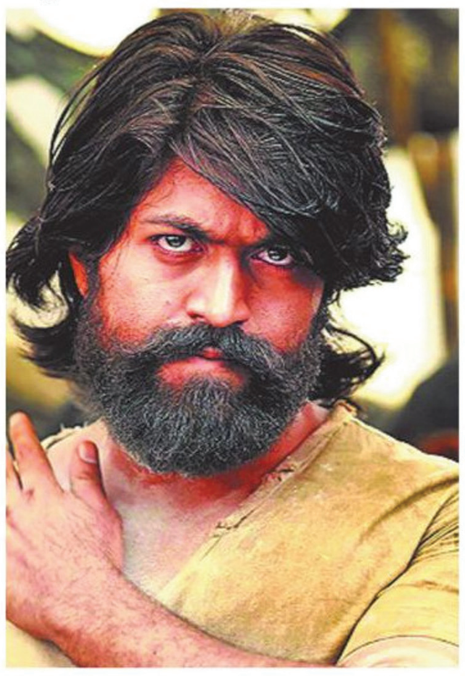

अक्षय ने बताया कि टॉक्सिक की सबसे बड़ी उपलब्धि यश के साथ काम करने का मौका था। पूरी दुनिया यश की प्रशंसक है। उनके साथ काम करके, मैंने इतना कुछ सीखा कि मुझे एहसास हुआ कि मुझमें क्या कमी थी। मैं यहां यह कह रहा हूं कि काश इंडस्ट्री मुझे ज्यादा नोटिस करती और आप ये सवाल पूछ रहे हैं मैं इससे सहमत हूं। लेकिन वह वन-मैन इंडस्ट्री की तरह हैं। उन्हें किसी की जरूरत नहीं है। उन्हें अपनी प्रतिभा साबित करने या ऑफर देने के लिए किसी की जरूरत नहीं है। उन्हें अवसरों की जरूरत नहीं है, वह खुद उन्हें बनाते हैं। यह बहुत प्रेरणादायक है। वह एक-व्यक्ति, चलता-फिरता, बोलता इंडस्ट्री है। मैं बस यही सोचता था कि अगर मैं उनके इस कैरेक्टर और ऊर्जा को पकड़ सकता हूं, तो मुझे भी कोई नहीं रोक सकता।

'टॉक्सिक' का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं फैंस

गीतू मोहनदास द्वारा निर्देशित 'टॉक्सिक' अपनी घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। इसे यश की आगामी मच अवेटेड फिल्मों में गिना जा रहा है। फिल्म की कहानी को लेकर अभी तक ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

फिल्म को पहले इसी साल रिलीज होना था, लेकिन अब इसे अगले साल 2026 में रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म में यश के साथ कियारा आडवाणी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। 'टॉक्सिक' के अलावा यश नितेश तिवारी की 'रामायण' को लेकर भी चर्चाओं में हैं।

साउथ में और भी काम करना चाहते हैं अक्षय

टॉक्सिक को लेकर अक्षय ने कहा कि फैंस ढेर सारे सरप्राइज की उम्मीद कर सकते हैं। मुझे लगता है कि इस फिल्म के बारे में जितना कम कहूं, उतना ही अच्छा है। फिल्म में ढेर सारे सरप्राइज हैं। मुझे अपने किरदार में बहुत मजा आया और मुझे एक्शन करना बहुत पसंद है। आगे साउथ में और भी काम करने पर एक्टर ने कहा कि अगर मुझे मौका मिलेगा तो मैं जरूर करूंगा। मैं मलयालम, तेलुगु या तमिल फिल्म में काम करना पसंद करूंगा। मुझे साउथ में काम करने का अनुभव बहुत अच्छा लगा और मैं उम्मीद करता हूं कि मुझे वहां से और भी काम मिलेगा। नई भाषा में काम करने की चुनौती के बारे में अक्षय ने कहा कि मुझे भाषाओं और लहजों में रुचि है और मुझे उनसे आनंद मिलता है। बेशक यह एक चुनौती है, लेकिन मुझे इसमें बहुत मजा आता है। भाषाएं और लहजे सीखना मेरे लिए स्वाभाविक है। इसलिए मुझे काम में मजा आया।

एक एक्टर और निर्देशक के रूप में कांतारा मेरे लिए एग्जॉस्ट करने वाली फिल्म रही

क्लैपर बॉय से एक्टर-डायरेक्टर बनने के सफर में ऋषभ शेट्टी के करियर में कड़े संघर्ष के कई दौर आए, मगर कलाकार बनने का उनका जज्बा कभी भी धूमिल नहीं हुआ। सहायक निर्देशक और एक-दो सीन वाली भूमिकाएं करने वाले ऋषभ ने गुजारे के लिए छोटे-बड़े सभी काम किए और आखिरकार उनकी किस्मत का सितारा चमका कांतारा की सुपर सक्सेज से। इन दिनों वे चर्चा में हैं कांतारा चैप्टर 1 से।

एक अदाकार के रूप में आपकी यात्रा के बारे में बात करूं, तो उसमें भी कई उतार-चढ़ाव और संघर्ष रहा?

हर किसी को अपने हिस्से का संघर्ष तो करना ही पड़ता है। खास तौर पर मैं अगर आर्ट फॉर्म की बात करूं, तो आप उसे नहीं चुनते बल्कि वो आपको चुनता है। आपको यहां तक पहुंचने के लिए एक प्रक्रिया से तो गुजरना ही पड़ता है। मैं अपने संघर्ष को एक प्रोसेस मानता हूं। ये सच है कि मैंने छोटे-बड़े सभी काम किए हैं। मैं पानी की बोतलें बेचा करता था। मैंने रियल एस्टेट और होटल में भी काम किया। इंडस्ट्री में मैंने क्लैपर बॉय के रूप में शुरुआत की। कई छोटे-छोटे रोल्स किए, मगर मैंने कभी किसी काम को कमतर नहीं समझा। अपनी पहली कमाई आज भी याद है मुझे। पानी की बोतल बेच कर मैंने 25 रुपए कमाए थे। मैं एक बड़ी मैडम के घर पानी पहुंचाने गया था और उस काम के मुझे 25 रुपए मिले थे। उस वक्त पच्चीस रुपए भी बहुत बड़ी रकम लगी थी मुझे।

आप एक ऐसे कलाकार हैं, जो परिवार को साथ लेकर चलने में यकीन रखते हैं।

बिलकुल, क्योंकि परिवार नहीं होगा, तो मेरा कोई अस्तित्व ही नहीं होगा। मेरी पत्नी प्रगति कॉस्ट्यूम डिजाइनर हैं। इस पार्ट वन और टू की कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग उन्होंने ही की है। पार्ट वन रहा हो या टू वे पूरी तरह से मेरी इमोशनल स्ट्रेंथ रहीं। खतरनाक एक्शन सीन्स के दौरान वे लगातार भगवान से प्रार्थना करती थीं। उन्हें पूरी यूनिट की चिंता रहती थी। शूटिंग के दौरान मैं महीनों तक घर नहीं जा पाता था, क्योंकि हमें लगातार शूटिंग करनी होती थी, ऐसे समय में मैं लोकेशन के आस-पास की जगहों या होटल्स में ठहरता था ताकि अगले दिन समय पर शूटिंग में पहुंच सकूं। एक एक्टर और निर्देशक के रूप में कांतारा मेरे लिए एक एग्जॉस्ट करने वाली फिल्म रही है, ऐसे में भावनात्मक रूप से उन्होंने ही मुझे संभाला। शूटिंग दौरान वे घर में बच्चों की देखरेख भी कर रही थीं और मुझसे मिलने शूटिंग पर भी आया करती थीं।

आज दर्शक हर भाषा में कॉन्टेंट देख रहा है, मगर भाषा के नाम पर जो विवाद पैदा किए जाते हैं, उनके बारे में क्या कहना चाहेंगे?

हमारी डायवर्सिटी हमारी सबसे बड़ी ताकत है और इसे समझाना होगा। तभी तो हमारे करेंसी नोट पर कोई एक भाषा नहीं होती। हमारे नोट पर जितनी भाषाएं हैं, असल में हमारे पास उससे भी कहीं अधिक लैंग्वेज हैं। यही भारत की पहचान है। मेरा मानना है कि भाषा पर कोई विवाद नहीं होना चाहिए। हम सभी को एक-दूसरे की भाषाओं को सम्मान देना चाहिए। हमारी मातृभाषा हमारे चरित्र की परिचायक है। हम जब सामने वाले की भाषा को इज्जत देंगे, तभी हमारी भाषा को रिस्पेक्ट मिलेगी।

अपनी पहली फिल्म कांतारा से पैन इंडिया स्टार का दर्जा हासिल करना कैसा लगता है?

सच कहूं, तो मैं इन बातों को नहीं समझता। मुझे तो यही सब जिम्मेदारी लगती है। मुझे लगता है कि मुझे यदि देश भर के लोग पसंद कर रहे हैं, तो मुझे ज्यादा जिम्मेदार होने की जरूरत है। मुझे और अधिक कोशिश करनी होगी कि मैं लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरूं। सफलता और तारीफ हासिल करने के बाद मुझे लगता है कि मेहनत डबल हो जाती है।

फिल्म में एक्टर-डायरेक्टर की दोहरी जिम्मेदारी का संतुलन कैसे स्थापित किया

इसका श्रेय मैं अपनी टीम को देना चाहूंगा। चाहे वो मेरे राइटर्स की टीम हो, प्रोड्यूसर हों या कैमरामैन, मैं अगर कोई एक आइडिया पिच करता हूं, तो हर कोई मेरा साथ देने को तैयार हो जाता है। हम साथ मिलकर आईडिया एक्सप्लोर कर लेते हैं। अब जैसे इस फिल्म की मूल कहानी हमारे देव कोला और लोक कथाओं से प्रेरित थी। जब इस कहानी का विचार आया तो सभी को भा गया। मुझे लगता है, किसी भी फिल्म की सफलता का क्रेडिट टीमवर्क को जाता है।

स्वामी मोर्निंग सिटी मल्टीमीडिया प्रा.लि. मुद्रक, प्रकाशक एवं प्रधान संपादक- सुशील कुमार सिंह (मोबाइल न. 8077588101), पुरराज प्रिंट एंड पैकिंग प्रा. लि., ई - 19 सेक्टर 6 नोएडा , गौतमबुद्धनगर से छपवाकर शॉप न. - 307 , 308 एल्फा - 1 नीलकंठ प्लाजा, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित। (RNI No. UPHIN/2015/60949)
(समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र गौतमबुद्धनगर होगा) प्रकाशिक सामग्री या विज्ञापन में संपादक / प्रकाशक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इससे संबंधित किसी भी प्रकार की कार्यवाही या पूछताछ प्रकाशन तिथि से तीन माह के अंदर की सकती है। ई-मेल-morningcityinput@gmail.com